वर्ष : 17 अंक : 200 लखनऊ सोमवार, 28 जुलाई, 2025 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

विश्ववार्ता

www.vishwavarta.com

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

नगर संस्करण **

मूल्य ₹4

ई-पेपर पढ़ने के लिए स्कैन करें हमारा क्यू आर कोड

मौसम

सूर्योदय	: 5:14
सूर्यास्त	: 7:04
अधिकतम	: 33:00°
न्यूनतम	: 28:00°

ट्रोलर्स बोले– शादी कर लो बूढ़ी हो रही हो 10

6 लाख अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा 2 | एको रूद्र द्वितीयो नास्ति 6 | दीवार न होती तो हरिद्वार के मनसा देवी ... 12

हरिद्वार में भगदड़, छह की मौत

मनसा देवी मंदिर में भारी भीड़ जुटने से 25 सीढ़ी पहले हादसा, 29 घायल

● सीएम धामी ने दिये मजिस्ट्रेट जांच के आदेश ● मृतकों के परिजनों को दो–दो लाख का मुआवजा

विश्ववार्ता ब्यूरो

हरिद्वार। हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह तकरीबन 9:15 बजे भगदड़ मच गई। इसमें छह लोगों की मौत हो गई, जबकि 29 लोग घायल हैं। यह मंदिर पहाड़ के ऊपर बना हुआ है और यहां पहुंचने के लिए करीब 800 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं।

हरिद्वार एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोभाल ने कहा- मनसा देवी मंदिर में भगदड़ में 35 लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। इन्हें अस्पताल लाया गया, लेकिन 6 लोगों की मौत हो गई। बाकी का इलाज चल रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने घटना को लेकर मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी इस हादसे पर गहरा दुख जताया है।

मंदिर पहुंचने के लिए करीब 25 सीढ़ियां बची थीं, तभी हादसा हुआ। रविवार को भीड़ बहुत ज्यादा थी। इस बीच कुछ लोग वहां लगे तार को पकड़कर आगे बढ़े। इस दौरान कुछ तार

उत्तर प्रदेश के मृतक

1. आरूष पुत्र पंकज उर्फ प्रवेश, उम्र 12 वर्ष, निवासी–सौदा बरेली।
2. विक्की पुत्र रिक्का राम सैनी, उम्र 18 वर्ष ग्राम–विलासपुर थाना – विलासपुर कैमरी रोड़ नगलिया कला मजरा रामपुर।
3. वकील पुत्र भरत सिंह निवासी मौहतलवाद, जिला बाराबंकी।
4. श्रीमती शान्ति पत्नी रामभरोसें बदायू उत्तर प्रदेश।

छिल गए और उनमें करंट आ गया। इससे अफरा-तफरी मच गई और सीढ़ियों पर गिरने से लोग मारे गए। इधर हरिद्वार पुलिस ने मंदिर में करंट फैलने की बात को अफवाह बताया। गढ़वाल डिवीजन के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने कहा कि मंदिर में भारी भीड़ जुटने की वजह से हादसा हुआ। मनसा देवी मंदिर हरिद्वार में शिवालिक पहाड़ियों पर बिल्व पर्वत पर स्थित है। यह हर की पौड़ी से लगभग 3 किमी दूर स्थित है और यहां 1.5 किमी की चढ़ाई वाले रास्ते से या

» तार में करंट उतरने की फैलायी गयी थी अफवाह

रोपवे के माध्यम से पहुंचा जा सकता है।

हादसे पर मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी की मानें तो भगदड़ की घटना मंदिर के अंदर किसी के फिसलकर गिरने के कारण हुई न कि बिजली का तार टूटने की अफवाह की वजह से। वहीं हरिद्वार जिला प्रशासन का कहना है कि वह अफवाह फैलाने वाले एंगल से भी घटना की जांच करेगा।

हरिद्वार के जिला मजिस्ट्रेट मयूर दीक्षित ने कहा कि हमें तस्वीरों और वीडियो की जांच से पता चला है कि किसी ने बिजली का तार टूटने की अफवाह फैलाई थी। हालांकि तार टूटने के संकेत नहीं मिले हैं। ऐसे में हम जांच करेंगे कि अफवाह किसने फैलाई? मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने कहा- मनसा देवी मंदिर तक जाने के तीन रास्ते हैं - रोपवे, वाहनों का रास्ता और हर की पौड़ी से सीधा एक प्राचीन रास्ता। रविवार को मंदिर परिसर में भारी भीड़ जमा होने पर पुलिस को सूचित किया गया। इसके बाद बैरिकेड्स लगाए गए लेकिन फिर भी भीड़ ऊपर आ गई। इसी बीच एक व्यक्ति फिसल गया, जिसके कारण यह पूरी घटना घटी।पुरी ने आगे कहा- जब मंदिर के अधिकारी पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे तो सभी घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। यह पूरा हादसा बिजली का करंट लगने की घटना नहीं है। इस तरह की घटना होने के कोई संकेत नहीं हैं... हम पीड़ित परिवारों की सहायता करेंगे। वहीं राज्य आपदा प्रबंधन केंद्र ने बताया कि हादसे में पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं जबकि 23 अन्य को मामूली चोटें आई हैं। इस बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार के जिला अस्पताल का दौरा किया और घायलों से मुलाकात की। कुछ घायलों को उनकी गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है।

संबंधित खबरे पेज 12 पर...

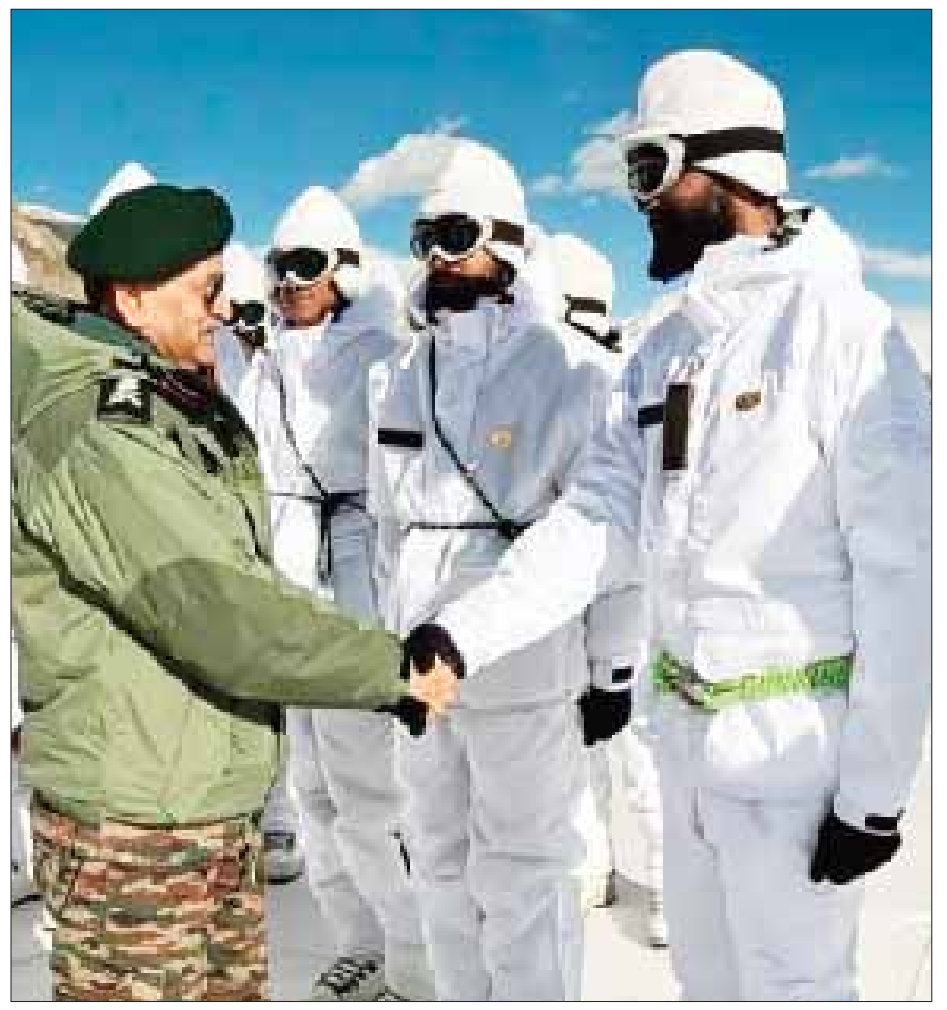

सियाचिन ग्लेशियर पर रविवार को जेसीओ से मुलाकात करते आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी

भारत के दुश्मनों के लिए कोई पनाहगाह नहीं

चोल सम्राट राजेन्द्र चोल के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में पीएम बोले

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने दुनिया को दिखाया कि अगर भारत की संप्रभुता पर हमला हुआ, तो वह किस तरह जवाब देगा और सीमा पार सैन्य कार्रवाई ने पूरे देश में एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां चोल सम्राट राजेंद्र चोल के सम्मान में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने यह भी साबित कर दिया कि भारत को निशाना बनाने वाले दुश्मनों और आतंकवादियों के लिए कोई जगह सुरक्षित नहीं है। यह कार्यक्रम महान चोल सम्राट राजेंद्र चोल प्रथम की जयंती को रेखांकित करता है, जिसे 'आदि तिरुवथिरई' (तमिल माह आदि

में राजा का जन्म नक्षत्र तिरुवथिरई है) उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में कहा, "दुनिया ने देखा कि अगर कोई भारत की सुरक्षा और संप्रभुता पर हमला करता है, तो वह कैसे जवाब देता है।'' उन्होंने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया कि भारत के दुश्मनों के लिए, आतंकवादियों के लिए, कोई पनाहगाह नहीं है। जब मैं हेलीपैड से यहां आया, तो तीन-चार किलोमीटर की दूरी अचानक एक रोड शो में बदल गई, और हर कोई ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा कर रहा था।" प्रधानमंत्री ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश में एक नई जागृति, एक नया आत्मविश्वास पैदा किया है। दुनिया को भारत की ताकत का एहसास होना चाहिए।" मोदी ने कहा कि सम्राट राजराज चोल और उनके पुत्र राजेंद्र चोल-प्रथम के नाम भारत की पहचान और गौरव के पर्याय हैं । उन्होंने घोषणा की कि तमिलनाडु में उनकी भव्य प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी और ये प्रतिमाएं हमारे ऐतिहासिक जागरण के आधुनिक स्तंभ होंगी।

धनखड़ को बतानी होगी पूरी बात : खड़गे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कहा कि उन्हें जगदीप धनखड़ के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने की असली वजह के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि धनखड़ को बताना होगा कि असली में क्या हुआ था, क्योंकि मामला उनके और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच का है। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि धनखड़ ने हमेशा सरकार का पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि जब भी विपक्ष ने मुद्दे उठाने की कोशिश की, चाहे वह किसानों या गरीबों से संबंधित हो या विदेश नीति से जुड़ा हो, उन्होंने कभी भी विपक्ष को ऐसा करने की अनुमति नहीं दी।

यह सवाल पूछे जाने पर कि क्या धनखड़ को किसानों के पक्ष में बोलने के कारण इस्तीफा देने के लिए मजबूर होना पड़ा, खड़गे ने कहा, "मुझे ये सब जानकारी नहीं है।

संयम नहीं, अब आक्रामक जवाब देगा भारत

नया युद्ध सिद्धांत : भविष्य के खतरों से पहले ही निपटेगी सेना

विश्ववार्ता ब्यूरो

नयी दिल्ली। भारतीय सेना आतंकवाद और नयी तरह की चुनौतियों से निपटने के लिए 'नया युद्ध सिद्धांत' अपनाने की तैयारी में है। दरअसल, दशकों से सीमापार से प्रायोजित आतंकवाद से लड़ाई और हाल के ऑपरेशन सिंदूर से मिले सबक इसका आधार बनेंगे।

नये युद्ध सिद्धांत में दर्ज होगा कि आतंकी हमले देश के खिलाफ युद्ध हैं। नॉन स्टेट एक्टर्स की आड़ में आतंक को 'स्टेट पॉलिसी' के तौर पर इस्तेमाल करने वालों से निपटने के लिए सैन्यबल 24 घंटे तैयार रहेंगे। ऐसी आक्रामक रणनीति नई युद्ध नीति का आधार होगी। सैन्य मामलों का विभाग नए युद्ध सिद्धांत के तमाम पहलुओं पर काम कर रहा है।

सियाचिन में अफसरों से मिले आर्मी चीफ

सियाचिन। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने विश्व के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में एक अग्रिम चौकी का दौरा किया और 18 जम्मू एंड कश्मीर राइफल्स के जवानों से मुलाकात की। यह दौरा बेहद भावनात्मक रहा, क्योंकि यहीं से वे कभी एक युवा अधिकारी के रूप में सेना में नियुक्त हुए थे और इसी बटालियन का उन्होंने नेतृत्व भी किया था। दौरे के दौरान एक अत्यंत मार्मिक क्षण उस समय आया, जब जनरल द्विवेदी की मुलाकात उन्हीं सात जूनियर कमीशंड अधिकारियों और जवानों से हुई, जिन्होंने उनके नेतृत्व में बतौर युवा सैनिक अपनी सेवाएं देनी शुरू की थीं। उन्होंने कहा कि वर्षों बाद उसी बटालियन में अपने पुराने साथियों से मिलना एक भावुक क्षण था। उन्होंने बर्फीली ऊंचाइयों में अपने पुराने दिनों को याद करते हुए सैनिकों से लंबी बातचीत भी की।

नए सिद्धांत में 'सामरिक संयम' की जगह 'प्रोएक्टिव डेटेरेंस', 'प्रिएम्टिव स्ट्राइक्स' और 'प्रिवेंटिव कार्रवाई' पर जोर रहेगा। इनका मतलब है कि दुश्मन को पहले ही डराकर रोकना, खतरा दिखे तो हमला करना और भविष्य के खतरों से पहले ही निपटना।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की निगरानी में इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। शुरुआत में सेना ने एक फ्यूचर वॉरफेयर एनालिसिस ग्रुप बनाया है, जो युद्ध के तौर-तरीकों का अध्ययन करेगा। इस ग्रुप की सिफारिश पर नया ट्रेनिंग सिस्टम, सैन्य बलों के आधुनिकीकरण, खरीदारी और ऑपरेशनल प्लानिंग तय की जाएगी। सीडीएस जनरल अनिल चौहान ने शांगरीला डायलॉग में उन सामरिक बदलावों का जिक्र किया था, जिनकी वजह से नई युद्ध रणनीति जरूरी है। इसके तहत तीन बदलाव होंगे। वेपन सिस्टम्स सब-सोनिक से सुपर और हाइपर-सोनिक हो गए। स्टेल्थ टेक्नोलॉजी ने वार व बचने की कला को नई परिभाषा दी है। एआई, मशीन लर्निंग और लार्ज लैंग्वेज मॉडल्स से निर्णय लेने की क्षमता में तेजी आई है। वारफेयर का इंटेलीजेसन हुआ है।

बिहार की वोटर लिस्ट से 65 लाख नाम हटाये गये

कांग्रेस नेता सिंघवी ने कहा– यह नागरिकता परीक्षण, चुनाव आयोग को इसका हक नहीं

विश्ववार्ता ब्यूरो

पटना। चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट की विशेष गहन पुनरीक्षण के पहले चरण के आंकड़े जारी कर दिए हैं। इसके मुताबिक बिहार में अब 7.24 करोड़ वोटर हैं। पहले यह आंकड़ा 7.89 करोड़ था। वोटर लिस्ट रिवीजन के बाद 65 लाख नाम सूची से हटा दिए गए हैं। इस बीच कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने निर्वाचन आयोग से बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को रोकने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह कवायद नागरिकता परीक्षा बन गई है। भाकपा, राजद और माकपा नेताओं ने भी निर्वाचन आयोग के इस कदम पर सवाल उठाए। हटाए गए नामों में वे लोग शामिल हैं, जो अब इस दुनिया में नहीं हैं या फिर कहीं और स्थायी रूप से रह रहे हैं या जिनका नाम दो वोटर लिस्ट में दर्ज था। इनमें से

22 लाख लोगों की मौत हो चुकी हे। 36 लाख मतदाता स्थानांतरित पाए गए, जबकि 7 लाख लोग अब किसी और क्षेत्र के स्थायी निवासी बन चुके हैं।

यह विशेष अभियान 24 जून 2025 को शुरू हुआ था, जिसका उद्देश्य फर्जी, दोहरे नामांकन और स्थानांतरित मतदाताओं को सूची से हटाना और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ना था। इस व्यापक पुनरीक्षण के तहत 7.24 करोड़ नागरिकों के वैधता फॉर्म इकट्ठे किए गए।

इसके लिए बूथ स्तर अधिकारी और बूथ स्तर एजेंट ने अहम भूमिका निभाई। इन्होंने घर-घर जाकर नागरिकों से आवश्यक जानकारी एकत्र की। 25 जुलाई 2025 तक पहले चरण को 99.8% कवरेज के साथ सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया।

अब अगले चरण में, 1 अगस्त से 1 सितंबर 2025 के बीच ऐसे सभी योग्य नागरिक जिनका नाम किसी कारणवश सूची में शामिल नहीं हो सका है, उन्हें ड्राफ्ट लिस्ट में नाम जुड़वाने का मौका मिलेगा। वहीं जिनके नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज हैं, उनका नाम केवल एक स्थान पर रखा जाएगा। आयोग ने यह भी बताया कि बिहार में इस अभियान की सफलता को देखते हुए इसे अब पूरे भारत में लागू करने की योजना बनाई जा रही है। सिंघवी ने रविवार को कहा कि निर्वाचन आयोग को 'संस्थागत अहंकार' नहीं रखना चाहिए और बिहार में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान को रोकना चाहिए। भाकपा लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, राष्ट्रीय जनता दल सांसद मनोज झा और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी नेता नीलोत्पल बसु के साथ नयी दिल्ली में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में सिंघवी ने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा की जा रही कवायद एक 'नागरिकता परीक्षा' बन गई है और उन्होंने इसकी वैधता पर सवाल उठाया।

यूपी के कई जिलों में ड्रोन की दहशत

बुलंदशहर। यूपी के कई जिलों में इन दिनों ड्रोन की दहशत फैली है। इसके चलते ग्रामीण रात भर पहरा देने को मजबूर हैं। औरंगाबाद थाना क्षेत्र के 20 से अधिक गांवों में शनिवार रात ड्रोन देखे गए। राजगढ़ी में ड्रोन चोरों को देख ग्रामीणों ने फायरिंग कर उन्हें खदेड़ दिया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ड्रोन चोरों की खोजबीन की है, लेकिन पुलिस के कोई हत्थे नहीं चढ़ सका है। बता दें कि शनिवार रात 11 बजे गांव राजगढ़ी में कई स्थानों पर ड्रोन उड़ते हुए ग्रामीणों को दिखाई दिए।

ड्रोन देखने को ग्रामीण सड़कों पर उतर आए। गांव में ड्रोन चोर आने का हल्ला देख ग्रामीणों ने तीन राउंड फायरिंग कर दी। ग्रामीणों के अनुसार ड्रोन चोर गन्ने के खेत में घुस गए। ग्रामीणों ने खेत को घेरकर उनकी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। ग्रामीणों की सूचना पर थाना पुलिस भी मौके पर आ गई।

भारत को शेर बनना है, सोने की चिड़िया नहीं

देश के नाम का अनुवाद नहीं होना चाहिए अन्यथा यह पहचान खो देगा

एजेंसी

कोच्चि। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि हमें फिर से सोने की चिड़िया नहीं बनना है, बल्कि हमको शेर बनना है। दुनिया शक्ति की ही बात समझती है और शक्ति संपन्न भारत होना चाहिए। उन्होंने कहा कि 'भारत' का अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए अन्यथा यह अपनी पहचान और विश्व में इसे जो सम्मान प्राप्त है, वह खो देगा। मोहन भागवत ने कहा कि मनुष्य के पास भगवान या राक्षस बनने का विकल्प है। राक्षस बनकर वह अपनी और दूसरों की जिंदगी बर्बाद करता है, जबकि भगवान बनकर वह स्वयं और समाज का उत्थान करता है। शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को सही दिशा में ले जाना है, ताकि वह भूखा न रहे और आत्मनिर्भर बन सके। शिक्षा केवल आजीविका तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह

व्यक्ति को नैतिक और सांस्कृतिक रूप से भी सशक्त बनाए।

भागवत ने स्पष्ट किया कि विकसित भारत और विश्व गुरु भारत कभी युद्ध का कारण नहीं बनेगा, बल्कि यह विश्व में शांति और समृद्धि का संदेशवाहक होगा। भारत की यह पहचान उसकी शिक्षा प्रणाली और सांस्कृतिक मूल्यों से और मजबूत होगी।

भागवत ने कहा कि इंडिया तो 'भारत' है लेकिन जब हम इसके बारे में बात करते हैं, लिखते हैं या बोलते हैं तो इसे इसी रूप में रखा जाना चाहिए फिर चाहे वह सार्वजनिक रूप से हो या व्यक्तिगत रूप से। उन्होंने कहा कि ₹क्योंकि यह भारत है₹ इसलिए भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है। उन्होंने कहा, '"भारत एक व्यक्तिवाचक संज्ञा है। इसका अनुवाद नहीं किया जाना चाहिए। यह सच है कि 'इंडिया भारत है'। लेकिन भारत, भारत है। इसलिए बातचीत, लेखन और भाषण के दौरान फिर चाहे वह व्यक्तिगत हो या सार्वजनिक हमें भारत को भारत ही रखना चाहिए।"

उन्होंने कहा, "भारत को भारत ही रहना चाहिए। भारत की पहचान का सम्मान किया जाता है क्योंकि यह भारत है। अगर आप अपनी पहचान खो देते हैं तो चाहे आपके कितने भी अच्छे गुण क्यों न हों आपको इस दुनिया में कभी सम्मान या सुरक्षा नहीं मिलेगी। यही मूल सिद्धांत है।"

विपक्ष मुझे देशद्रोह करार देने पर उतारू था : निकम

मुम्बई। मुंबई आतंकी हमले के बाद पकड़े गए पाकिस्तानी आतंकी अजमल कसाब की चर्चा एक बार फिर होने लगी है। राज्यसभा सदस्य एवं 26/11 मुंबई आतंकवादी हमला मामले में सरकारी वकील रहे उज्ज्वल निकम ने कहा है कि कुछ विपक्षी नेताओं ने मुकदमे को लेकर निराधार दावे किए थे। निकम ने सांसद बनने पर आयोजित एक सम्मान समारोह में कहा, 'यहां तक कि पाकिस्तान ने भी यह दावा नहीं किया कि अजमल कसाब के खिलाफ गलत मुकदमा चलाया गया था। पाकिस्तान ने कभी नहीं कहा कि कसाब को (अपनी बेगुनाही साबित करने का) मौका नहीं दिया गया।' उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं ने मुझे भी देशद्रोही करार दे दिया। कसाब उन 10 आतंकवादियों में से एकमात्र जीवित बचा था, जिन्होंने नवंबर 2008 में मुंबई पर आतंकी हमला किया था, जिसमें 166 लोगों की मौत हो गई थी।

चंद्रास्वामी और सऊदी हथियार डीलर खशोगी से भी थे फर्जी राजदूत के संबंध

300 करोड़ के घोटाले से भी जुड़े हैं तार, एटीएस की जांच में कई नये राज खुले

विश्ववार्ता ब्यूरो/एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में फर्जी दूतावास चलाने के आरोप में गिरफ्तार हर्षवर्धन जैन के तार 300 करोड़ रुपए के घोटाले से भी जुड़ रहे हैं। कवि नगर में जैन के फर्जी दूतावास पर छापेमारी के दौरान पुलिस को विवादास्पद धर्मगुरु चंद्रास्वामी और सऊदी अरब के एक हथियार डीलर के साथ उसकी तस्वीरें भी बरामद हुईं। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधक दस्ते द्वारा गिरफ्तार किए गए हर्षवर्धन जैन के खिलाफ जांच के दौरान 300 करोड़ रुपए के घोटाले से उसके जुड़े होने की संभावना का पता चला है। गाजियाबाद के कवि नगर में जैन के फर्जी दूतावास पर छापेमारी के दौरान पुलिस को विवादास्पद धर्मगुरु चंद्रास्वामी और सऊदी हथियार डीलर अदनान खशोगी

के साथ उनकी तस्वीरें बरामद हुईं।

चंद्रास्वामी 80 और 90 के दशक में सुर्खियों में आए। उन्हें तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों- पीवी नरसिम्हा राव, चंद्रशेखर और वीपी सिंह का आध्यात्मिक सलाहकार माना जाता था। उन्हें 1996 में वित्तीय धोखाधड़ी के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया गया था। उन पर राजीव गांधी की हत्या के लिए धन मुहैया कराने का भी आरोप था। उनके आश्रम

पर छापे में हथियार डीलर खशोगी से उनके संबंधों का भी खुलासा हुआ था। यूपी एटीएस ने जांच के दौरान पाया कि चंद्रास्वामी ने जैन को 2000 में लंदन में खशोगी और अहसान अली सईद से मिलवाया था। यूपी पुलिस के एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि सईद ने कथित तौर पर फर्जी राजदूत के साथ मिलकर 25 फर्जी कंपनियां खोलीं। इनका इस्तेमाल सौदों में दलाली के लिए

किया गया।

सईद स्विट्जरलैंड स्थित वेस्टर्न एडवाइजरी ग्रुप नाम का एक कंपनी भी चलाता था। यह कंपनी ब्रोकरेज के बदले अन्य कंपनियों को कर्ज दिलाने में मदद करती थी। एक रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने कथित तौर पर लगभग 300 करोड़ रुपए (25 मिलियन पाउंड) की ब्रोकरेज वसूली की और देश से भाग गई। इसके बाद सईद को 2022 में लंदन में

फर्जी राजदूत हर्षवर्धन जैन है कौन?

बताया जा रहा है कि हर्षवर्धन जैन लंदन कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस से एमबीए है। वह सात साल से 'वेस्टआर्कटिका' जैसे छोटे देशों के लिए एक फर्जी दूतावास चला रहा था, जिसे किसी भी देश द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है। उसने सबोरगा, पोल्विया और लोडोनिया जैसे अस्तित्वहीन देशों का राजदूत होने का दावा किया। वह गाजियाबाद के एक व्यापारी का बेटा है। उसके परिवार के पास राजस्थान में संगमरमर की खदानें थीं। उसके पिता के निधन के बाद परिवार को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसी दौरान जैन की मुलाकात चंद्रास्वामी से हुई, जिन्होंने उसे लंदन जाकर कई कंपनियां खोलने में मदद की। चंद्रास्वामी की मौत के बाद जैन गाजियाबाद वापस आ गया और फर्जी दूतावास चलाने लगा। उसके ठिकानों पर छापेमारी के दौरान पुलिस ने फर्जी राजनयिक नंबर प्लेट वाली चार लग्जरी कारें, जाली दस्तावेज, विदेशी मुद्रा और हवाला रैकेट चलाने में इस्तेमाल होने वाली अन्य सामान जब्त की।

गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस अब 300 करोड़ रुपए के घोटाले में जैन की संलिप्तता की जांच कर रही है। यूपी एसटीएफ के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राज कुमार मिश्रा ने बताया कि खशोगी से उसके संबंधों को देखते हुए हथियारों के सौदे में उसकी संलिप्तता भी जांच के दायरे में है।

यूक्रेनी हमलों से डरा रूस, नेवी डे परेड रद्द

मास्को। रूस ने 27 जुलाई को हर साल मनाई जाने वाली अपनी पारंपरिक और प्रतिष्ठित नौसेना परेड को रद्द कर दिया। 'नेवी डे' के मौके पर सेंट पीटर्सबर्ग में होने वाली इस परेड को सुरक्षा कारणों के चलते पहली बार रद्द किया गया है। खास बात ये रही कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इस बार परेड में व्यक्तिगत रूप से शामिल नहीं हुए। उन्होंने सिर्फ एक वीडियो संदेश के ज़रिए नौसैनिकों को संबोधित किया। दरअसल, एक दिन पहले यूक्रेन ने कई रूसी शहरों पर 100 से अधिक ड्रोन हमले किए। इनमें 10 ड्रोन सेंट पीटर्सबर्ग में भी किए गए, जहां यह परेड होनी थी।

रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, "यह निर्णय मौजूदा हालात और सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए लिया गया है। सुरक्षा सर्वोपरि है।"

एक नजर

डीएम व एसपी की देखरेख में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई परीक्षा

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक आरती सिंह द्वारा संयुक्त रूप से आरओ/एआरओ0 भर्ती परीक्षा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा केंद्रीय विद्यालय फतेहगढ़, रोजी पब्लिक स्कूल फतेहगढ़, बद्री विशाल पीजी कालेज फर्रूखाबाद, मॉर्डन पब्लिक स्कूल रेलवे रोड फर्रूखाबाद, केआर रस्तोगी इंटर कालेज फर्रूखाबाद,गुरुकुल वर्ल्ड स्कूल पांचाल घाट रोड लाल दरवाजा फर्रूखाबाद केंद्र में मौजूद सभी अधिकारियों को परीक्षा को शुचितापूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने के निर्देश दिये गये। परीक्षा जनपद के 29 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुई, जिसमे पंजीकृत 12936 परीक्षार्थियों के सापेक्ष 4796 परीक्षार्थी उपस्थिति रहे व 8140 परीक्षार्थी अनुपस्थिति रहे।

संवृद्धि का सशक्तिकरण : भारत की एमएसएमई क्रांति के लिए रोडमैप : अशोक

लखनऊ। भारत का आर्थिक भविष्य उसके एमएसएमई क्षेत्र के सतत वृद्धि और सशक्तिकरण पर निर्भर करता है। अत:, इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है, जो देश की उद्यमशीलता की भावना और आर्थिक लचीलापन को बढ़ावा देता है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 30%, निर्यात में लगभग 46% का योगदान करने और कारोबारी क्षेत्र में श्रमशक्ति को 62% रोजगार प्रदान करने वाला एमएसएमई भारत की आर्थिक रीढ़ हैं।25 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को रोजगार देने वाले 5 .93 करोड़ एमएसएमई की भूमिका को क्षेत्रीय विकास, आजीविका सृजन और औद्योगिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। हालांकि, इन संभावनाओं के बावजूद एमएसएमई को ऋण संबंधी बाधाओं, सीमित बाजार पहुंच और बुनियादी संरचना की बाधाओं जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इनका समाधान करने के लिए एक मजबूत प्रणालीगत सहयोग की आवश्यकता है।

डॉ. कलाम की पुण्यतिथि पर प्रदेशभर में आयोजन

लखनऊ। पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत रत्न डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर आज पूरे उत्तर प्रदेश के समस्त मान्यता प्राप्त मदरसों में विविध कार्यक्रमों और विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसी क्रम में राजधानी लखनऊ स्थित मदरसा दारुल उलूम वारसिया में विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का अवलोकन माननीय अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्री दानिश आज़ाद अंसारी जी ने किया। उन्होंने छात्रों द्वारा प्रस्तुत विज्ञान मॉडलों और नवाचारों की सराहना की तथा कहा: इस प्रदर्शनी के माध्यम से छात्रों को डॉ. कलाम साहब के वैज्ञानिक दृष्टिकोण, उनके प्रेरणादायक विचारों और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान से जोड़ने का प्रयास किया गया है। डॉ. कलाम न केवल एक महान वैज्ञानिक थे, बल्कि युवाओं के लिए एक आदर्श व्यक्तित्व भी हैं। ऐसे आयोजन बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करते हैं।" कार्यक्रम में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री कुंवर बासित अली, प्रदेश मंत्री सुश्री नेहा खान, एवं श्री मोहम्मद आरिफ अहमद (मोनू) सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। डॉ. कलाम की स्मृति में आयोजित इस प्रदर्शनी में छात्रों ने विज्ञान, तकनीक और रचनात्मकता से जुड़ी प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों ने अत्यंत सराहा।

सपा सांसद प्रिया सरोज ने की केंद्रीय शिक्षा मंत्री से स्कूल मर्जर नीति को रद्द करने की मांग

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की मछलीशहर से सांसद प्रिया सरोज ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को पत्र लिखकर उत्तर प्रदेश में विद्यालयों के एकीकरण (स्कूल मर्जर) की नीति की समीक्षा कर मर्जर रद्द करने की मांग की है। सांसद प्रिया सरोज ने पत्र में कहा कि उत्तर प्रदेश में वर्तमान समय में विद्यालयों के एकीकरण (स्कूल मर्जर) की नीति का पालन किया जा रहा है, जो कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम की मूल भावना के प्रतिकूल प्रतीत होती है। केंद्र सरकार द्वारा लागू शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत यह प्रावधान है कि 6 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को उसके निवास स्थान से समीपतम दूरी प्राथमिक विद्यालय से एक किलोमीटर के भीतर पर नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराई जाए और एक किलोमीटर की परिधि में कोई विद्यालय उपलब्ध नहीं है, तो सरकार का यह उत्तरदायित्व है कि वह समीपवर्ती विद्यालय में बच्चे का प्रवेश सुनिश्चित कराए। परंतु उत्तर प्रदेश सरकार की 50 या उससे कम नामांकित छात्रों वाले विद्यालयों को मर्ज करने की वर्तमान नीति इस अधिनियम की भावना को आघात पहुंचा रही है। इसके चलते वे विद्यालय, जो बच्चों के घर के समीप स्थित थे, अब बंद या एकीकृत कर दिए गए हैं, जिससे बच्चों को काफी दूरस्थ विद्यालयों में जाना पड़ रहा है। इससे अनेक बच्चों के लिए विद्यालय तक पहुंच बाधित हो रही है, जिससे राज्य में ड्रॉपआउट दर में वृद्धि देखी जा रही है। यह स्थिति अत्यंत गंभीर एवं चिंताजनक है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के 2.5 लाख शिक्षक और स्कूल स्टाफ की नौकरी को भी खतरा है।

जन-जन तक पहुंचाना होगा परशुराम विचारधारा को : सुनील

हापुड़। रविवार को राष्ट्रीय परशुराम परिषद की क्षेत्रीय संगठनात्मक बैठक को परिषद के संस्थापक एवं पूर्व मंत्री सुनील भराला ने मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित किया। इस विशेष बैठक में संगठन के विस्तार, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, युवा जागरण, ब्राह्मण समाज की एकता एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण हेतु भावी योजनाओं पर गंभीर व सकारात्मक चर्चा की गई। बैठक में संस्थापक सुनील भराला ने उपस्थित समस्त पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं परशुराम भक्तजनों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा संगठन केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक सामाजिक दायित्व है जो सनातन मूल्यों, सामाजिक न्याय और ब्राह्मण स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। यह आवश्यक है कि हम सभी संगठित होकर जन-जन तक परशुराम विचारधारा को पहुँचाएं। साथ ही यह भी आग्रह किया कि आने वाले कार्यक्रमों में प्रत्येक कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो, ताकि संगठन की शक्ति धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे। बैठक में परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अशोक शर्मा, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी, भाजपा गौतमबुद्धनगर के जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, बिहार के बक्सर के ब्लॉक प्रमुख दुर्गा चरण मिश्रा, परशुराम स्वाभिमान सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय भराला, परशुराम स्वाभिमान सेना के क्षेत्रीय अध्यक्ष सोनू पंडित, कार्यालय प्रमुख लखनऊ आशीष शुक्ला, प्रदेश संयोजक अनुराग गौड़, हापुड़ जिलाध्यक्ष आयुष शर्मा, गगन शर्मा, संतोष पंडित, अभिषेक अग्रवाल, राष्ट्रीय परशुराम परिषद के क्षेत्रीय अध्यक्ष पश्चिम विनोद शर्मा, जिला अध्यक्ष बुलंदशहर अनिल शर्मा, प्रदीप, राम शर्मा, सुभाष शर्मा मौजूद रहे।

6 लाख अभ्यर्थियों ने छोड़ी परीक्षा

लखनऊ में 129 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा : एआई से निगरानी, परीक्षार्थी बोले- जीएस टफ था, यूपी और संविधान से जुड़े प्रश्न पूछे गए

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा संपन्न हो गई। लखनऊ में 61,512 परीक्षार्थियों के लिए 129 केंद्र बने थे। परीक्षा सुबह 9:30 से दोपहर 12:30 बजे परीक्षा हुई। परीक्षार्थियों ने कहा जीएस के प्रश्न काफी टफ थे। संविधान और यूपी से जुड़े प्रश्न भी आए थे।

सुबह 8 से 8:45 बजे परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया गया। इसके बाद पहुंचने वालों को एंट्री नहीं मिली। परीक्षा में कुल 150 सवाल आए हैं। 1/3 की नेगेटिव मार्किंग होगी। जिलाधिकारी कार्यालय से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए निगरानी की।

लाइव सीसीटीवी स्ट्रीमिंग के साथ एआई तकनीक का ऐसा पहरा रहा। जिलाधिकारी विशाख जी और संयुक्त पुलिस आयुक्त बब्लू कुमार ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। वहीं, परीक्षा में शामिल होने के लिए अलग-अलग शहरों से परीक्षार्थी पहुंचे। बड़ी संख्या में परीक्षार्थी शनिवार शाम को ही लखनऊ पहुंच गए थे। ठहरने के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने के कारण उन्हें रेलवे स्टेशन, बस अड्डे पर पन्नी बिछाकर सोना पड़ा था। अमेठी जिले के तिलोई तहसील से एग्जाम देने आए वसीम अहमद ने बताया कि दूसरी बार उन्होंने ये एग्जाम दिया है। इस बार के पेपर में मॉडर्न हिस्ट्री से जुड़े सवाल थोड़े ज्यादा टफ थे। हिंदी से जुड़े 60 सवाल थे। जिसमें पर्यायवाची और व्याकरण के कुछ कंफ्यूजिंग थे। कुल मिलाकर पेपर को मॉडरेट लेवल का कहा जा सकता है। सेंटर से दो सौ मीटर की दूरी तक के फोटो कॉपी और साइबर कैफे से संबंधित दुकान बंद कराई गई है। जिले में 129 सेंटर हैं। मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल मौजूद है। सोशल मीडिया से लेकर ग्राउंड तक में काम किया जा रहा। हर स्तर पर निगरानी हो रही है। चेकिंग के लिए अलग से पुलिस बल मौजूद है। सर्विलांस सेल भी एक्टिव होकर काम कर रहा है। डीएम विशाख जी ने बातचीत करते हुए कहा कि सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात हैं। प्रत्येक कमरों में सीसीटीवी लगाए गए हैं। प्रत्येक सेंटर पर एक कंट्रोल रूम है। पूरे जनपद का कमांड कंट्रोल रूम डीआईओएस ऑफिस में बनाया गया है। नकल विहीन परीक्षा शांति पूर्वक कराई जा रही है। जिलाधिकारी विशाख जी और संयुक्त पुलिस आयुक्त ला ऑर्डर बब्लू कुमार लखनऊ के सबसे बड़े सेंटर लखनऊ विश्वविद्यालय में निरीक्षण करने पहुंचे हैं। अमेठी के मुसाफिर खाना से उमाशंकर अपने मित्र राहुल को एग्जाम दिलाने आए हैं। उन्होंने बताया समय से आ गए थे। दोस्त को साढ़े 8 बजे एंट्री मिल गई थी। समय से पहुंचने वालों को कोई परेशानी नहीं हुई। लखनऊ विश्वविद्यालय परीक्षा केंद्र पहुंचे सेक्टर मजिस्ट्रेट। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी परीक्षा केंद्रों की निगरानी कर रहे हैं।

प्रदेश अध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री समेत कार्यकर्ताओं ने सुनी मन की बात

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का अत्यंत लोकप्रिय मन की बात कार्यक्रम का 124वां संस्करण लखनऊ महानगर में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री गोविंद शुक्ला,वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह, महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी, एमएलसी मुकेश शर्मा, विधायक डॉक्टर नीरज बोरा, ओपी श्रीवास्तव सहित प्रदेश पदाधिकारीयों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग बूथों पर क्षेत्र वासियों के साथ सुना। मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद #एक पेड़ मां के नाम# अभियान के अंतर्गत बूथों पर वृक्षारोपण अभियान चलाया गया। प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने केंट मंडल 3 की बूथ संख्या तीन पर वृक्षारोपण किया। मीडिया प्रभारी प्रवीण गर्ग ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी और कार्यकर्ताओं के साथ पूर्व विधानसभा में बूथ संख्या 288 पर, उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने केसरी खेड़ा वार्ड की बूथ संख्या 61 पर, नीरज सिंह ने रफी अहमद किदवई वार्ड की बूथ संख्या 313 पर, एमएलसी मुकेश शर्मा ने उत्तर विधानसभा की बूथ संख्या 394 पर, महापौर सुषमा खर्कवाल ने सनराइज पब्लिक विद्यालय कल्याणपुर में, विधायक डॉक्टर नीरज बोरा ने फैजुल्लागंज द्वितीय वार्ड में बूथ संख्या 261 पर, विधायक ओपी श्रीवास्तव ने गोमती नगर में बूथ संख्या 345 पर,मंडल अध्यक्षों, पार्षदों और कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना और उसके बाद वृक्षारोपण अभियान चलाया।

राजधानी में रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को राजभवन में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट की।

ऊर्जा मंत्री ने सोशल मीडिया में वायरल ऑडियो का लिया तत्काल संज्ञान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बस्ती के अधीक्षण अभियंता प्रशांत सिंह और मूडघाट बस्ती के उपभोक्ता भरत पांडे के मध्य विद्युत आपूर्ति को लेकर हुई बातचीत के ऑडियो का सोशल मीडिया में वायरल का त्वरित संज्ञान लेकर बस्ती के अधीक्षण अभियंता प्रशांत सिंह पर शख्त कार्रवाई के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री के निर्देश पर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री शम्भु कुमार ने बस्ती के अधीक्षण अभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन अवधि में अधीक्षण अभियंता पूर्वांचल के प्रबंध निदेशक कार्यालय, वाराणसी से संबंध रहेंगे। बस्ती के निलंबित अधीक्षण अभियंता पर विद्युत आपूर्ति को लेकर फोन पर उपभोक्ता से अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने, उपभोक्ता की शिकायत का निस्तारण न कराने तथा कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों में घोर लापरवाही बरतने के प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने पर शख्त कार्रवाई की गई और उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही संस्तुति की जा रही।

भाजपा सरकार ने की बिजली व्यवस्था चौपट : अखिलेश

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की बिजली व्यवस्था की दुर्दशा कर दी है। उत्तर प्रदेश में बिजली विभाग का ट्रांसफॉर्मर उड़ गया है, मंत्री-अधिकारी के बीच के तार टूट गये हैं और त्रस्त जनता के बीच सरकार पर भरोसे के खंभे उखड़ गये हैं। जनआक्रोश का मीटर खटाखट बढ़ रहा है। उत्पादन का चक्का जाम है, संचार खंडित है और डिस्ट्रीब्यूशन के नाम पर भ्रष्टाचार की कमाई का वितरण चालू है।

अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में बिजली नहीं, केवल बिजली का बिल आ रहा है और ये बेइंतहा बिल लोगों की जेबें खा रहा है। समाजवादी पार्टी की सरकार में बिजली व्यवस्था को ठीक करने के लिए जो भी कार्य किए थे, भाजपा सरकार ने 9 साल में सब बर्बाद कर दिया। पूरे प्रदेश की जनता अघोषित विद्युत कटौती से त्रस्त है। सरकार सिंचाई के लिए भी किसानों को बिजली नहीं दे पा रही। गांव और छोटे शहरों की तो छोड़िए बड़े शहरों और जिला मुख्यालय में भी बिजली का भारी संकट है। राजधानी लखनऊ के विभिन्न इलाकों में घंटों बिजली कटौती हो रही है। कटौती से आम जनता, व्यापारी, छात्र सब परेशान है। जब तक उपकेन्द्रों पर पहुंचकर लोग धरना-

प्रदर्शन नहीं करते है तब तक सरकार होश में नहीं आती है। बिजली के लिए जब राजधानी लखनऊ के लोग धरना देने पर मजबूर हो तो प्रदेश के अन्य जिलों और ग्रामीण इलाकों में हालात कितना बुरा होगा इसकी सिर्फ कल्पना की जा सकती है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में एक भी यूनिट बिजली उत्पादन बढ़ाने का काम नहीं किया। बिजली की मांग हर साल बढ़ रही है लेकिन भाजपा सरकार ने कोई नया बिजली घर नहीं लगाया। उत्तर प्रदेश में आज जो भी बिजली मिल रही है वह समाजवादी सरकार में बनाए गए पावर प्लांटों से उत्पादन हो रहा है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश में लूट और भ्रष्टाचार का रिकॉर्ड बनाया है। हर विभाग में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है। प्रदेश में बिजली चेकिंग के नाम पर किसानों, व्यापारियों और आम जनता से वसूली होती है। बिजली को लेकर भाजपा सरकार का चौतरफा विरोध हो रहा है। बिजली मंत्री का जगह-जगह घेराव हुआ है। सरकार का विरोध हो रहा है। श्री यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता समझ चुकी है कि भाजपा की डबल इंजन की सरकार उसे बिजली उपलब्ध कराने में पूरी तरह से फेल हो गई है। भाजपा जाए तो रोशनी आए। जनता किसी भी हालत में भाजपा को बर्दाश्त करने के मूड में नहीं है।

उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अग्रणी स्थान पर

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या द्वारा प्रधानमन्त्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन (पीएम एफएमई) योजना एवं उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण नीति-2023 को अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं प्रदेश को एक ट्रिलियन इकोनामी प्राप्त करने में मददगार बताते हुए समस्त मुख्य विकास अधिकारियों को इस कार्यक्रम के प्रति बेहद सजगता बरतने एवं ध्यान दिए जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को योजना भवन लखनऊ मे प्रदेश के मुख्य विकास अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति व प्रधानमन्त्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के बेहतर क्रियान्वयन पर विशेष रूप से जोर दिया गया। बताया गया कि प्रसंस्करण के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश अग्रणी स्थान पर है, सबसे अधिक खाद्य प्रसंस्करण के उद्योग यहां स्थापित हैं। कोशिश है कि फलो व सब्जियों का अधिक से अधिक प्रसंस्करण किया जाय इससे किसान भाई सीधे लाभान्वित होंगे। अपर मुख्य सचिव, खाद्य एवं प्रसंस्करण, बी०एल० मीणा द्वारा प्रस्तुतिकरण में अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश में लगभग 65000 खाद्य प्रसंस्करण इकाईया स्थापित हैं। 3.5 लाख इकाईया असंगठित क्षेत्र (एम०एस०एम०ई०) की है। 2800 इकाई लगभग रू 500 करोड़ टर्न-वोवर चाली है। पीएम एफएमई योजना के अन्तर्गत इस वर्ष स्वीकृत प्रस्ताव सर्वाधिक हैं, जिनका स्ट्राइक रेट 98 प्रतिशत है जो कि प्रथम स्थान पर है। पीएम एफएमई योजना के अन्तर्गत 17900 से अधिक इकाईयों को अनुदान स्वीकृति प्रदान की गयी है। खाद्य प्रसंस्करण के माध्यम से 4.60 लाख से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का सृजन किया गया है। अग्रेत्तर अवगत कराया गया कि उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण नीति-2023 अंतर्गत रेडी टू ईट अंतर्गत 62 इकाईया, सोलर पावर अंतर्गत 58 ईकाईयाँ, कोल्ड चेन अंतर्गत 31 इकाईयाँ, चावल, एवं तिलहन प्रसंस्करण अंतर्गत 57 इकाईयों,फल एवं सब्जी प्रसंस्करण अंतर्गत 21 इकाईयाँ, दूग्ध प्रसंस्करण अंतर्गत 14 इकाईयों, रेडी टू सर्व अंतर्गत 12 इकाईयों, मसाले प्रसंस्करण अंतर्गत 11 इकाइयों, राईस ब्रान आयल अंतर्गत 9 इकाईयों, मल्टीग्रेन फ्लोर अंतर्गत 8, रिफर वाहन अंतर्गत 8 इकाइयों तथा अन्य खाद्य प्रसंस्करण अंतर्गत 18 इकाईयों को लेटर आफ कम्फर्ट जारी कि या गया है। यह भी अवगत कराया कि प्रदेश के 75 जनपदों में से 62 जनपदों में परियोजनाए स्थापना हेतु लेटर आफ कम्फर्ट जारी है, परन्तु 13 जनपदों यथा -औरैया, अयोध्या, बलिया, भदोही, इटावा, फर्रुखाबाद, जालौन, कौशाम्बी, महोबा, मेरठ, मीरजापुर, सिद्धार्थ नगर एवं सोनभद्र की किसी भी इकाई को लेटर आफ कम्फर्ट जारी नहीं है। इसके अतिरिक्त अवगत कराया गया कि उ०प्र० खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 योजनान्तर्गत अनुदान दो किश्तों में दिये जाने की व्यवस्था है। द्वितीय किश्त के भुगतान के समय अन्य थर्ड पार्टी इन्पेक्शन एजेन्सी की रिपोर्ट के साथ आवश्यक प्रपत्रों में से प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी अन्तिम प्रमाण पत्र एवं प्रपत्रों की भी आवश्यकता होती हैं, परन्तु जनपद सुल्तानपुर, अमरोहा, रामपुर, उन्नाव, शाहजहांपुर, बांदा, बदायूं, लखनऊ, फतेहपुर, बरेली, बुलन्दशहर, मथुरा, कानपुर नगर, रामपुर, अमेठी एवं वाराणसी की 17 इकाईयां को फायर एन ओ सी अप्राप्त है, वहीं जनपद-सुल्तानपुर, सीतापुर, अमरोहा, रामपुर, बरेली, फतेहपुर, बुलन्दशहर, मथुरा, कानपुर नगर एवं अमेठी की 13 इकाईयां को प्रदूषण एनओसी अप्राप्त है। इस सम्बंध में सम्बन्धित मुख्य विकास अधिकारियों से अपेक्षा की गयी कि जनपद में स्थापित इकाईयों को नियमानुसार यथा-आवश्यक फायर / प्रदूषण अनापत्ति प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। जनपद से इनोवेटिव फूड प्रोसेसिंग प्रस्तावों को तैयार कराकर पोर्टल पर अपलोड करवायें एवं थर्ड पार्टी इन्सपेंक्शन एजेन्सी से व्यापक समन्वय सुनिश्चित किया जाये।

अब गोमतीनगर स्टेशन कहलाएगा अटल बिहारी वाजपेयी टर्मिनल

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊवासियों के लिए गर्व और भावना से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमतीनगर रेलवे स्टेशन को अब देश के पूर्व प्रधानमंत्री और लखनऊ से पांच बार सांसद रहे भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से जाना जाएगा। इस ऐलान के साथ ही न सिर्फ शहर के गौरव में इजाफा हुआ है, बल्कि अटल जी की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने की दिशा में एक और अहम कदम भी बढ़ाया गया है। रेलवे अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि गोमतीनगर रेलवे स्टेशन को जल्द ही 'अटल बिहारी वाजपेयी टर्मिनल' के नाम से आधिकारिक पहचान मिल जाएगी। यही नहीं, स्टेशन परिसर में अटल जी की एक विशाल प्रतिमा भी स्थापित की जाएगी, ताकि आने वाली पीढ़ियों को उनके विचारों और देशहित में किए गए कार्यों की प्रेरणा मिलती रहे। यह निर्णय हाल ही में गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति की बैठक में लिया गया, जो विराम खंड स्थित मनीषा मंदिर में आयोजित हुई थी। इस बैठक में लोगों को बेहतर सुविधाएं देने पर विचार हुआ और स्टेशन का नाम अटल जी के नाम पर रखने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में मौजूद रक्षा मंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताते हुए न सिर्फ स्टेशन का नाम बदलने का समर्थन किया, बल्कि अटल जी की प्रतिमा लगवाने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री से ऊर्जा विभाग अपने पास रखने की अपील : संघर्ष समिति

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से निवेदन किया है कि वे स्वयं ऊर्जा विभाग अपने पास ले लें और निजीकरण का निर्णय निरस्त कर दें तो बिजली कर्मी द्विगुणित उत्साह के साथ उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति सेवा देने हेतु कृतसंकल्प हैं। बिजली कर्मियों का उन पर पूरा विश्वास है। संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण के एजेंडे के तहत देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले उत्तर प्रदेश के ऊर्जा निगमों को बेवजह बदनाम नाम किया जा रहा है। वस्तुतः देश में सर्वाधिक विद्युत आपूर्ति करने वाले ऊर्जा निगम उत्तर प्रदेश का गौरव हैं। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश की कोर कमेटी की आज हुई बैठक में एक प्रस्ताव पारित कर मुख्यमंत्री से ऊर्जा विभाग का दायित्व अपने पास लेने का निवेदन किया गया। संघर्ष समिति ने कहा कि बिजली कर्मियों ने भीषण गर्मी के दौरान सीमित संसाधनों के बावजूद सर्वाधिक बिजली आपूर्ति का नया राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया है। यद्यपि बिजली कर्मी निजीकरण के विरोध में आंदोलनरत है किंतु बिजली कर्मियों ने अपने आंदोलन के साथ उपभोक्ता सेवा को सदैव सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। निजीकरण का एजेंडा लेकर चलने वाले लगातार मिल रही सफलता को विफलता में बदल देने पर तुले हुए हैं। संघर्ष समिति ने कहा जो लोग ऊर्जा विभाग में शीर्ष पदों पर हैं और जो संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए विद्युत वितरण निगमों को असफल बता रहे हैं, दरअसल इसके पीछे उनका निजीकरण का एजेंडा है, उन्हें अपने पदों से त्यागपत्र दे देना चाहिए।

संघर्ष समिति ने कहा कि संघर्ष समिति के साथ लिखित समझौता कर मुकर जाने वाले ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा बिजली कर्मियों का विश्वास पहले ही खो चुके हैं। अब ऊर्जा मंत्री और पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष के बीच मचे घमासान में आम जनता पिस रही है। ऐसे में आम जनता के हित में मा मुख्यमंत्री जी को ऊर्जा विभाग अपने पास रखना चाहिए। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उत्तर प्रदेश के केंद्रीय पदाधिकारियों ने आज यहां कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी की प्रदेश की बिजली व्यवस्था के प्रति चिंता सर्वथा उचित है। उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मचारी, संविदा कर्मी, जूनियर इंजीनियर और अभियंता मुख्यमंत्री के प्रति पूरा विश्वास रखते हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में लगातार सुधार कर रहे बिजली कर्मियों के प्रयास से 2017 में चल रही 41% लाइन हानियां घटकर अब 15% से नीचे आ गई हैं। एक वर्ष के अंदर अंदर उत्तर प्रदेश के विद्युत वितरण निगमों की लाइन हानियां राष्ट्रीय मानक से काफी नीचे आ जायेंगी इसकी पूरी संभावना है। उन्होंने कहा कि विद्युत वितरण निगमों में सुधार के लिए केंद्र सरकार की आरडीएसएस योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को 44000 करोड रुपए मिला है। निजीकरण का एजेंडा चलाने वाले इस धनराशि को खर्च करके विद्युत वितरण निगमों को कौड़ियों के मोल निजी घरानों को बेचना चाहते हैं। बिजली कर्मचारी उपभोक्ताओं की सेवा को बनाए रखते हुए इसी के विरोध में गत आठ माह से आंदोलन रत है। संघर्ष समिति ने कहा कि 65 दिन चले महाकुंभ के दौरान बिजली कर्मियों ने दिन रात काम किया और महाकुंभ में पल मात्र के लिए भी बिजली का व्यवधान नहीं आने दिया। बिजली कर्मियों के अथक प्रयास से ही महाकुंभ की बिजली व्यवस्था की आज पूरे विश्व में चर्चा हो रही है। महाकुंभ भारत की सांस्कृतिक विरासत है और 2025 के महाकुंभ का सबसे बड़ा आकर्षण उच्च कोटि की बिजली व्यवस्था थी जिसे सरकारी क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के बिजली कर्मियों ने मा योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में कर दिखाया। संघर्ष समिति ने कहा कि निजीकरण का एजेंडा लेकर चलने वाले झूठे आंकड़े देकर वित्तीय संकट का हौआ खड़ा कर रहे हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि सरकारी विभागों का बिजली राजस्व का बकाया और सब्सिडी की धनराशि को घाटे में जोड़कर निजीकरण का तर्क दिया जा रहा है। सरकारी विभागों का बिजली राजस्व का बकाया मिल जाए तो उत्तर प्रदेश के विद्युत वितरण निगम किसी घाटे में नहीं हैं।

- निजीकरण के एजेंडे के तहत उप्र के बिजली निगमों को किया जा रहा है बदनाम
- देश में सर्वाधिक बिजली आपूर्ति का रिकॉर्ड बनाने वाले ऊर्जा निगम उत्तर प्रदेश का गौरव हैं

संघर्ष समिति ने कहा कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों की एक लाख करोड रुपए की परिसंपत्तियों को बेचने के लिए रिजर्व प्राइस मात्र 6500 करोड रुपए रखना और 42 जनपदों की सारी जमीन मात्र एक रुपए की लीज पर निजी घरानों को सौंप देना यह ऐसे कदम है जो उत्तर प्रदेश सरकार को बदनाम करने के लिए उठाए जा रहे है। निजीकरण के विरोध में आज अवकाश के दिन बिजली कर्मचारियों ने समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर व्यापक जनसंपर्क किया और आम जनता को यह बताने का प्रयास किया कि निजीकरण के बाद

एक नजर

पांच साल से राजकीय नलकूप के री बोर का इंतजार कर रहे किसान

लखनऊ। धान की फसल के समय पानी की कमी से परेशान किसानों को सरकारी नलकूप भी राहत नहीं दे पा रहे हैं। गोसाईगंज के भट्ठी बरकत नगर का राजकीय नलकूप करीब पांच साल से खराब पड़ा है। किसान पांच साल से नलकूप के री बोर का इंतजार कर रहे हैं। गोसाईगंज के भट्ठी बरकत नगर गांव में वर्ष 1993-94 में स्थापित राजकीय नलकूप कई वर्षों से खराब पड़ा है। किसानों के बार बार कहने के बावजूद नलकूप ठीक नहीं किया जा सका। बीते समय मुख्य विकास अधिकारी ने भी राजकीय नलकूप को देखा और री बोर का आदेश दिया लेकिन उनके आदेश का भी कोई असर नहीं हुआ। ग्राम प्रधान सविता के प्रतिनिधि रमेश कुमार ने बताया कि मुख्य विकास अधिकारी रही रिया केजरीवाल ने अपने कार्यकाल में 14 सितंबर 2022 को भट्ठी बरकत नगर के राजकीय नलकूप का निरीक्षण किया था। उन्होंने एक्सियन से नलकूप री बोर कराने के लिए कहा था। री बोर के लिए प्रधान के स्तर से पांच महीने पहले भूमि का प्रस्ताव भी जा चुका है लेकिन अब तक री बोर का काम शुरू भी नहीं हो सका है। उन्होंने बताया कि तमाम किसानों की खेती इसी नलकूप के सहारे होती है लेकिन नलकूप ठीक नहीं किया जा सका। धान की फसल को भी नलकूप से पानी मिलने की उम्मीद जा चुकी है। गोसाईगंज क्षेत्र में अब तक खेतों को तर करने वाली बरसात भी नहीं हो सकी है। मेघों का इंतजार करते किसानों ने निजी संसाधनों से धान की रोपाई किया अब सिंचाई के लिए भी फिलहाल निजी साधन का सहारा है। रानीखेड़ा, बस्तियां, दाउदपुर, सैदापुर और बसरहिया गांव की एक किमी की परिधि में चल रहे दर्जन भर पंपिंगसेटों के कारण पर्याप्त पानी भी नहीं निकल रहा है। किसानों का कहना है कि सावन का आधा महीना बीत गया लेकिन बरसात दिखाई नहीं दी। गर्मी के कारण पंपिंग सेटों का पानी पूरा नहीं पड़ रहा है। किसान बताते हैं कि एक बीघा खेत में पानी भरने में कई घंटे लग जाते हैं।

कारगिल विजय दिवस पर कांग्रेसियों ने काकोरी शहीद मंदिर में शहीदों को किया नमन

काकोरी। कारगिल विजय दिवस के अवसर हम कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देशानुसार कारगिल युद्ध में शहीद हुए बहादुर जवानों की याद में शनिवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष रुद्र दमन सिंह बब्लू के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कंग्रेस नेताओं ने काकोरी स्थित शहीद स्मारक पर शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में मुख्य रूप से कांग्रेस सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश चेयरमैन पूर्व सैनिक सुभाष मिश्रा,महीप सिंह,गनेश रावत,महासचिव मोहम्मद रेहान खान,छोटे मियाँ,संतोष मौर्य,मोहम्मद आरिफ,इरशाद अली,शीबू खान,गुफरान,सैनिक राम कुमार,जय प्रकाश सिंह,डीएन सिंह,अजय कुमार,तनवीर हुसेन,अमित कुमार,फिरोज मशी राजन,शिव नारायरण रावत,जितेंद्र कुमार,कामरान,शेलेन्द्र,फेजी, रोहित,अमित सहित आदि मौजूद रहे।

सिर व रीढ़ की हड्डी की चोट और नुकसान के समाधान बताए

लखनऊ। पीजीआई के एपेक्स ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने शनिवार को रोगियों और तीमादारों को सिर व रीढ़ की हड्डी की चोट और नुकसान के समाधान बताए। उन्होंने बताया कि न्यूरोसर्जरी विभाग की ओर से न्यूरो ट्रॉमा सपोर्ट ग्रुप की बैठक हर माह के अंतिम शनिवार को आयोजित की जाती है। मस्तिष्क एवं रीढ़ की हड्डी की चोट से पीड़ित मरीजों और उनके परिवार के सदस्यों को जागरुक किया जाता है। कोई में इसमें शामिल होकर समस्याओं का निराकरण पा सकता है। डॉ. वेद प्रकाश मौर्य एवं डॉ कमलेश सिंह ने तीमारदारों को मरीज की देखभाल एवं उपकरणों के इस्तेमाल की जानकारी साझा की। मनोचिकित्सक डॉ. रोमिल सैनी ने मरीजों और परिचारकों में आने वाले अवसाद, व्यवहार एवं अनुभूति में आने वाले बदलाव का समाधान बताया। स्वास्थ्य लाभ के लिए डीप ब्रीदिंग एवं माइंडफुलनेस की भूमिका को जरूरी बताया। न्यूरोसर्जरी टीम के डॉ. सुधाकर, डॉ. हिमेश, डॉ. अनंता एवं डॉ. अंशु ने स्वस्थ्य रोगियों की नए रोगियों और इनके तीमारदार से मुलाकात करायी। मरीज के पुनर्वास में फिजियोथेरेपी की भूमिका समझाने एवं डायटिशियन के जरिये सही आहार लेने की जानकारी दी गई।

सिपाही की पत्नी ने किया सुसाइड

लखनऊ। एक सिपाही की पत्नी ने सुसाइड कर लिया। सुसाइड करने से उसने पहले पति और ससुराल वालों पर मारने-पीटने का आरोप लगाया। सिपाही की तैनाती बीकेटी थाने में है। थाने के पास ही दोनों किराये के कमरे रहते थे। मृतका की पहचान सौम्या कश्यप (25) के रूप में हुई है। उसने अपने सिपाही पति अनुराग कुमार पर दूसरी शादी करने के लिए उससे मारपीट करने का आरोप लगाया। रविवार को उसने अपने कमरे में पंखे पर दुपट्टे के सहारे लटककर सुसाइड कर लिया। वह पति के साथ बीकेटी आई थी। सुसाइड से पहले सौम्या ने इंस्टाग्राम पर दो वीडियो पोस्ट किए। इन वीडियो में उसने अपने पति और ससुराल वालों पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। उसने बताया कि उसके ससुराल वाले पति की दूसरी शादी कराना चाहते हैं। उसके जेठ ने उसे मारने की धमकी दी। शादी से पहले भी दोनों लखनऊ में साथ रहते थे। उसके बाद शादी की बात आने पर सिपाही अनुराग मुकर गया था। इसके बाद सौम्या ने थाने में तहरीर दी थी। मुकदमे के बाद सिपाही ने उससे मंदिर में शादी कर ली थी।

पीजीआई दवा विक्रेता वेलफेयर समिति का पांचवा स्थापना दिवस मनाया

लखनऊ। पीजीआई दवा विक्रेता वेलफेयर समिति का पांचवा स्थापना दिवस रविवार को बड़ी धूमधाम से मनाया गया। संस्था के अध्यक्ष विनय शुक्ला एवं वरिष्ठ महामंत्री अमित शुक्ला ने बताया कि आयोजन के दौरान संस्था के नव निर्वाचित सदस्यों को उनके पद के मनोनयन पत्र सौंपे गए,और उन्हें संस्था के हितों के लिए काम करने की शपथ दिलाई गई। समारोह में चेयरमैन विनोद भावनानी कार्यवाहक अध्यक्ष अमित अग्रवाल कोषाध्यक्ष मोहम्मद सलमान वरिष्ठ संगठन मंत्री इंद्रेश सिंह महामंत्री सुरेंद्र मिश्रा परेश शुक्ला वरिष्ठ उपाध्यक्ष ललित मोहन मिश्रा नितिन टंडन अमित राय गुप्ता मोहन कुमार, विपुल भाटिया अमित सक्सेना अरविंद गुप्ता राकेश सोनकर शैलेंद्र मिश्रा मनीष शर्मा मनोज ,अरुण गौर सहित अन्य दवा व्यापारी उपस्थित रहे।

सिटी बस से उतरते समय मोबाइल फोन चोरी

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के डेन्टल कॉलेज चौराहे से पीजीआई अस्पताल तक सिटी बस के यात्री के दो मोबाइल फोन चोरों ने पार कर दिया, पीड़ित की तहरीर पर पीजीआई कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। हरि राम पाल , 16 ए फ. कहलों गार्डन, सहकारी समिति सेक्टर 12 वृंदावन कालोनी, लखनऊ में रहते हैं उन्होंने बताया कि बीती 22 जुलाई शाम करीब 7 बजे 8 बजे के बीच डेंटल कालेज से पीजीआई' की तरफ बस से जा रहे थे। जब वह बस से उतरने लगे तो उन्हें धक्का लगा, लेकिन पीछे देखा तो कोई नजर नहीं आया। कुछ देर बाद मैं जब उन्होंने अपने मोबाइल फोन निकालने लगे तो पता चला कि उनके दोनों फोन चोरी हो चुके थे। पीजीआई कोतवाली पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

बॉल उठाने गया बच्चा ट्रांसफॉर्मर से चिपका

पिता ने सऊदी अरब से वीडियो कॉल पर देखा मृत बेटे का चेहरा

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। राजधानी में 8 साल के बच्चे की बिजली के ट्रांसफॉर्मर में चिपकने से मौत हो गई। वह क्रिकेट की बॉल उठाने गया था। ट्रांसफॉर्मर का गेट खुला होने की वजह से बिजली की चपेट में आ गया। यह देखकर वहां खेल रहे बच्चों ने शोर मचाया। शोर सुनकर स्थानीय लोग जुट गए। लोगों ने कड़ी मशक्कत करके उसे ट्रांसफॉर्मर से अलग किया।

उसका चाचा उसे गोद में उठाकर हॉस्पिटल के लिए भागे। पार्क के पास खड़े ऑटो से उसे हॉस्पिटल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना रविवार को फूल बाग स्थित शंकरपुरी कॉलोनी में हुई। बच्चे की पहचान मो. फहद के रूप में हुई। लोगों का कहना है कि ट्रांसफॉर्मर पार्क में जमीन पर रखा है। उसका गेट काफी दिनों से खुला है।

बिजली विभाग से गेट सही कराने की कई बार मांग की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। अफसरों की लापरवाही से बच्चे की जान चली गई। विधायक रविदास मल्होत्रा पीड़ित परिवार से मिले। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कॉलोनी के बच्चे रोज की तरह पार्क में खेल रहे थे। क्रिकेट का बॉल ट्रांसफॉर्मर के पास चला गया। गेट खुला होने के कारण बच्चा ट्रांसफॉर्मर के पास तक पहुंच गया। अचानक तेज झटके के साथ वह उसमें चिपक गया। घटना के बाद पार्क में अफरा-तफरी मच गई।

मौके पर मौजूद लोगों ने किसी तरह हिम्मत जुटाकर बच्चे को ट्रांसफॉर्मर से अलग किया और तुरंत पास के हॉस्पिटल ले गए। स्थानीय निवासियों में बिजली विभाग के प्रति भारी रोष है। अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। फहद के पिता सऊदी अरब में हैं। परिजनों ने फोन करके उन्हें घटना की जानकारी दी। वीडियो कॉल से उन्हें बेटे का चेहरा दिखाया। इस दौरान फहद के पिता और परिजन रोते-बिलखते रहे। परिजनों ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया है। स्थानीय पुलिस पोस्टमॉर्टम कराने के लिए दबाव बना रही है। तीन भाइयों में फहद सबसे बड़ा था। उससे छोटे दो भाई फरहान और अजान हैं। अधिशासी अभियंता हुसैनगंज अनिल कुमार भारती ने बताया कि हुसैनगंज खंड के 33/11 केवी विधानसभा उपकेंद्र के नजरबाग फीडर पर शंकरपुरी कॉलोनी में 400 केवीए ट्रांसफॉर्मर लगा है। उसके चारों ओर बैरिकेडिंग है। आज उसमें एक गेंद चली गयी। 8 साल का बच्चा बैरिकेडिंग का गेट खोलकर गेंद उठाने अंदर चला गया। उसको फ्यूज यूनिट से करंट लग गया। उसकी अस्पताल में मौत हो गई।

दैनिक जीवन में बढ़ता जा रहा है कृत्रिम बुद्धिमता का प्रभाव : न्यायाधीश

लखनऊ। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने कहा कि दैनिक जीवन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। आधुनिक जीवन को सुगम बनाने में एआई के कई लाभ हैं। लेकिन इसके विनाशकारी दुष्प्रभाव न केवल खतरनाक हैं, बल्कि जानलेवा भी हो सकते हैं। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया रविवार को सरोजनीनगर स्थित कैप्टन मनोज पाण्डेय उप्र सैनिक स्कूल की छात्राओं के लिए नवनिर्मित छात्रावास उद्घाटन के दौरान छात्र सैनिको को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया ने स्कूल में स्थित युद्ध स्मारक पर सभी शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की।उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया 1972 में कैप्टन मनोज कुमार पाण्डेय उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल के कैडेट थे। वह अपनी पत्नी वैशाली धूलिया के साथ यहां पहुंचकर अपनी पुरानी यादों, स्थानों और बचपन की गतिविधियों को याद करते हुए भावुक हो रहे थे। स्कूल के प्रिंसिपल कर्नल राजेश राघव, रजिस्ट्रार कर्नल डीएस चौहान और हेडमास्टर लेफ्टिनेंट कर्नल सचिन चमोली ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने 150 लड़कियों की क्षमता वाले नव पुनर्निर्मित गर्ल्स हॉस्टल का उद्घाटन किया और कर्नल राघव को एक नई स्कूल बस की चाबी भी भेंट की। उन्होंने इस तथ्य पर संतोष व्यक्त किया कि कर्नल राजेश राघव एक महान कर्ता होने के नाते इस संस्थान की भौतिक और शैक्षणिक दोनों तरह से निरंतर प्रगति के लिए असाधारण रूप से काम कर रहे हैं। इस अवसर आईएएस निदेशक उद्योग राज कमल यादव, ओल्ड बॉयज़ एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधीर त्यागी और ओबीए के सचिव अमित जायसवाल भी मौजूद रहे।

ताऊ के पास रह रहे किशोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के कल्ली पश्चिम में अपने ताऊ के घर रह रहे किशोर ने रविवार दोपहर बाद करीब 4 बजे कमरे में पंखे के हुक से दुपट्टे का फंदा लगाकर आत्म हत्या कर ली,जानकारी होने पर घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पीजीआई कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक जीतू सिंह16 वर्ष, अपने 6 साल के छोटे भाई के साथ अपने ताऊ राम सिंह के साथ कल्ली पश्चिम में रहता था। पिता देशराज सिंह और मां में अनबन चल रही है, मां घर छोड़कर चली गई, वहीं पिता ने भी अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लिया है और शराब पीने का आदी है। जिससे दोनों भाई ताऊ राम सिंह के साथ रहते थे। राम सिंह ने बताया कि दोपहर में खाना खाने के बाद अपने कमरे में चला गया था, दरवाजा अंदर से बंद था,जब बहुत देर तक जीतू सिंह 16 वर्ष बाहर नहीं आया तो आवाज लगाई,जबाव नहीं मिलने पर खिड़की से झांक कर देखा तो वह फंदे पर लटका हुआ था। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र सिंह ने बताया कि मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का ही लग रहा है। रिपोर्ट आने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

धोखाधड़ी के मामले में शातिर गिरफ्तार

लखनऊ। कम्पनी जयरानी इन्फा बोल्ड प्रा0लि0 का फर्जी सी0एम0डी0 बनकर सीधे-साधे लोगो से जमीन व प्लाट बेचने के नाम पर धोखाधडी कर पैसा हडप लेने वाला शातिर आरोपी को पीजीआई पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया हैं। इंस्पेक्टर पीजीआई धीरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि अशोक कुमार यादव, पूर्व सैनिक उम्र लगभग 49 वर्ष पुत्र स्व0 राम शंकर यादव निवासी- ग्राम भवन की मड़ैया, झीझक कानपुर देहात की लिखित तहरीर के आधार पर बावत अभियुक्त द्वारा वादी को जमीन दिलाने के नाम पर कम्पनी जयरानी इन्फा बोल्ड प्रा0नि0 के खाता मे पैसे जमा करवा लेने व जमीन भी नही दिलवाने तथा अपना पैसा वापस मांगने पर गाली गलौज व धमकी देने, भेष बदल -बदल कर सीधे-साधे लोगो के साथ ठगी करने के सम्बन्ध पंजीकृत कराया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया अभियुक्त घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था जिसमें थाना स्थानीय टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयासोपरान्त साक्ष्य संकलन, मैनुअल एवं टैक्निकल साक्ष्यो के आधार पर मुकदमें में वांछित चल रहे अभियुक्त राहुल यादव उर्फ राहुल सिंह पुत्र हाकिम सिंह निवासी - हैबतमऊ मवैया चुंगी पोस्ट बीआरए यूनिवर्सिटी थाना पीजीआई जनपद लखनऊ उम्र 35 वर्ष को थाना पीजीआई क्षेत्रान्तर्गत सेक्टर 10सी वृन्दावन योजना से गिरफ्तार किया गया। आरोपी द्वारा कम्पनी जयरानी इन्फा बोल्ड प्रा0लि0 का फर्जी सी0एम0डी0 बनकर सीधे-साधे लोगो से जमीन व प्लाट बेचने के नाम पर धोखाधडी कर पैसा हड़प लेता था। इस पर दो मुकदमें दर्ज हैं।

मेघ मल्हार में खूब बरसा आनंद

लखनऊ। सावन और हरियाली तीज के पावन अवसर पर लखनऊ कनेक्शन वर्ल्डवाइड द्वारा होटल रोसेल इन में आयोजित सांस्कृतिक संध्या मेघ मल्हार ने श्रोताओं का मन मोह लिया। इस आयोजन में श्रावण मास की पावनता, नारी शक्ति की भक्ति, और लखनऊ की सांस्कृतिक विरासत को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। इस भव्य आयोजन की योजना जनाब शोएब कुरैशी, रश्मि मिश्रा, राहुल पांडेय, राजीव सक्सेना, प्रदीप शुक्ला, विनोद श्रीवास्तव, नीरजा शुक्ला और राजेन्द्र सिंह पवार द्वारा मिलकर की गई। कार्यक्रम की रूपरेखा श्री पवार ने संभाली, जबकि मंच संचालन रश्मि मिश्रा और राहुल पांडेय ने ऊर्जा और आत्मीयता के साथ किया। मुख्य अतिथि आकाशवाणी लखनऊ के निदेशक अजीत चतुर्वेदी ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और सभी प्रतिभागियों को सम्मानित किया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ : टिप टिप टिप टिप बारिश शुरू हो गई पर्वराजेन्द्र पवार, अन्विता, रमा, प्रियंका और मीनाक्षी द्वारा जोश से भरी प्रस्तुति दी। वहीं हरियाली लोकगीतों पर नीरजा शुक्ला, सुषमा प्रकाश, शशि किरण, अन्विता, ममता श्रीवास्तव और इन्दु सरस्वत की

मनभावन प्रस्तुति दी। जबकि सावन मोहे तरसाए पर ईला गुप्ता द्वारा भावपूर्ण शास्त्रीय नृत्य पेश किया गया। मेघ मल्हार में ना झटको ज़ुल्फ से पानी राहुल पांडेय और हाय रे हाय नींद नहीं आए राहुल पांडेय एवं रश्मि मिश्रा की मधुर युगल प्रस्तुति दी। हाय हाय ये मजबूरी नम्रता मिश्रा और सावन का महीना पवन करे शोर सौरभ और अंकिता गुप्ता की मोहक युगल प्रस्तुति सराही गई। रिमझिम गिरे सावन रमन श्रीवास्तव ने सधी हुई प्रस्तुति दी। ग्रुप प्रबंधक शोएब कुरैशी ने सभी महिला प्रतिभागियों को सावन और तीज के उपलक्ष्य में उपहार भेंट कर गंगा-जमुनी तहज़ीब की मिसाल पेश की। इस अवसर पर नीरजा- अनिल शुक्ला, शशि किरण - ध्रुव खरे, और रिचा - डी.के. श्रीवास्तव की वैवाहिक वर्षगाँठ, तथा रिचा श्रीवास्तव, प्रियंका पांडेय, चित्रा वेंकटरमन, डॉ. अनिल कुमार अग्रवाल, राखी लखन, विजयलक्ष्मी श्रीवास्तव, साधना श्रीवास्तव और मृदुला श्रीवास्तव के जन्मदिन मंच पर धूमधाम से मनाए गए। इस सुंदर आयोजन का संयोजन अन्विता मनीष और मनीष भारती ने किया। कार्यक्रम के दौरान LCWW की ई-पत्रिका 'Lucknow Connection Worldwide Group' के चौथे संस्करण का लोकार्पण भी मुख्य अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य संपादक अल्का प्रमोद और सह-संपादक कविता मिश्रा उपस्थित रहीं। पर्दे के पीछे से अथक परिश्रम करने वाले अन्विता मनीष, अनिल शुक्ला जूनियर, रमा कर्णवाल, ममता श्रीवास्तव, इशु गुप्ता, अनामिका गुप्ता सूरी और पवन सूरी के योगदान को सराहते हुए धन्यवाद दिया गया। LCWW के पूर्व कार्यक्रम स्वर संजीवनी में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले डॉ. विश्वास वर्मा को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मेघ मल्हार ने एक बार फिर सिद्ध किया कि LCWW न केवल लखनऊ की सांस्कृतिक आत्मा से जुड़ा है, बल्कि उसे जीवंत और समृद्ध बनाए रखने के लिए समर्पित भी है।

खतरे से खाली नहीं राजधानी के जर्जर स्कूल

राजस्थान हादसे में सात बच्चों की मौत पर सभी दुखी

राम दशरथ यादव

लखनऊ। राजस्थान में शुक्रवार को उस स्कूल की छत ढह गई जिसमें बच्चे पढ़ रहे थे। सात नौनिहाल मौत का शिकार हो गए। घटना से सभी दुखी हैं। राजधानी में भी ऐसे स्कूल हैं जो नौनिहालों के लिए खतरा हैं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने राजस्थान हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि ऐसे स्कूलों से बच्चों को दूर रखा जाए। राजधानी के गोसाईगंज विकासखंड का माढ़रमऊ प्राथमिक विद्यालय 1963 का स्थापित है। वर्ष 1989 में विद्यालय भवन का निर्माण हुआ। उस समय ग्राम प्रधान करन सिंह यादव, उप प्रधान विशुन सिंह और प्रधानाध्यापिका इलताश परवीन थी। गंजरिया फार्म माढ़रमऊ विद्यालय भवन देखने में ही जर्जर लगता है। जर्जर होने के बाद भी 36 साल पुराने स्कूल को नया भवन नहीं मिल सका। गांवसभा नगरीय क्षेत्र में शामिल होने के बाद कोई हाल खबर लेने वाला भी दिखाई नहीं दिया। सौनई प्राथमिक विद्यालय का भवन दो कमरों का है जो जर्जर हो चुका है। काकोरी के पूर्व माध्यमिक विद्यालय महिपतमऊ का स्कूल भवन काफी जर्जर स्थिति में है। विद्यालय को एक नया कमरा मिला लेकिन पर्याप्त न होने के कारण तिरपाल का छप्पर डालना पड़ा है। स्कूल के ऊपर से हाइटेंशन विद्युत लाइन भी निकली है। प्रधानाध्यापिका ने काफी लिखा पढ़ी किया लेकिन बिजली विभाग ने बच्चों के सिर से गुजरी हाइटेंशन लाइन नहीं हटाया। मलिहाबाद के दतली स्कूल का बरसात में प्लास्टर गिरने के कारण एक कमरा पहले बंद कर दिया गया था। उसके बाद गत वर्ष दूसरा कमरा भी कमजोर हो गया और उसे भी बंद कर दिया गया था। अब दतली स्कूल को नए भवन का इंतजार है। गोसाईगंज के प्राथमिक विद्यालय मोहारी खुर्द की स्थिति अच्छी नहीं। उच्च प्राथमिक विद्यालय आदमपुर नौबस्ता का भवन भी कमजोर हालत में है। ग्रामीणों के मुताबिक प्राथमिक विद्यालय रामपुर और देई टीकर भी जर्जर हैं। गोसाईगंज के ही प्राथमिक विद्यालय शेखनापुर का जर्जर भवन ध्वस्त कर नए भवन का निर्माण करवाया जा चुका है लेकिन विद्यालय बच्चों के लिए सुरक्षित फिर भी नहीं है। असुरक्षा का कारण स्कूल प्रांगण में बंद हो चुकी दूध डेरी का जर्जर भवन है। इस भवन से बच्चों के लिए खतरा रहता है। शिक्षिकाएं और प्रधान सभी चाहते हैं कि विद्यालय प्रांगण से जर्जर भवन को हटा दिया जाए। प्राथमिक विद्यालय मटेरा भी जर्जर बताया गया है। गोसाईगंज का रामपाल त्रिवेदी इंटर कालेज भी काफी पुराना हो चुका है। इसके कुछ कक्ष ज्यादा पुराने हैं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के वीरेंद्र कुमार, अवधेश कुमार, योगेंद्र सिंह, अजय कुमार और अतीश ने राजस्थान हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए प्रदेश और राजधानी के जर्जर स्कूलों से बच्चों को सुरक्षित रखने पर जोर दिया है। राजधानी के कई स्कूल जर्जर हालत में हैं जिनको नए भवन की जरूरत है। मालूम हो कि राजस्थान के झालावाड़ा जिले के पिपलोदी गांव में स्थित सरकारी स्कूल की छत शुक्रवार को ढह गई। घटना में सात बच्चे मौत का शिकार हो गए जिनमें दो भाई बहन बताए गए। घायल 21 बच्चों को दो अस्पतालों में भर्ती करवाया गया जहां नौ की हालत गंभीर थी। लखनऊ के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राम प्रवेश ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों के लिए आदेश जारी किया है कि जर्जर विद्यालय भवनों या कमरों को चिन्हित करके उनको बंद कर दिया जाए। उन्होंने कहा है कि जर्जर कमरों में बच्चों को किसी भी दशा में न बैठाया जाए और न हो कोई गतिविधि संचालित की जाए, बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए।

सम्मान वरिष्ठ पत्रकार नवीन जोशी को पहला स्व . ज्ञानेंद्र शर्मा स्मृति उत्कृष्ट पत्रकार सम्मान

इमरजेंसी के दौरान ज्ञानेंद्र जी की लेखनी बहुत धारदार थी

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। वरिष्ठ पत्रकार स्वर्गीय ज्ञानेंद्र शर्मा की स्मृति में यूपी जर्नलिस्ट गिल्ड के तत्वावधान में रविवार को पत्रकारों की एक संगोष्ठी का आयोजन यूपी प्रेस क्लब में किया गया। गोष्ठी की शुरुआत यूपी प्रेस क्लब के पूर्व सेक्रेटरी वरिष्ठ पत्रकार सुरेश बहादुर सिंह के संबोधन से हुई। श्री सिंह ने स्व. शर्मा के साथ बिताए दिनों को याद करते हुए कहा कि स्व. शर्मा पत्रकारिता की खुली किताब थे। जिसे पढ़कर आज के युवा सच्ची पत्रकारिता सीख सकते हैं। उन्होंने बताया कि स्व. शर्मा आज के दौर की पत्रकारिता के गिरते स्तर को लेकर चिंतित रहा करते थे। खासकर इस बात पर कि युवा पत्रकारों में सीखने की ललक खत्म होती जा रही है।

उत्तर प्रदेश मान्यता प्राप्त संवाददाता समिति के अध्यक्ष हेमंत तिवारी ने स्वर्गीय शर्मा को याद करते हुए उन्हें अपना गुरु बताया। उन्होंने कहा कि वह मेजर असाइनमेंट पर हमेशा अच्छे से अच्छा आउटपुट चाहते थे। स्वर्गीय शर्मा आज की तुलना में पत्रकारिता के गूगल थे। किसी भी खबर पर उनका रेफरेंस बहुत ही जोरदार रहता था। वह मीटिंग में पूरी तैयारी से आते थे। उनसे नई पीढ़ी को सीखना चाहिए। बीबीसी के पूर्व संवाददाता वरिष्ठ पत्रकार रामदत्त त्रिपाठी ने बताया कि उस जमाने में स्वर्गीय शर्मा ने अपने आप को तकनीक के हिसाब से बहुत अपडेट रखा था। वह अपनी खबरों को खुद ही टाइपराइटर पर टाइप किया करते थे। इमरजेंसी के दौरान में उनकी लेखनी बहुत धारदार थी। वह हमेशा जन पक्षधर पत्रकारिता किया करते थे। स्व. ज्ञानेंद्र शर्मा के पारिवारिक मित्र डॉ. वीके मिश्रा ने उनसे अपने व्यक्तिगत लगाव की स्मृतियों को ताजा किया। उन्होंने कहा की सहनशीलता और भरोसा जैसे मानवीय गुण उन्होंने ज्ञानेंद्र शर्मा से ही सीखा। उनकी अनुपस्थिति से हमारे आसपास एक बड़ा शून्य बना है। स्वर्गीय शर्मा के भाई हरेंद्र शर्मा ने स्मृतियों को ताजा करते हुए बताया कि उनकी पढ़ाई से लेकर नौकरी तक बड़े भाई के रूप में स्व. शर्मा ने जिम्मेदारियों का निर्वहन बखूबी किया। उनके पुत्र अनुपम शर्मा ने कहा कि ज्ञानेंद्र शर्मा ने पत्रकारिता के अलावा आरटीआई के क्षेत्र में भी बहुत काम किया। वह हर फील्ड के माहिर थे। वरिष्ठ पत्रकार जगदीश जोशी ने उनके साथ बिताए अपने कार्यकाल के अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि स्व. शर्मा पत्रकारिता के अलावा बैडमिंटन और टेबल टेनिस का भी शौक रखते थे और अक्सर

लखनऊ क्लब में मिल जाया करते थे। एक संपादक के रूप में ज्ञानेंद्र जी से उन्हें बहुत सीखने को मिला। वरिष्ठ पत्रकार मुदित माथुर में कहा कि स्व. शर्मा एक ऐसे व्यक्तित्व थे जिनसे हर कोई सीखता था। वह राजनीति में होने वाली उठा पटक पर बारीक नजर रखते थे और भविष्य की गतिविधियों के घटनाक्रम पर पकड़ रखते थे। अगर किसी सहयोगी की स्टोरी उनको मिल जाती थी तो उसे और निखार देते थे। उन्होंने इस बात का विशेष जिक्र किया कि स्व. शर्मा के नियमित कॉलम 'प्रसंगवश' के टाइटल को पूर्व राज्यपाल मोतीलाल बोरा ने अपनी किताब में लिया। वरिष्ठ पत्रकार नवेद शिकोह ने कहा कि आज की पत्रकारिता की तुलना में स्वर्गीय शर्मा सौ पत्रकारों पर भारी थे। एक रिपोर्टर के तौर पर वह जोरदार पत्रकार तो थे ही, संपादक के तौर पर भी उन्होंने अपनी बेहतरीन छाप छोड़ी। लखनऊ विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान के प्रोफेसर रहे रमेश दीक्षित ने स्व. शर्मा के संग बिताए दिनों को याद करते हुए बताया कि वह एकमात्र ऐसे पत्रकार थे जो राजनेताओं की आंखों से आंखें मिलाकर बात करते थे। उन्होंने पॉलिटिकल रिपोर्टिंग के मानक तय किए जिनका मुकाबला आज भी कोई नहीं कर सकता। मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में उनके कार्यकाल की भी तुलना किसी से नहीं की जा सकती। वह हर फन में माहिर थे। पत्रकारिता के साथ-साथ मित्रता और परिवार का दायित्व भी उन्होंने बखूबी निभाया। वरिष्ठ पत्रकार शरत प्रधान ने कहा कि जब उन्होंने अपनी पहली किताब लिखी तो उसमें सहयोग के लिए और सबसे पहले स्वर्गी शर्मा के पास ही गए क्योंकि उन्हें पता था कि उनके पास जो जानकारी होगी और किसी और के पास नहीं मिलेगी। उनसे उन्होंने पत्रकारिता के सही वैल्यू सीखे। उन्होंने वाकई सच्ची पत्रकारिता की जबकि आज के दौर में चाटुकारिता, पत्रकारिता पर भारी है। वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र अग्निहोत्री ने कहा कि स्व. शर्मा मूल्य के धनी पत्रकार थे। उन्होंने भोपाल से पत्रकारिता की शुरुआत की। उनकी स्मरण शक्ति बहुत जबरदस्त थी और साहित्य पर भी उनकी जबरदस्त पकड़ थी। वरिष्ठ पत्रकार प्रद्युम्न तिवारी ने बताया कि उन्होंने विधानसभा की रिपोर्टिंग स्व. शर्मा से ही सीखी। जूनियर साथी को भी साथ में लेकर चलने की कला स्व. शर्मा में भरपूर थी। वरिष्ठ पत्रकार सिद्धार्थ कलहंस ने स्वर्गीय शर्मा के साथ के दिनों के चर्चा की। एक प्रसंग का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे स्व. शर्मा ने एक लाइन में यह कह कर बहस समाप्त करवा दी थी कि 'पत्रकार को निष्पक्ष होकर नहीं बल्कि निरपेक्ष होकर लिखना चाहिए।' अंत गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार नवीन जोशी ने उनके साथ बिताए दिनों की याद ताजा करते हुए कहा कि उनके साथ रिश्तों की व्याख्या नहीं की जा सकती। वह अंतरंग रिश्ते को समझते थे और उसके हिसाब से जीवन जीते थे। महफिलों में शेर-ओ- शायरी के बीच में उनके चुटकुले लोगों को बहुत पसंद आते थे। उन्होंने स्व. शर्मा के जन्मदिन पर लिखी एक कविता भी सुनाई। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता की गिरावट से स्वर्गीय शर्मा चिंतित रहा करते थे। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार नवीन जोशी को 'स्वर्गीय ज्ञानेंद्र शर्मा उत्कृष्ट पत्रकार सम्मान' से सम्मानित भी किया गया। सुरेश बहादुर सिंह ने कहा कि स्वर्गीय शर्मा द्वारा कायम की गई उत्सवधर्मिता परंपरा को वह कायम रखेंगे। यह सम्मान हर साल पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पत्रकारों को दिया जाएगा। संगोष्ठी के दौरान वरिष्ठ पत्रकार घनश्याम दुबे, हरिश मिश्र, उमेश रघुवंशी, दीपक गिडवानी, मनमोहन व राजू मिश्र के अलावा टीबी सिंह, अशोक राजपूत, राजीव तिवारी बाबा, अजय त्रिवेदी, राजेश मिश्र, आशु बाजपेई, रोहित श्रीवास्तव के साथ ही बड़ी संख्या में स्व. शर्मा के परिजन, मित्रगण व शुभचिंतक भी मौजूद रहे।

एडीजी ने लिया कांवड़ यात्रा की सुरक्षा का जायजा

शांति और सौहार्द का संदेश लेकर वनखंडीनाथ मंदिर तक पहुँचे

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। श्रावण मास और कांवड़ यात्रा की तैयारियों को लेकर बरेली प्रशासन पूरी तरह सतर्क और सक्रिय रहा है। शुक्रवार को अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन बरेली एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने थाना बारादरी क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक वनखंडीनाथ मंदिर का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रा मार्ग पर सुरक्षा, रोशनी, निगरानी व शांति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए। निरीक्षण के पश्चात एडीजी व एसएसपी के नेतृत्व में मंदिर से लेकर चक चुंगी तक का पैदल मार्च भी किया गया। यह भ्रमण वनखंडीनाथ मंदिर से शुरू होकर गौसाई गौटिया तिराहा, अल्वी चौराहा, शाहनूरी, हरीशाह की मजार,

क्रबिस्तान तिराहा, मौर्य गली होते हुए चक चुंगी तक संपन्न हुआ। इस दौरान अधिकारी दल ने मार्ग पर सुरक्षा संबंधी सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं का निरीक्षण किया और आम नागरिकों से संवाद स्थापित कर त्योहारों को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। पैदल भ्रमण के दौरान हिंदू-मुस्लिम दोनों समुदायों के प्रबुद्ध नागरिकों से मुलाकात कर उनसे शांति और भाईचारे को बनाए रखने की अपील भी की गई। अफवाहों से बचने की सलाह देते हुए एडीजी ने स्पष्ट किया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन हर समय जनता के साथ है और किसी भी प्रकार की अफवाह या उकसावे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

भ्रमण के दौरान ड्रोन कैमरों की मदद से क्षेत्र की निगरानी भी की गई, ताकि सुरक्षा में किसी भी तरह की चूक की गुंजाइश न रहे। अधिकारियों ने विशेष रूप से मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता सुनिश्चित करने, उनकी नियमित निगरानी के निर्देश दिए। साथ ही संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि कांवड़ मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था की जाए ताकि रात में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सभी धर्मों के प्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठनों से सहयोग की अपील करते हुए अधिकारियों ने कहा कि समाज के प्रबुद्ध नागरिकों को वॉलिंटियर के रूप में नियुक्त कर सामाजिक समरसता को और प्रबल किया जाए। ऐसे वॉलिंटियर्स पुलिस के साथ समन्वय बनाते हुए भीड़ प्रबंधन व संवाद कायम रखने में सहायक सिद्ध होंगे। अधिकारियों का यह पैदल मार्च न केवल सुरक्षा व्यवस्था का आकलन था, बल्कि समाज में विश्वास का संदेश भी था। प्रशासन की यह पहल बताती है कि आगामी श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा के सफल, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन को लेकर कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। जनता से प्रशासन की अपील है कि किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक जानकारी पर ध्यान न दें, शांति बनाए रखें और यदि कोई संदिग्ध गतिविधि नजर आती है तो तत्काल नजदीकी पुलिस को सूचित करें। शांति, सहयोग और सौहार्द ही त्योहारों की सबसे बड़ी कामयाबी है।

देश और समाज की सेवा की मिसाल पेश की अटल बिहारी वाजपेई ने : डॉ . श्वेत केतु

शब्दांगन द्वारा अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी वर्ष में वीरेंद्र अटल को किया सम्मानित

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। साहित्यिक और सामाजिक संस्था शब्दागन के द्वारा गत वर्ष 25 दिसंबर से देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जन्म शताब्दी वर्ष में विभिन्न क्षेत्रों विशेष काम करने वाले लोगों को सम्मानित किया जा रहा है। इसी क्रम में संस्था के द्वारा आठवे कार्यक्रम में ओजस्वी वक्ता के रूप में लोकतंत्र रक्षक सेनानी वीरेंद्र कुमार अटल को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर श्वेत केतु शर्मा ने संबोधित करते हुए कहा कि भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई एक अच्छे पत्रकार, ओजस्वी वक्ता, श्रेष्ठ कवि और निर्भीकता की मिसाल थे। इस अवसर पर लोकतंत्र रक्षक सेनानी वीरेंद्र कुमार अटल ने कहा कि स्वर्गीय वाजपेई ने राजनीति के द्वारा देश और समाज की सेवा करते हुए अपना जीवन समर्पित कर दिया था। राजनीति का क्षेत्र उनके लिए जन-जन की सेवा का था, ना कि व्यापार। सम्मान समारोह के इस कार्यक्रम में अजय राज शर्मा, रामकुमार अफरोज, जनार्दन आचार्य, विनोद कुमार गुप्ता, प्रवीण भारद्वाज, विशाल शर्मा, रणधीर प्रसाद गौड़, ए के सिंह, डॉ अखिलेश चंद्र गुप्ता, बिंदु सक्सेना, निर्भय सक्सैना, रितेश साहनी, संतोष कपूर, ने स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई से जुड़े संस्मरण और कविताएं प्रस्तुत की। समारोह का संचालन इंद्रदेव त्रिवेदी ने किया।

एक नजर

दामाद से झगड़ा हुआ तो दबंगों ने ससुर को पीटकर किया लहूलुहान

भोजीपुरा। एक परचून दुकानदार ने उधार के रुपये मांगे तो दबंगों ने उसकी दुकान पर ईंट के टुकड़े मारे। दुकानदार ने दुकान में बंद कर जान बचाई। हमलावरों को रास्ते में दुकानदार के ससुर मिल गए। तभी हमलावरों ने दुकान दार के ससुर 70 वर्षीय रफीक अहमद की लोहे की राडों से पिटाई कर लहूलुहान कर दिया। हमलावर मरणासन्न अवस्था में बुजुर्ग को छोड़कर फरार हो गए। भोजीपुरा थाना क्षेत्र के कस्बा धौंराटांडा निवासी रफीक अहमद के दामाद पड़ोसी गांव ईसापुर निवासी फीरोज की परचून की दुकान कस्बा धौंराटांडा के वार्ड 15 में है। परिजनों ने बताया फीरोज के दुकान के बारह हजार रुपये इसी वार्ड के रहने वाले मुजीब पर आ रहे थे। रविवार को फीरोज ने उधार के रुपये मांगे। तभी मुजीब आग बबूला हो गया और पुत्र मुदिस्सर के साथ मिलकर फीरोज की दुकान पर ईंट पत्थर बरसाने लगा। फीरोज ने दुकान में कैद होकर जान बचाई। तभी हमलावर घर जा रहे थे उनके मकान के सामने फीरोज के ससुर जाते हुए दिखाई दिए। तभी पिता पुत्र ने अपने अन्य परिजन की मदद से लोहे रांडों से पीटकर लहूलुहान कर दिया। घायल की तहरीर पर पुलिस ने मुजीब, मुदिस्सर व एक अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

चोर समझकर पीटने वाले दो ग्रामीणों पर रिपोर्ट

भोजीपुरा। ड्रोन चोर समझकर मजनुओं को पीटने वाले बिबियापुर कायस्थान के दो ग्रामीणों के खिलाफ भी पुलिस ने मकान मालिक सुरेन्द्र की तहरीर पर मारपीट का मामला दर्ज किया है। गांव में रात में लड़कियों को लेकर आसनाई करने पहुंचे दो युवकों के साथ बिबियापुर कायस्थान निवासी मकान मालिक सुरेन्द्र ने भोजीपुरा पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में गांव के दो युवक रिंकू पिंकू के खिलाफ मारपीट करने का आरोप लगाया। पुलिस ने सुरेन्द्र की तहरीर के आधार पर बिबियापुर निवासी पिंकू, रिंकू के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज की है। जबकि ग्रामीणों और पुलिस का भी कहना है। दोनों लड़कियों और तीनों युवकों इन लोगों ने बचाकर अपने घर पर सुरक्षित बैठा लिया था। उधर आसपास गांवों में बिबियापुर कायस्थान में चोरों के पकड़े जाने की खबर फैल गई। ग्रामीणों ने शनिवार की शाम ड्रोन उड़ते देख लिया था।तभी रात में दो बजे जनक जागीर में चोरों के आने का शोर मच गया। चोरों के डर से रात भर ग्रामीण जागते रहे।

अधिकारी ने विभिन्न ग्रामो का किया निरीक्षण

बरेली। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 विश्राम सिंह ने संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान की प्रगति का निरीक्षण किए जाने हेतु खंड विकास क्षेत्र मीरगंज के अति संवेदनशील ग्राम बल्लिया एवं चनेटा का निरीक्षण किया गया और वहां पर साफ सफाई, नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई ईवा एंटीलार्वा एवं फॉगिंग के बारे में जानकारी ली गई। भ्रमण के समय साफ सफाई होते हुई पाई गई। एंटीलार्वा एवं फॉगिंग का कार्य भी कार्ययोजना के अनुसार किया गया पाया गया। तत्पश्चात मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा ग्राम चनेटा में मलेरिया मरीजों के उपचार के बारे में जानकारी ली गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के भ्रमण के समय अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी वीबीडी, जिला मलेरिया अधिकारी अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चिकित्सा अधिकारी, सहायक मलेरिया अधिकारी, ग्राम प्रधान, आशा, आंगनवाड़ी एवं अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

डीएम ने धोपेश्वर नाथ मंदिर में जलाभिषेक कर प्रसाद किया ग्रहण

कावड़ियों हेतु बनाये गए विश्राम घर व जनपद बदायूं की सीमा तक भ्रमण कर व्यवस्थाओ का लिया जायजा

» धोपेश्वर नाथ मंदिर में श्रद्धालुओं को प्रसाद स्वरूप वितरित किये गये पौधे

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आज धोपेश्वर नाथ मंदिर में पूजा अर्चना जलाभिषेक कर प्रसाद ग्रहण किया। जिलाधिकारी ने मंदिर परिसर कावड़ियों के लिये कि गयी तैयारियों व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी द्वारा मंदिर में कावड़ लेकर आने वाले श्रद्धालुओं व शिव भक्तों को प्रसाद स्वरूप पौधों को वितरित किया गया। जिलाधिकरी ने कावड़ियों हेतु बनाये गए विश्राम घर में जाकर व्यवस्थाओ का जायजा लिया और भमौरा एवं रामगंगा में आयोजित भंडारो में कावड़ियों को प्रसाद वितरण किया और पुष्प माला पहनायी तथा कांवड़ियों के जत्थे पर पुष्प वर्षा कर उन्हे आगे की यात्रा के लिए रवाना किया गया। जिलाधिकारी ने बरेली बदायूं मार्ग की सीमा तक जाकर कछला से जल लाने वाले कावड़ियों हेतु की गयी तैयारियों का भी मुआयना किया, जहाँ जनपद बदायूं के विधायक महेश चंद्र गुप्ता ने जिलाधिकारी का पटका पहनाकर स्वागत किया और साथ में शिव भक्तों को प्रसाद वितरित किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि कावड़ियों का जत्था पूरी श्रद्धा व आस्था के साथ कछला व हरिद्वार से जल लाकर भोलेनाथ को जल चढ़ाने जाते हैं। कावड़ियों हेतु श्रावण मास के प्रत्येक रविवार तथा सोमवार को जनपद प्रशासन की ओर से भंडारे का आयोजन कराया जा रहा है, कावड़ियों के स्वास्थ्य के दृष्टिगत मेडिकल कैम्प भी लगाए गये है। जिलाधिकारी ने कहा कि नाथ नगरी के नाम से जाना जाता है। जितने भी नाथ मन्दिर हैं वहां पर पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा की पूर्ण व्यवस्था की गयी है, इस बार महिलाओं की संख्या कांवड़ियों में अधिक होने के कारण पुलिस प्रशासन द्वारा हर मन्दिरों में अलग से महिला हेल्पडेस्क की स्थापना की गयी है तथा ड्रोन के माध्यम से भी निगरानी की जा रही है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नगर सौरभ दुबे, नगर मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

विधायक ने कांवड़ियों पर फूल वर्षा की

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। समाजवादी पार्टी के भोजीपुरा से विधायक शहजिल इस्लाम ने घघोरा पिपरिया मॉडर्न विलेज स्थित शिव मंदिर पर विधायक शहजिल इस्लाम ने सभी कांवड़ियों शिव भक्तों पर फूल वर्षा कर मिष्ठान वितरण किया।

शिव भक्तों ने बम बम भोले हर-हर महादेव के उदघोष के साथ यात्रा प्रारंभ की। इस अवसर पर कावड़ यात्रा के आयोजकों लाल यादव रितेश यादव प्रीतम सिंह मुनेंद्र यादव पिंटू गंगवार समेत सभी शिव भक्तों को प्रेम और सौहार्द के साथ संपन्न होने की कामना की एवं सभी शिव भक्तों को बधाई दी।

इस कार्यक्रम में विधायक शहजिल इस्लाम, प्रदेश प्रवक्ता मयंक शुक्ला, तनवीर इस्लाम, अखिलेश पटेल, आबिद हुसैन, हरि प्रकाश यादव आदि लोग मौजूद रहे।

खिरनीबाग में शिव महापुराण कथा तीज पर निकलेगी कलश यात्रा

» 5 अगस्त को रुद्राभिषेक, 6 को भंडारा, तैयारियां पूरी

विश्ववार्ता संवाददाता

शाहजहांपुर। सावन माह के पावन अवसर पर खिरनीबाग में शिवमहापुराण कथा का आयोजन कल से शुरू होगा। आयोजन स्थल को आकर्षक सजावट और धार्मिक वातावरण के बीच तैयार किया गया है। श्रद्धालुओं में आयोजन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

कथा का समापन 5 अगस्त को रुद्राभिषेक और 6 अगस्त को विशाल भंडारे के साथ होगा। कथा का वाचन शिव महापुराण के विद्वान व्याख्याता शेवाचार्य प्रशांत प्रभु महाराज करेंगे। आयोजन समिति ने बताया कि कथा प्रतिदिन श्रद्धालुओं को भगवान शिव की महिमा, उपदेश और लीलाओं का रसपान कराएगी। कथा के पहले दिन यानी 27 जुलाई को हरियाली तीज के अवसर पर कलश यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा बाबा विश्वनाथ मंदिर से शुरू होकर नगर भ्रमण करते हुए गर्रा घाट पहुंचेगी। वहां से पवित्र जल लेकर श्रद्धालु कथा स्थल पहुंचेंगे। कथा के अंतिम दिन 5 अगस्त को सामूहिक रुद्राभिषेक होगा। इसमें सैकड़ों श्रद्धालु एक साथ भगवान शिव का जलाभिषेक करेंगे। अगले दिन 6 अगस्त को विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील आयोजन समिति के संयोजक हरिशरण बाजपेई ने शहरवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण करें और शिव कृपा का लाभ लें।

पुलिस मुठभेड़ में दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार, लूट का माल बरामद

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। देवरनियां थाना क्षेत्र में पुलिस और शातिर लुटेरों के बीच हुई मुठभेड़ में दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। मुठभेड़ में पुलिस ने लुटेरों के कब्जे से चोरी का माल, अवैध हथियार और नकदी बरामद की है। मुठभेड़ के दौरान एक पुलिसकर्मी भी घायल हो गए, घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त क्षेत्र में कई लूट की घटनाओं में शामिल थे।

घटना देर रात रहपुरा घनश्याम नहर पटरी के पास हुई, जब देवरनियां थाना पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। इस दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस के अनुसार, संदिग्धों ने रुकने के बजाय पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में जवाबी कार्यवाही करते हुए मुठभेड़ में कांस्टेबल नितीश पंघाल घायल हो गए, दोनों अभियुक्त भी घायल हुए। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान दिनेश पुत्र सियाराम, निवासी ग्राम भुजिया सुमाली, थाना भोजीपुरा, और शिवम पुत्र रामौतार, निवासी ग्राम गुलड़िया, थाना मीरगंज, के रूप में हुई है। पुलिस पूछताछ में दोनों अभियुक्तों ने 15 जुलाई को देवरनियां क्षेत्र के ग्राम बंजरिया जागीर और कुआ टांडा के बीच शर्राफा व्यापारी विनोद कुमार रस्तोगी के साथ हुई लूट की वारदात में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इस लूट में व्यापारी से नकदी और आभूषण लूटे गए थे।

पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से दो चांदी के आभूषण (कीमत करीब 50 हजार रुपये), 30 हजार रुपये नकद, दो अवैध तमंचे (315 बोर) के साथ चार जिंदा और दो खोखा कारतूस, और एक चोरी की अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है। चोरी मोटरसाइकिल का इसका उपयोग लूट की वारदातों को अंजाम देने में किया जा रहा था।

घायल अभियुक्तों और पुलिसकर्मी को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने इस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों अभियुक्तों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है और अन्य लूट की घटनाओं में उनकी संलिप्तता की जांच की जा रही है।

यह मुठभेड़ क्षेत्र में बढ़ती आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में पुलिस की सक्रियता को दर्शाती है। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई की पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

भाजपा द्वारा कारगिल विजय दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। भारतीय जनता पार्टी द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर फतेहगंज पश्चिमी के डिग्री कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष व जिला प्रभारी चौधरी देवेंद्र सिंह रहे। संगोष्ठी में कारगिल युद्ध में शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिला प्रभारी चौधरी देवेंद्र सिंह ने कहा कि आज का दिन भारत के महान वीर सपूतों को याद करने का दिन है। इस दिन भारत ने ऑपरेशन विजय को पूर्ण करते हुए पाकिस्तान को धूल चटाने का काम हमारे वीर सैनिकों ने किया। हम भारत के उन वीर सपूतों को नमन करते हैं। ये दिन भारत की सेना के शौर्य का भी प्रतीक है। उन्होंने कहा कि कारगिल युद्ध पाकिस्तान ने भारत पर थोपा था जिसका मुंहतोड़ जवाब हमारे वीर जवानों ने दिया।

कारगिल एक चुनौतीपूर्ण जगह थी इस

बेहद चुनौतीपूर्ण हालात में भी हमारे जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए पाकिस्तान के कायरों को धूल चटा दी। उस समय पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ अमेरिका गए और भारत पर दबाव डालने की कोशिश की, पर तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा कि अमेरिका हो या दुनिया की कोई भी ताकत भारत किसी के सामने नहीं झुकेगा और अंत में पाकिस्तान को आत्मसमर्पण करना पड़ा और घुसपैठियों को भागना पड़ा। सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने कहा कि कारगिल युद्ध 1999 में लगभग 2 महीने तक भारत-पाकिस्तान के बीच चला। इस दौरान पाकिस्तानी सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की थी। भारत ने ऑपरेशन विजय शुरू किया और पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ दिया। इसके परिणामस्वरूप भारतीय सेना की जीत हुई। उन्होंने कहा कि कारगिल विजय के बाद देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों के शौर्य और पराक्रम को हम नमन करते है। जिला अध्यक्ष सोमपाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि कारगिल युद्ध में देश के सैकड़ों जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत की रक्षा की। उन्होंने बताया कि यह दिन हर देशवासी के लिए गर्व और सम्मान का प्रतीक है। शहीदों के बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे देशभक्ति की भावना को सदैव अपने भीतर जीवित रखें। कारगिल विजय को याद करते हुए कहा कि भारतीय सेना ने विषम परिस्थितियों में भी दुश्मन को पराजित कर तिरंगा फहराया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के समय के पूर्व कैप्टेन जमुना प्रसाद फौजी व पूर्व कैप्टेन प्रेमपाल गंगवार सहित 60 पूर्व सैनिकों व उनके परिवारों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया गया।

जिलाधिकारी ने जिला स्वास्थ्य समिति व राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस संचारी रोग एवं दस्तक अभियान के संबंध में की बैठक

ग्रामीण क्षेत्रों में झांड़ियों की कटाई, जलभराव, फागिंग, एंटी लार्वा का छिड़काव करवाने के दिए निर्देश

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में ल जिला स्वास्थ्य समिति की मासिक बैठक, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाये जाने के संबंध तथा संचारी रोग एवं दस्तक अभियान के संबंध में बैठक की।

टीकाकरण में सी.एच.सी. नवाबगंज तथा क्यारा में स्थिति ठीक नहीं है जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुये संबंधित डॉक्टरों पर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये गए कि जननी सुरक्षा योजना में जो भी लक्ष्य प्राप्त हुआ है उसे शत प्रतिशत पूर्ण किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि अर्बन क्षेत्रों में अभी कुछ सी.एच.सी. केन्द्रों पर अल्ट्रासॉउन्ड हेतु क्यू आर कोड जनरेट नहीं हो पाया है जिस पर नाराजगी व्यक्त करते हुये संबंधित डॉक्टरों को अतिशीघ्र क्यू आर कोड जनरेट करने के निर्देश दिये। आशाओं का समय पर मानदेय नहीं मिलता है, जिस पर सम्बंधित सी.एच.सी के डाक्टरों को आशाओं का शत प्रतिशत भुगतान करने के निर्देश दिये। आभा आई.डी. बनाने में अर्बन क्षेत्रों में केवल दो प्रतिशत बढोतरी हुई है। मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये गए कि इसकी लगातार मॉनिटरिंग करते हुए सुधार लाया जाए। बैठक में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में सुधार लाने के निर्देश दिए गए। क्षय रोग अधिकारी को निर्देश दिये कि टीबी के जो भी मरीज आ रहे है उनकी समय समय पर जांच करायी जाए तथा मरीजों को पुष्टाहार की किट व धनराशि उचित मात्रा में उपलब्ध करायी जाए। बैठक में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अन्तर्गत वर्ष में दो बार राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस 10 फरवरी और 10 अगस्त को मनाया जाता है। इसके अंतर्गत1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाने के लिए एल्बेंडाजोल की गोली दी जाती है, जो कृमि संक्रमण को रोकने में मदद करती है। इसलिए बच्चों को दवाई अवश्य दी जाये। इस कार्य में बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी का भी सहयोग लिया जाए।

जिलाधिकारी ने पाया कि संचारी रोग नियन्त्रण अभियान के अन्तर्गत जनपद में अभी और कार्य किये जाने की आवश्यकता है जिस पर निर्देश दिए कि अभियान समाप्त होने से पूर्व सुधार किया जाए। निर्देश दिए गए कि ग्रामीण क्षेत्रों में झांड़ियों की कटाई, जलभराव, फागिंग, एंटी लार्वा का छिड़काव करवाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला पंचायती राज अधिकारी को निर्देश दिए कि जनपद के जिन गांवों में साफ-सफाई की आवश्यकता अधिक है वहां पर अधिक साफ सफाई करायी जाये जिससे कि उस गांव में डेंगू तथा मलेरिया के केस कम हो सकें। उन्होंने कहा कि संचारी रोग नियन्त्रण अभियान के अन्तर्गत सम्बंधित नोडल अधिकारी की रैंकिंग खराब आयेगी उसके खिलाफ आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

भाजपा महानगर कार्यालय में गोष्ठी का आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। भारतीय जनता पार्टी महानगर ने कार्यालय पर कारगिल विजय दिवस पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, सांसद छत्रपाल गंगवार, महापौर डॉक्टर उमेश गौतम, महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना ने दीप प्रज्वलित कर गोष्ठी का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य के ने कहा कारगिल युद्ध के बारे में विस्तार से जानकारी दी और कहा कि सैनिकों के दम पर ही आज देश सुरक्षित है। युद्ध अत्यंत कठिन परिस्थितियों में लड़ा गया 1999 में कारगिल विजय के बाद देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों के शौर्य, पराक्रम व बहादुरी के लिए सम्मान में श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। सांसद छत्रपाल गंगवार ने कारगिल युद्ध के बारे में जानकारी देते हुए कहा हमें सैनिकों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि हर समय देश की सेवा के लिए समर्पित रहते हैं कठिन परिस्थितियों में भी देश की सेवा करते हैं। महापौर डॉक्टर उमेश गौतम ने भी सैनिकों के सम्मान में विस्तार से बताया और कहा कारगिल युद्ध के 26 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं और आज इसी लिए 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस मनाया जाता है। महानगर अध्यक्ष अधीर सक्सेना ने कारगिल युद्ध के बारे में जानकारी देते हुए कहा हम सभी को सैनिकों का सम्मान करना चाहिए क्योंकि वह देश की सेवा में रहते है इसके बाद सभी सैनिकों को सम्मान किया गया। इस मौके पर क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, सांसद छत्रपाल गंगवार, एमएलसी हरि सिंह ढिल्लों, महापौर डॉ उमेश गौतम, समस्त महानगर पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, पार्षद एवं कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया स्पेशल शैल का गठन

» समाज सेवी प्रतिपाल सिंह को मिली जिम्मेदारी

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष द्वारा विधिक सहायता और जनजागरूकता को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से एक स्पेशल शैल का गठन किया गया है। इस विशेष टीम में समाजसेवा से लेकर कानून के क्षेत्र से जुड़े लोगों को शामिल किया गया है, जो जिले में विधिक सेवा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग देंगे।

इस स्पेशल शैल में बरेली की सक्रिय सामाजिक संस्था एक गूंज सेवा समिति के अध्यक्ष प्रतिपाल सिंह को महत्वपूर्ण भूमिका दी गई है। साथ ही, पैनल अधिवक्ता के रूप में आफताब इस्माईल को शामिल किया गया है, जो विधिक सहायता कार्यों में विशेषज्ञता रखते हैं। इसके अतिरिक्त चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल के रूप में बालेश कुमार मिश्रा को नियुक्त किया गया है।

पराविधिक स्वयंसेवकों की श्रेणी में साधना कुमारी, प्रभा गंगवार, भुवनेश कुमार यादव, आरिफ खान और सत्यपाल सिंह को जिम्मेदारी दी गई है। ये स्वयंसेवक ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जरूरतमंदों को निशुल्क विधिक सलाह देने, विधिक जागरूकता शिविर आयोजित करने और न्याय तक आमजन की पहुंच सुनिश्चित करने में सहयोग करेंगे। नव नियुक्त एक गूंज सेवा समिति के अध्यक्ष प्रतिपाल सिंह ने कहां है जो जिम्मेदारी मिली है उसे समाज सेवा के रूप में कुछ नया करने को मिलेगा।

आरक्षण दिवस के स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

विश्ववार्ता संवाददाता

बरेली। समाजवादी पार्टी द्वारा आरक्षण दिवस एवं संविधान मान स्तंभ के स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शिव चरन कश्यप ने की। कार्यक्रम मे मुख्यातिथि बदायूं के सांसद आदित्य यादव सभा को संबोधित करते हुए भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक के रोजगार और शिक्षा को खत्म करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जहां पर पीडीए के लोग हैं, वहां के स्कूल बंद किए जा रहे हैं। जिलाध्यक्ष शिव चरन कश्यप ने कहा कि आरक्षण सामाजिक न्याय का सिद्धांत है। जिसे डॉ अम्बेडकर ने दिया है।

महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी ने कहा, आरक्षण दिवस हक और बराबरी की लड़ाई का प्रतीक है। संविधान को कमजोर करने वाली ताकतों को समाजवादी पार्टी कभी बर्दाश्त नहीं

करेगी। विधायक शहजिल इस्लाम ने अपने संबोधन में कहा, संविधान समाज की ताकत है। आज जब आरक्षण पर हमले हो रहे हैं, तब समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती से इसकी रक्षा में खड़ी है। पूर्व विधायक आर.के. शर्मा, पूर्व विधायक विजयपाल सिंह और पूर्व विधायक सुल्तान बेग ने कहा, हम सब मिलकर यह संकल्प लें कि आरक्षण के अधिकारों पर कोई आंच नहीं आने देंगे। बाबा साहब की विचारधारा को जमीनी स्तर तक पहुंचाना ही हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम का संचालन जिला कोषाध्यक्ष अशोक यादव ने किया।

कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष रविन्द्र सिंह यादव, बृजेंद्र यादव चौधरी,मनोहर पटेल अंबेडकर वाहिनी सुरेंद्र सोनकर समर्थ मिश्रा, कदीर अहमद, डॉ देवेंद्र सिंह यादव, डॉ अनीस बेग, दीपक शर्मा, राजेश मौर्य, दिनेश यादव, हरिशंकर यादव, सूरज यादव, ई अनीस अहमद, डॉ जीराज, मुकेश मिश्रा, ब्रजेश श्रीवास्तव, सतेंद्र श्रीवास्तव, पुरुषोत्तम गंगवार, नरोतम दास मुन्ना स्मित यादव, सरताज गजल अंसारी, श्याम वीर यादव, मोहित भारद्वाज, रामवीर दिवाकर यशवीर यादव, संजय वर्मा, सुनील सागर, नमी सरन, राजवीर यादव, छेदलाल दिवाकर, डॉ ब्रह्म स्वरूप सागर, नसीर रजा, नसीम उर रहमान, अनिल गंवार, सुरेश गंगवार, बलराम यादव, इंद्रपाल यादव, शकील सैफी, गौरव सक्सेना, आरिफ कुरैश, अलीम खा सुल्तानी, गुड़िया, और हुरिया खान सहित सैकड़ों लोग शामिल हुए।

एक नजर

कर्जदार किसान से फांसी लगा की खुदकुशी

बांदा। तिंदवारी थाना क्षेत्र के भिड़ौरा गांव निवासी उदय सिंह (52) पुत्र रामस्वरूप ने शनिवार की रात बरामदे में छप्पर की धन्नी में रस्सी से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। रविवार को सुबह परिवारिक भतीजे शिवबक्श सिंह ने उसका शव फंदे पर लटकता देखा। पुलिस ने पूछताछ के बाद शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भतीजे ने बताया कि उसकी पत्नी रन्नो की 10 वर्ष पहले मौत हो गई थी। वह किसानी करता था। उसने दो साल पहले रामबरन की शादी करने के लिए गांव के लोगों से दो लाख रूपए कर्ज लिया था। वह कर्ज की भरपाई नही कर पा रहा था। कई बार गांव वालों ने उसे रूपया मांगा। इसी से परेशान होकर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

जमीन पर सो रहे छात्र की सर्पदंश से मौत

बांदा। जसपुरा थाना क्षेत्र के गड़रिया गांव निवासी कालका (13) पुत्र चुन्नू निषाद शनिवार की रात जमीन पर सो रहा था। तभी सर्प ने माथे पर डस लिया। मां रामरती को कालका ने सर्प के डस ने की बात बताई। कुछ देर बाद उसे उल्टी होने लगी। हालत बिगड़ने पर उसे सीएचसी जसपुरा मे भर्ती कराया। उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन अस्पताल न ले जाकर ओझाओं के पास झाड़फूंक करवाने ले गए। कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। एसडीएम अंकित वर्मा और हल्का लेखपाल ने गांव पहुंच कर परिजनों से जानकारी ली। पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के मुताबक कालका गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में कक्षा छह का छात्र था।

प्रसव के दौरान नवजात की मौत

बांदा। कमासिन थाना क्षेत्र के मवई गांव निवासी लक्ष्मी (25) पत्नी मंगल को शनिवार को दोपहर प्रसव पीड़ा होने पर घरवालों ने उसे नजदीक स्थित उपकेंद्र में भर्ती कराया। यहां लक्ष्मी ने शिशु को जन्म दिया। जन्म के कुछ देर बाद नवजात की हालत बिगड़ गई। काफी देर बाद वहां पर मौजूद एएनएम ने एबुंलेंस ने नवजात को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर जिला अस्पताल ला रहे थे। तभी रास्ते में नवजात ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। नवजात के पिता का कहना है कि उपकेंद्र में कोई व्यवस्था नहीं है। एएनएम ने जबरन उसकी पत्नी का प्रसव करवा दिया। सीएमओ डा .बिजेंद्र सिंह का कहना है कि मामला संज्ञान में है। टीम गठित कर जांच करवाई जा रही है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दीवार ढहने से मलबे में दबकर बालिका की मौत

नरैनी। कालिंजर थाना क्षेत्र के नीबी गांव निवासी बेबी (11) पुत्री चंद्रिका प्रसाद वर्मा रविवार को सुबह घर के आंगन में खाना खा रही थी। वहीं पर उसका बाबा वीर (65) और उसकी पुत्री सुमन (18) भी बैठी थी। इसी दौरान कच्ची दीवार भर भरा कर ढह गई। सभी लोग मलबे में दब गए। किसी तरह पड़ोसियों ने तीनों को मलबे से बाहर निकला। गंभीर रूप से घायल बेबी को सीएचसी नरैनी में भर्ती कराया। यहां उसकी मौत हो गई।

घायल महिला ने दम तोड़ा

बांदा। तिंदवारी थाना क्षेत्र के परसौड़ा गांव निवासी कमला (50) पत्नी बुद्धराज शनिवार की दोपहर पति को खाना देने खेत जा रही थी। तभी सामने से आ रहे वाहन ने उसे टक्कर मार कर घायल कर दिया। हादसे के बाद वाहन समेत चालक मौके से फरार हो गया। जिला अस्पताल से उसे कानपुर रेफर कर दिया गया। परिजनों ने उसे महाराणा प्रताप चौक स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां रविवार की दोपहर उसने दम तोड़ दिया।

डीएम ,एसपी ने परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर लिया जायजा

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सकुशल, नकलविहीन, सुचिता पूर्ण परीक्षा सम्पन्न

नकलविहीन और व्यवस्थित परीक्षा आयोजन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों के समन्वय से यह परीक्षा जनपद में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई : जिलाधिकारी

विश्ववार्ता संवाददाता

उरई जालौन। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक जालौन डा दुर्गेश कुमार ने समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी के पद पर होने वाली परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर जायजा लिया और अधीनस्थ अधिकारियो को कड़े निर्देश दिए नकल विहीन और शांति पूर्ण ढंग से परीक्षा सुबह 8 बजे से संपन्न कराई। समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा जनपद में शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं पूर्णतः नकलविहीन वातावरण में सम्पन्न हुई। प्रशासन द्वारा समुचित तैयारियों के अंतर्गत जनपद में कुल 19 परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए, जिनमें 8088 अभ्यर्थियों के लिए बैठने की व्यवस्था की गई थी। परीक्षा में 3382 परीक्षार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई, और 4706 परीक्षार्थि अनुपस्थित रहे।

परीक्षा की निगरानी एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी केंद्रों पर चुस्त सुरक्षा, अनुशासित माहौल एवं व्यवस्थाओं की पारदर्शिता सुनिश्चित रही। निरीक्षण के क्रम में आचार्य नरेंद्र देव इंटर कॉलेज, सर्वोदय इंटर कॉलेज, एस.आर. पब्लिक स्कूल, बेनी माधव तिवारी इंटर कॉलेज आटा, महर्षि विद्या मंदिर एवं एलड्रिच पब्लिक स्कूल जैसे प्रमुख केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई तथा केंद्र व्यवस्थापकों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। परीक्षा के समापन उपरांत जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) संजय कुमार, वरिष्ठ कोषाधिकारी आनंद सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक राजकुमार पंडित, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नेहा व्यादवाल समस्त सेक्टर एवं जोनल मजिस्ट्रेटों, तथा केंद्र व्यवस्थापकों सहित समस्त परीक्षा कार्मिकों की भूमिका की सराहना करते हुए परीक्षा की निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व सुचिता पूर्ण सम्पन्नता हेतु सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

अज्ञात कारणों के चलते ट्रक ड्राइवर ने सल्फास खाकर गवाई जान

विश्ववार्ता संवाददाता

» झांसी ले जाते समय रास्ते में हुई मौत, पत्नी और डेढ़ साल की बेटी के सिर से हटा पिता का साया

उरई जालौन। कोटरा थाना क्षेत्र के ग्राम नुनसाई में गांव के 27 वर्षीय ट्रक ड्राइवर दिनेश कुमार ने अज्ञात कारणों के चलते सल्फाश खा ली । कुछ ही देर में तबियत बिगड़ी जिसमे ट्रक चालक ने अपने छोटे भाई को सलफास खाने की जानकारी दी परिजनों ने आनन फ़ानन मे ट्रक ड्राइवर को मेडिकल कॉलेज ले गए जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए झांसी रिफर कर दिया जिसमे दिनेश ने झांसी जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया घटना की जानकारी लगते ही गांव में हड़कंप मच गया जी इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज देर रात करीब 10 बजे दिनेश अपना ट्रक झांसी-कानपुर हाईवे पर ग्राम गिरथान के पास खड़ा करके घर पहुंचा था। घर आने के बाद उसने खाना खाया और कुछ देर बाद सल्फाश का सेवन कर लिया। जब उसकी तबीयत बिगड़ने लगी, तब उसने खुद अपने छोटे भाई अखिलेश को बताया कि उसने सल्फाश खा लिया है। परिवार वाले तुरंत उसे स्थानीय कार से मेडिकल कॉलेज उरई ले गए। वहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर हालत देखकर झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। दुर्भाग्य से झांसी ले जाते समय रास्ते में ही दिनेश की मौत हो गई। उसकी मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया है। उसकी पत्नी ममता और डेढ़ वर्षीय बेटी काव्या का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के भाई अखिलेश ने बताया कि दिनेश ने यह कदम क्यों उठाया, इसकी कोई जानकारी नहीं है। उसने कभी किसी पारिवारिक या आर्थिक परेशानी की बात नहीं की थी।

कोटरा थाना प्रभारी विमलेश कुमार के अनुसार शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना से न केवल दिनेश का परिवार बल्कि पूरा गांव शोक में डूबा हुआ है।

श्रावण मास के तृतीय सोमवार के मौके पर जालौन नगर के श्री कृष्ण मंदिरों में सावन मेला का भव्य आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

जालौन। श्रावण मास की तृतीय सोमवार के मौके पर नगर के प्रमुख भगवान श्रीकृष्ण के मंदिरों में सावन मेला का आयोजन रविवार से शुरू हो गया है, जो श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव तक चलेगा। इसमेंला में भगवान का हर दिन अद्भुत श्रृंगार के साथ गायन भजन कीर्तन आदि होंगे।

नगर के प्रमुख कृष्ण भक्ति मंदिर, बंबई वाला मंदिर, द्वारिकाधीश मंदिर, संकटमोचन हनुमानजी के मंदिर, परवई वाले मंदिर में सावन तीज से सावन झूला का आयोजन शुभारम्भ हो जाता है। श्रावण मास की तृतीय (सावन तीज) का यह महोत्सव रविवार से शुरू हो गया है, जो भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव व छठी उत्सव तक चलेगा। सावन झूला महोत्सव में मंदिर में प्रतिदिन भजन संध्या व सावन गीतों का कार्यक्रम चलेगा। भक्ति भजनों और सावन के गीतों को गाया जाएगा। बंबई वाले मंदिर, परवई वाले मंदिर में संगीत टोली द्वारा यह आयोजन प्रतिदिन चलेगा। इन दिनों भगवान श्रीकृष्ण के बाल लीलाओं को दर्शाती झांकी दर्शायी जाती है। मंदिर में स्थित विग्रह का अद्भुत श्रृंगार किया जाता है। मंदिर में स्थापित भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करने व झांकी का आंनद लेने भक्त मंदिर पहुंचते हैं। मंदिर के व्यवस्थापक विजय अग्रवाल व मधु अग्रवाल लगातार मंदिर की व्यवस्थाओं को सुधारने व मंदिर को भव्यता प्रदान करने का प्रयास कर रहे हैं। जबकि भगवान की पूजा विनोद कुमार कर रहे हैं। संकटमोचन मंदिर में कमलेश पुजारी के नेतृत्व में तैयारियां चल रही हैं। वही शिवालयों में सोमवार के दिन सुबह से ही शिव भक्तों ताता लग जाता और भक्त बड़े भाव से पूजा अर्चना करते है और कही कही शिव मंदिरो में भक्त गण सोमवार के दिन रुद्राभिषेक भी करते है जहां भगवान शंकर उनकी हर मनोकामना को भी पूरा करते हैं।

आरओ व एआरओ की परीक्षा में 64 फीसदी अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

» पंजीकृत 7584 अभ्यर्थियों में 2753 ने दी परीक्षा

» हमीरपुर, झांसी, चित्रकूट के अभ्यर्थियों रहे शामिल

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) की परीक्षा में 64 फीसदी अभ्यर्थी गैरहाजिर रहे। मात्र 36 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने ही परीक्षा दी। सघन तलाशी व चेहरा पहचान उपस्थिति के बाद ही अभ्यर्थियों को केंद्रों में प्रवेश दिया गया। सीसीटीवी व वाइस रिकार्डर की निगरानी में परीक्षा हुईं। लाइव निगरानी डीआइओएस कार्यालय में बने कंट्रोल रूम से होती रही। मंडलायुक्त अजीत कुमार, डीआइजी राजेश एस व डीएम ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण के बाद कंट्रोल रूम देखा।

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की आरओ व एआरओ की परीक्षा रविवार को जिले के 16 केंद्रों में आयोजित हुई। जिनमें हमीरपुर, झांसी व चित्रकूट जिलों के अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। इसमें कुल पंजीकृत 7584 अभ्यर्थियों में से 2753 ने परीक्षा दी, जबकि 4831 अभ्यर्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। सुबह से परीक्षा केंद्रों के बाहर भीड़ लग गई। अभ्यर्थियों की सघन तलाशी व चेहरा पहचान पद्धति की प्रकिया के बाद प्रवेश दिया गया। परीक्षा केंद्रों का हर कोना सीसीटीवी की जद में रहा। पहली बार हर केंद्र में एक सेक्टर व एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट लगाए गए। डीएम जे. रीभा ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करने के बाद कंट्रोल रूम का देखा। केंद्रों के बाहर पुलिस बल तैनात रहा। रोडवेज बस स्टैंड व रेलवे स्टेशन में अभ्यर्थियों की खासी भीड़ रही।

आयुक्त, डीआईजी व डीएम ने केंद्रों का किया निरीक्षण

परीक्षा का निरीक्षण मंडलायुक्त अजीत कुमार व डीआइजी राजेश एस ने अतर्रा के हिंदू इंटर कालेज में परीक्षा का निरीक्षण किया। कंट्रोल रूम देखने के बाद कक्ष नियंत्रकों से जानकारी ली। इस दौरान सीओ प्रवीण कुमार सहित भारी पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा। डीएम जे.रीभा ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करते हुए कंट्रोल रूम में पल पल की निगरानी रखने के निर्देश दिए। आरओ व एआरओ परीक्षा शांतिपूर्वक निपटने पर आयुक्त व डीएम ने केंद्र व्यवस्थापकों के साथ कक्ष निरीक्षकों की सराहना करते हुए पीठ थपथपाई।

मुठभेड़ में तीन लुटेरे गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

» लुटेरों के पास बरामद हुए 66 हजार रुपए और बाइक

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल की अगुवाई में जिले में अपराधियों के खिलाफ पुलिस का आपरेशन लंगड़ा अभियान लगातार जारी है। मर्का थाना क्षेत्र के समगरा गांव निवासी सर्राफा व्यापारी राजकरन सोनी उर्फ करन पुत्र गया प्रसाद सोनी शनिवार की रात तगादा करके बाइक से लौट रहा था। तभी गांव के पहले तीन लुटेरों ने तमंचे के बल पर 66 हजार रुपये लूटकर फरार हो गए।

सर्राफा व्यापारी ने घटना की जानकारी थाना में दी। पुलिस ने व्यापारी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करते हुए लुटेरों की तलाश शुरू कर दी। रविवार को तड़के मर्का थानाध्यक्ष अजीत सिंह और एसओजी प्रभारी कृष्णदेव त्रिपाठी मय टीम के साथ लुटेरों की तलाश में थे। पुलिस को सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति बाइक से मर्का थाना क्षेत्र के सिरियाताला गांव के नजदीक औगासी पुल के पास लूट के इरादे से जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए लुटेरों को रोका तो एक लुटेरे ने पुलिस टीम पर तमंचे से फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में फतेहपुर जिले के गाजीपुर थाना क्षेत्र के लीला गांव निवासी प्रभाकर सिंह उर्फ चेतन सिंह पुत्र रमेश सिंह पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

पुलिस ने घायल लुटेरे समेत उसके दो साथियों जबकि इसी थाना क्षेत्र के फरीदाबाद टिकरी गांव निवासी निशांत जोशी पुत्र कपूरे जोशी और अभिषेक सिंह पुत्र कल्लू सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घायल लुटेरे को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने लुटेरों के पास से सर्राफा व्यापारी से लूटे गए 66 हजार रुपये समेत 315 बोर तमंचा, कारतूस और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की।

उफनाए नाले मे डूबने से युवक की मौत

बांदा। देहात कोतवाली क्षेत्र के जौरही गांव निवासी अनमोल सिंह (32) पुत्र वीरेंद्र सिंह शनिवार को किसी काम से बांदा आया था। शाम को वह घर लौट रहा था। तभी घर आने के लिए रास्ते में पड़ने वाला नाला पार कर रहा था। तभी पैर फिसल जाने से वह गहरे पानी में डूबकर लापता हो गया। ग्रामीणों ने उसकी खोजबीन की। लेकिन पता नहीं चला। करीब 14 घंटे की तलाश के बाद रविवार को दोपहर उसका शव बरामद हुआ। मृतक के परिवारिक चाचा हिमांशू सिंह ने बताया कि अलमोल किसानी करता था।

रोक के बावजूद बीईओ कर रहीं नियम विरुद्ध संबद्धीकरण

» शिक्षक संघ ने बीईओ का आदेश निरस्त करने की उठाई मांग

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। जसपुरा ब्लाक में बेसिक शिक्षा विभाग इन दिनों सुर्खियों में है। कभी विद्यालय मर्ज करने तो कभी पेयर करने के कारण अध्यापकों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। शासन और विभागीय अधिकारियों ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखकर अध्यापक या कर्मचारी का अन्य विद्यालय या कार्यालय में संबद्धीकरण पर रोक लगी है। लेकिन यहां तैनात खंड शिक्षा अधिकारी ने शासन की रोक को दरकिनार करते हुए कई अध्यापकों के कार्य क्षेत्र में बदलाव कर अग्रिम आदेश तक संबद्ध कर दिया। प्राथमिक शिक्षक संघ ने बीईओ से संबंद्धीकरण आदेश निरस्त करने की मांग की है।

जसपुरा ब्लाक की खंड शिक्षाधिकारी आभा अग्रवाल पर उच्चाधिकारियों के आदेशों और निर्देशों को दरकिनार करते हुए अपने कार्यालय आदेश निकाल कर कई अध्यापकों को इधर से उधर अग्रिम आदेश होने तक संबंध कर दिया। अमित वर्मा को प्राथमिक विद्यालय आमचौली से पूर्व माध्यमिक विद्यालय पच्छी थोक चंदवारा, रामकरण एवं विनय कुमार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय शिवरामपुर से प्राथमिक विद्यालय गौरीकला विनम्र सिंह एवं नीरज कुमार पांडेय को पडोहरा से तनगा मऊ और नंदादेव संबद्ध किया गया है। अध्यापकों का आरोप है कि इसके एवज में बीईओ ने वसूली की है। जिन शिक्षकों की ड्यूटी अन्य विद्यालय में लगाई गई है।

कांग्रेस संगठन में नए सृजन के साथ पुर्नगठन जरूरी

» संगठन सृजन के साथ कार्यक्रमों की तय की रूपरेखा

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। कांग्रेस की संगठन सृजन अभियान के तहत आयोजित जोनल स्तरीय बैठक में बुंदेलखंड जोन प्रभारी ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जिले से लेकर ग्राम पंचायत स्तर पर संगठन मजबूती का आह्वान किया। कहा कि कांग्रेस संगठन में नए सृजन के साथ पुर्नगठन जरूरी है। पार्टी को सशक्त बनाने के लिए होनहार युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरो, अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति कार्यकर्ताओं को पदों का दायित्व सौंपने की जरूरत है।

स्टेशन रोड अवस्थी धर्मशाला स्थित जिला कार्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में रविवार को कांग्रेस की संगठन सृजन अभियान जोन स्तरीय बैठक में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने बढ़चढ़कर भागीदारी की। बुंदेलखंड जोनल प्रभारी व पूर्व विधायक गयादीन अनुरागी ने कहा कि ब्लॉक कमेटियों व ब्लॉक अध्यक्षों, फ्रंटल संगठनों, प्रकोष्ठों एवं विभागों को सशक्त बनाने के लिए अच्छे होनहार युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों, अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति के पार्टी कार्यकर्ताओं को पदों का दायित्व सौंपने की जरूरत है। उन्होंने कहा सजग रहकर कार्य करना है। कार्यकर्ताओं को जिला, शहर, ब्लॉक, न्याय पंचायत, ग्राम स्तर एवं बूथ स्तर तक की जिम्मेदारियां संभालनी हैं। संगठन में नए सृजन एवं पुर्नगठन दोनों आवश्यक हैं। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने कहा कि ब्लॉक कमेटियों के साथ फ्रंटल संगठन, प्रकोष्ठ, विभाग, सहयोगी संगठन के जिम्मेदारी से काम करने पर कामयाबी मिलेगी। पंचायत चुनाव के लिए टीमें गठित की जाएंगी। इस मौके पर शहर कोऑर्डिनेटर देवेंद्र पांडेय व सुनील खजुरिया समेत चित्रकूट कोऑर्डिनेटर आदित्य स्वरूप पांडेय, शहर अध्यक्ष अफसाना शाह, रमेश चन्द्र कोरी, सूरज बाजपेई, कालीचरण निगम, सत्यप्रकाश द्विवेदी, शोएब रिजवी, बी.लाल, शिवबली सिंह, राजेश गुप्ता, अशरफ उल्ला रंपा, सुखदेव गांधी, अली बख्श, कुणाल आदि उपस्थित रहे। संचालन डा.संजय द्विवेदी दनादन ने किया।

बैठक को संबोधित करतीं शहर कांग्रेस अध्यक्ष।

सरदार पटेल पर कंगना की टिप्पणी को लेकर जताई नाराजगी

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। मौजूदा समय में बयानवीरों की पौबारह है, कभी अपने बयान को ऊर्जा मंत्री एके शर्मा चर्चा में रहते हैं तो कभी सपा सांसद डिंपल यादव पर अभद्र टिप्पणी को लेकर मौलाना सुर्खियां बटोर रहे हैं। ऐसे ही भाजपा सांसद और बालीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत भी सरदार पटेल के अंग्रेजी ज्ञान पर बयानबाजी करके चर्चा में आ गई हैं। भाजपा सांसद के बयान पर कांग्रेस के प्रवक्त और पटेल सेवा संस्थान के कार्यकर्ता राममिलन पटेल ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है।

उन्होंने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कंगना को आड़े हाथों लिया है। कहा है कि भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की शिक्षा को लेकर कंगना रनौत की टिप्पणी बेहद आपत्तिजनक और निंदनीय है। उन्होंने कहा है कि शायद कंगना रनौत ने सरदार पटेल का इतिहास नहीं पढ़ा। बताया कि सरदार पटेल ने 1910 से 1913 तक लंदन के मिडिल टेंपल इन कॉलेज में अंग्रेजी माध्यम से कानून की पढ़ाई थी। इतना ही नहीं उन्होंने 36 माह के बेहद कठिन कोर्स को महज 30 माह में ही पूरा करके विश्व रिकार्ड कायम किया था।

कांग्रेस प्रवक्ता श्री पटेल ने राष्ट्रपति को पत्र भेजकर सांसद कंगना की संसद सदस्यता समाप्त करने और प्रतिष्ठित पद्मश्री सम्मान वापस लेने की मांग की है। उन्होंने भाजपा की चुप्पी पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि एक तरफ भाजपा सरदार पटेल को वास्तविक सम्मान दिलाने का दावा करती है, वहीं सांसद के अमर्यादित बयान चुप्पी साधे हुए है।

कार्यक्रम पीएम मोदी ने मन की बात में बुंदेलखंड के ऐतिहासिक किलों का किया उल्लेख

प्रधानमंत्री ने कालिंजर किले को बताया स्वाभिमान का प्रतीक

» जिले के 1395 बूथों में सुनी गई पीएम की मन की बात

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। भाजपाइयों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 124वें एपीसोड को जिले के सभी 1395 बूथों पर पूरे उत्साह के साथ सुना। भाजपा जिलाध्यक्ष समेत अन्य पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने अपने क्षेत्रीय बूथों में भागीदारी की। मन की बात कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने बुंदेलखंड के ऐतिहासिक किलों का किया उल्लेख करते हुए स्वाभिमान का प्रतीक बताया।

शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर रविवार को जिले के सभी बूथों में पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 124वें एपीसोड को लेकर पहले से ही तैयारियां पूरी कर ली गईं थीं। कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने बुंदेलखंड क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहरों की विशेष चर्चा की। कालिंजर किले का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह किला भारतीय इतिहास का गौरवशाली अध्याय है। महमूद गजनवी जैसे अक्रांताओं ने इस किले पर कई बार हमला किया, लेकिन हर बार उसे असफलता ही हाथ लगी। बुंदेलखंड में ऐसे किले हैं जो हमारी संस्कृति, शौर्य और आत्मगौरव के प्रतीक हैं। ग्वालियर, झांसी, दतिया, अजयगढ़, गढ़कुंडार और चंदेरी जैसे किलों की दीवारें न सिर्फ स्थापत्य का अद्भुत उदाहरण हैं, बल्कि वह भारतीय स्वाभिमान की जीवंत गाथाएं हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष कल्लू सिंह राजपूत ने शहर के बाकर गंज में बूथ नंबर 73 में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ सुनी। इसी प्रकार खुटला के बूथ नंबर 122 में पूर्व जिला उपाध्यक्ष उत्तम सक्सेना की उपस्थिति में मंडल उपाध्यक्ष चंद्रभूषण सोनी, सेक्टर संयोजक दिनेश शुक्ला आदि उपस्थित रहे। बन्योटा के बूथ नंबर 133 में मंडल अध्यक्ष राजेश गुप्ता रज्जन के अलावा अमित सेठ भोलू, इंद्रजीत राजपूत सहित अन्य लोगों ने मन की बात सुनते हुए पीएम मोदी द्वारा बुंदेलखंड क्षेत्र का उल्लेख किये जाने पर खुशी व्यक्त की।

विधान सभा क्षेत्र के कार्यकर्ता हुए गदगद

नरैनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम के दौरान तहसील क्षेत्र के कालिंजर दुर्ग सहित बुंदेलखंड के अन्य किलों के बारे में चर्चा किए जाने पर विधान सभा क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता गदगद और उत्साहित नजर आए। क्षेत्रीय विधायक ओममणि वर्मा सहित ओमप्रकाश राजपूत, कुलदीप त्रिपाठी, नरैनी मंडल के आदित्य चतुर्वेदी, हरिराम कबीर बेदी, अंजलि द्विवेदी, नागेंद्र मिश्रा, विधायक प्रतिनिधि राकेश दीक्षित, राघवेंद्र त्रिपाठी, संतोष शिवहरे आदि लोगों ने पीएम के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण देखा।

यमुना की पहली बाढ़ में ही गिरे पिचिंग वाल के पत्थर

» कटान रोकने को सिंचाई विभाग ने कराई थी पिचिंग

विश्ववार्ता संवाददाता

बांदा। एक साल पहले सिंचाई विभाग द्वारा लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से कटान रोकने को यमुना नदी में बनाई गई पिचिंग वाल के पत्थर पहली ही बाढ़ में ढह गए। आरोप है कि ठेकदार और अधिकारियों ने पिचिंग वाल बनाने में जमकर भ्रष्टाचार किया। सपा नेता समेत ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से पिचिंग वाल निर्माण की उच्च स्तरीय जांच कराकर सरकारी धन हड़पने वालों पर कार्रवाई की मांग की है।

जसपुरा ब्लॉक के इछावर और लसड़ा गांवों में में यमुना की बाढ़ से बचाने को एक साल पहले 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत से सिंचाई विभाग ने पिचिंग वाल का निर्माण कराया था। कुछ दिनों यमुना नदी में आई पहली ही बाढ़ के दौरान पिचिंग वाल में लगे पत्थर भरभराकर जगह-जगह गिर गए। सपा नेता पुष्पेंद्र सिंह चुनाले ने बताया कि इछावर गांव में पिचिंग में मसाले की जगह मिट्टी इस्तेमाल की गई। पत्थर लगाने में भी सही तरीके का इस्तेमाल नहीं किया गया। ठेकदार और अधिकारियों ने भारी भ्रष्टाचार किया। सपा नेता ने जिलाधिकारी से मांग इछावर गांव में पिचिंग वाल निर्माण में बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार की जांच कराकर ठेकेदारों व अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई व रिकवरी कराए जाने की मांग की है।

संपादकीय

प्लानिंग व टेक्नोलॉजी

सचमुच, भारत दुनिया की भगदड़-राजधानी बनता जा रहा है। हर जगह भगदड़ है। धार्मिक मेलों में, खेल आयोजनों में, रेलवे स्टेशनों पर, राजनीतिक रैलियों और यहां तक स्कूलों में भी। आज सुबह फिर हरिद्वार के मनसा मंदिर में भगदड़ की खबर आई, इसमें अब तक 6-7 लोगों के मरने व तकरीबन 25-30 लोगों के घायल होने की खबर है। ऐसा बताया जा रहा है कि भगदड़ करंट की झूठी अफवाह को लेकर फैली। जानकार लोग कहते हैं कि देश में भगदड़ें इसलिए हो रही हैं, क्योंकि भारत की बहुसंख्य आबादी नागरिक अधिकारों के प्रति अशिक्षित है। लेकिन वे पूरी तरह से गलत हैं। क्योंकि भगदड़ें अशिक्षा नहीं, बल्कि अपर्याप्त और लचर भीड़-प्रबंधन के कारण होती हैं। वैसे भी, एक तरफ देश में साक्षरता दर जिस तेजी से बढ़ रही है, उसी तेजी से देश में हर तरफ भगदड़ों से होने वाले हादसे भी बढ़ते जा रहे हैं।

दरअसल, धार्मिक मेलों और खेल आयोजनों में एकत्र हो रही विशाल भीड़ इस बात का संकेत है कि भारत का उभरता हुआ मध्यम वर्ग अपनी समृद्धि का उत्सव मनाना चाहता है। भारतीय बेहद धार्मिक प्रवृत्ति के हैं और धर्मावलम्बी लोग तीर्थयात्राओं पर जाना चाहते हैं। चूंकि उनकी समृद्धि बढ़ी है, इसलिए उनके पास अपनी इच्छाओं को पूरा करने के लिए बहुत सारे संसाधन भी उपलब्ध हुए हैं। फिर अपने यहां शुभ अवसरों के बारे में मान्यता है कि मंदिर या तीर्थक्षेत्रों में जाकर पूजा-अर्चना करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। इसलिए धार्मिक मेलों और शुभ अवसरों पर बड़ी संख्या में लोगों की उमड़ पड़ती है। पिछले पांच साल में देश के अलग-अलग हिस्सों में भगदड़ की दो दर्जन से ज्यादा घटनाएं रिपोर्ट हुई हैं। येज ज्यादातर धार्मिक त्यौहारों, शुभ अवसरों पर मंदिरों में पूजा-अर्चना व बड़ी जनसभाओं के दौरान हुई हैं। हरेक हादसा - चाहे वह धार्मिक उत्सव के दौरान हुआ हो या सांस्कृतिक उत्सव के दौरान हुआ हो या फिर किसी अचानक उमड़ी भीड़ के चलते-भीड़ प्रबंधन की रणनीतियों और सरकारी तंत्र की कमजोरियों की गंभीर याद दिलाता है। भारत जैसे विविधताओं से भरे और उत्सवों से जीवंत देश में भगदड़ की घटनाएं बार-बार सामने आती हैं, जो हमारी लगातार सतर्कता और सक्रिय उपायों की मांग करती हैं। ऐसे में साफ है कि हमें भीड़ को नियंत्रित करने का अपना तरीका बदलना होगा और पुलिस व्यवस्था के हर स्तर पर नेतृत्व को भी बदलते हालात के मुताबिक ढ़लना होगा। इसी साल 4 जून को आईपीएल के जश्न के दौरान बेंगलुरु में मची भगदड़ से 11 लोगों की मौत हो गई थी। अभी हाल ही में पुरी की रथयात्रा में तीन लोग मारे गए। फरवरी में दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 18 जानें चली गईं। प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान कम से कम 30 लोगों की मृत्यु हो गई थी और उससे पहले जनवरी में भी तिरुपति की भगदड़ में छह लोग मारे गए थे। पिछले वर्ष भी हाथरस के एक धार्मिक कार्यक्रम में भगदड़ के बाद 121 लोगों की मृत्यु हो गई थी और 150 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था। इस तरह की घटनाएं हमें बताती हैं कि नाकाफी योजना और प्रतिक्रिया की कितनी बड़ी मानवीय कीमत चुकानी पड़ती है। इन सभी मामलों में या तो भीड़-प्रबंधन बेहद लचर था या इसका पूर्णतः अभाव था। भीड़-प्रबंधन टेढ़ी खीर है और बढ़ते शहरीकरण के साथ यह और दुष्कर होता जा रहा है। अच्छी बात यह है कि इंस्टैंट कम्युनिकेशन की बेहतर क्षमता और भीड़ के मूवमेंट्स के रियल टाइम डेटा के साथ हम इसकी अच्छी योजना बनाते हुए इसका प्रबंधन कर सकते हैं। ग्रीनविच विश्वविद्यालय के फायर सेफ्टी इंजीनियरिंग समूह ने व्यवहार संबंधी प्रयोगों और गणितीय मॉडलों का उपयोग कर यह समझने का प्रयास किया है कि विभिन्न परिस्थितियों में भीड़ किस प्रकार से चलती है। उन्होंने पाया कि चार व्यक्ति प्रति मीटर से अधिक घनत्व की भीड़ का मूवमेंट जोखिमपूर्ण होता है। ऐसी भीड़ में चल रहे व्यक्ति को यह नहीं दिखता कि उसके आसपास क्या हो रहा है। वह सिर्फ अपने आसपास चल रहे चंद लोगों को ही देख पाता है। उसे इस बात का जरा भी अनुमान नहीं होता कि चारों ओर भीड़ का दवाब बन रहा है। हां, सीटीसी कैमरों के जरिए भीड़ की गंभीरता की निगरानी संभव है और रियल टाइम में सुरक्षाकर्मियों और कार्यकर्ताओं को जोखिम भरे इलाकों की जानकारी दी जा सकती है। रियल टाइम डेटा से निगरानी के अलावा हमें प्रयागराज, तिरुपति, पुरी, वाराणसी, बद्रीनाथ, द्वारका जैसे धार्मिक स्थलों पर प्रवेश के नियम-कायदे बनाने होंगे।

कटाक्ष

हसन जैदी

हृदयनारायण दीक्षित

एको रूद्र द्वितीयो नास्ति

सावन का माह भारत में शिव उपासना की मंगल मुहूर्त है। शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। ऋग्वेद के ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं, वनस्पतियां औषधियां उगती हैं खिलती हैं खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। शिवभक्तों को सोमवार प्रीतिकर है। काशी बहुत जाता हूं। काशी मंदिर में शिव उपासना की मूर्ति है। शिव दर्शन कई बार हुआ। लेकिन सावन में मैंने समूची काशी को सोम शिव पाया।

सम चन्द्रमा के पर्याय हैं। वे विराट ब्रह्माण्ड का मन हैं। जैसे चन्द्र कलाएं घटती बढ़ती हैं, वैसी ही हमारे मन की चंचलता है। सोम संसारी देवता हैं। ओम सूक्ष्मतम विराट का एकात्म नाद। परम ध्वनि। अस्तित्व सूक्ष्मतम से भी सूक्ष्म है और विराट से भी विराट। अन्तर्यात्रा स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा है। पत्ती, पुष्प से पेड़ और पेड़ से जड़ की यात्रा सुगम है। जड़ें देखते ही बीज का ध्यान आता है। बीज के भीतर अनंत संभावनाएं होती हैं। पेड़, शाखा, पत्तियां और फूल। फिर-फिर बीज। ओम प्राण शक्ति है और सोम बीज का पल्लवन पुष्पन। ऋग्वेद के सोम कम लोगों को याद हैं लेकिन सोमवार हर सातवें दिन उन्हीं की स्मृति दिलाता है। सोम से ओम् की यात्रा शिव है। यहां कोई भौगोलिक दूरी नहीं। सोम और ओम् साथ-साथ हैं। सोम शिव के ललाट पर हैं ही। शिव का सोम चन्द्र प्रतीक बड़ा प्यारा है। ऋग्वेद में सोम को पृथ्वी का निवासी बताया गया है। सोम असाधारण देवता हैं। आनंददाता भी हैं। ऋग्वेद में रूद्र शिव 'सुगंधिं पुष्टिवर्द्धनं' हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। नट-राज। श्रीकृष्ण की बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो शिव के डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकर हो जाते हैं लेकिन यही रूद्र शिव भी हैं। ऋग्वेद में "जो रूद्र है, वही शिव भी है।" शिव महाकाल हैं। त्रिशूल उनका हथियार। तीन शूल दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट हैं। भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुखहारी हैं-त्रिशूल धारक जो हैं। सोंचने से मन नहीं भरता। मैं तनाव की स्थिति में यजुर्वेद के शिव संकल्प सूक्त दोहराता हूं-"हमारा मन भागता है। यहां वहां। ऐसा हमारा मन शिव संकल्प से भरापूरा हो-तन्मे मनः शिव संकल्पं अस्तु।" मंच, माला, माइक का त्रिशूल मेरे भीतर है। सोम सामने है, भीतर ओम है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम् की अनुभूति नहीं। करूं तो क्या करूं? ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था तर्यम्बक रूद्र को-हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो। सावन का माह भारत में शिव उपासना की मंगल मुहूर्त है। शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। ऋग्वेद के ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं, वनस्पतियां औषधियां उगती हैं खिलती हैं खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। शिवभक्तों को सोमवार प्रीतिकर है। काशी बहुत जाता हूं। काशी मंदिर में शिव उपासना की मूर्ति है। शिव दर्शन कई बार हुआ। लेकिन सावन में मैंने समूची काशी को सोम शिव पाया। हर-हर महादेव की गूंज व लोक उल्लास। सत्य, शिव और सुंदर की त्रयी में सत्य परम है। सत्य शिव है। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव में तीनों हैं। शिव और लोकमंगल पर्यायवाची हैं। आस्तिकों के लिए यह ऊर्जा सहज प्राप्य नहीं है। शिव के प्रति लोक आस्था विस्मयकारी है। शिव प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने भड़काया "पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गई। आपका सुंदर हांथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?" शिव शंकर के रूप-कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा "संसार के सारे रूप शिव के ही हैं-विश्वकूर्तेखाधार्यते वपु।" शिव ही सभी रूपों में रूप रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले "अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती-तवस्मि दासः।" मन करता है कि पूंछू शिव से-महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन शिव तप प्रभाव में स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं। भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्वाद से भरापूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकर्ता। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही प्रश्न पूंछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है। लेकिन शिव सब जानते थे। वे सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कण्ठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी हैं लेकिन चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। शरद् चन्द्र की पूर्णिमा सोम की ही वर्षा करती है। शिव ने सनत कुमारों को बताया कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दांया नेत्र है और बांया चन्द्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं। शिव अजन्मा हैं। उनका न जन्म हुआ और न ही मृत्यु। वे अजर अमर भोले शंकर हैं, औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। वे रूद्र शिव एशिया के बड़े भूभाग में प्राचीन काल से ही उपासित हैं। शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर के मन में शिव जिज्ञासा थी। भीष्म से उन्होंने तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, "शिवगुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता। फिर अर्जुन से कहा, "रूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत को व्याप्त किया है।" यहां श्रीकृष्ण के विराट का कारण भी शिव तत्व का बोध है। देवों के देव महादेव नमस्कारों के योग्य हैं। पौराणिक शिव बड़े आकर्षक हैं। बैल की सवारी और पार्वती से बतरस। 'विज्ञान भैरवतंत्र' में शिव और पार्वती के मध्य गहन दार्शनिक संवाद का उल्लेख है। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागी। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दांयी आंख में ही काजल लगाया था, वह बाई आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती शिव जगत के माता पिता हैं। विवाह के बाद देवों ने शुभकामनाएं दीं।" हम भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। बहुदेव उपासना हमारी प्रकृति है। शिव एशिया के बड़े भाग में प्रचलित देव हैं। वे हजारों बरस से भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। श्रीराम गोयल ने 'विश्व की प्राचीन सभ्यताएं' (पृष्ठ 416) में शिव उपासना को आर्येतर बताया है। उन्होंने ऋग्वेद के रूद्र को भी परवर्ती शिव से भिन्न बताया है। गोयल आर्यों को भारतीय मूल का नहीं मानते थे। वे देवताओं को भी आयातित मानते थे। लेकिन ऋग्वेद की प्राचीनता से ही ऐसे आरोप निरस्त हो जाते हैं। सिंधु घाटी से प्राप्त मुद्राओं में पशुओं की बहुतायत है। शिव पशुपति हैं ही। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी। प्रख्यात माक्र्सवादी चिन्तक डॉ0 रामविलास शर्मा ने लिखा है "वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ।" शिव उपासना का मूल केन्द्र भारत है। यजुर्वेद प्राचीन है। इसका 16वां अध्याय शिव की ही स्तुति है। यहां शिव कण-कण में व्याप्त परम चेतना हैं।

अपनी राय हमें इस मेल पर भेंजे-
vishwavarta.response@gmail.com

ट्रंप की सनक या तानाशाही

प्रेम शर्मा

अपने अनिश्चित स्वभाव के अनुरूप, अमेरिकी राष्ट्रपति ने वैश्विक व्यापार व्यवस्था के साथ बहुत अधिक खिलवाड़ किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान प्रवासी विरोधी बनता जा रहा है। ट्रंप की टेक कंपनियों को उनकी ताजा चेतावनी इसी का प्रमाण है। जिसे राष्ट्रपति चुने जाने के लिए भारत में हवन पूजन किया गया हो। जिसे देश के प्रधानमंत्री का बेहतर मित्र कहा जा रहा हो वह राष्ट्रपति भारत के खिलाफ लगातार आग उगल रहा है।हालांकि ट्रंप की ऐसी हर कोशिश उनके ही देश को नुकसान पहुंचाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने जबसे अमेरिकी राष्ट्रपति पद को संभाला है, भारत के खिलाफ ही काम कर रहे हैं। एक बार फिर उन्होंने भारत के खिलाफ जहर उगला और कहा कि अब वो दिन लद गए जब अमेरिकी कंपनियां भारतीयों को नौकरी दें। इससे पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों को एक सख्त मैसेज दिया है, जिसमें भारत से हायरिंग करने को मना किया है। ऐसे कई फैसले जो उन्होंने भारत को हानि पहुचाने वाले लिए है। दूसरे कार्यकाल की शुरुआत ही धमकियों से करने वाले ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिकी कंपनियां केवल अमेरिकियों को ही नौकरी दें। उनका कहना है कि 'हमारी कई बड़ी टेक कंपनियों ने अमेरिकी आजादी का फायदा उठाते हुए चीन में फैक्ट्रियां बनाईं, भारत में कर्मचारियों को नौकरी दी और आयरलैंड में मुनाफा बचाया...।' कुछ अरसा पहले ही ट्रंप ने एपल को चेतावनी दी थी कि अगर उसने भारत में प्रॉडक्शन किया, तो आईफोन पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया जाएगा। ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका में बिकने वाला हर सामान अमेरिका में ही बने और उसे बनाएं भी अमेरिकी ही, लेकिन क्या यह संभव है? ग्लोबलाइजेशन के इस दौर में जब मुक्त व्यापार की बात हो रही है, तब कोई अर्थव्यवस्था खुद में सिमट कर नहीं रह सकती। और सबसे अहम बात, अमेरिकी कंपनियां इसलिए भारत या चीन में प्लांट लगाना चाहती हैं, क्योंकि यहां मैन्युफैक्चरिंग सस्ती है। इसी तरह, सिलिकॉन वैली या दूसरी अमेरिकन इंडस्ट्रीज में भारतीयों ने अपनी बुद्धिमत्ता से जगह बनाई है। दर्जनों विश्व विख्यात कम्पनी के मुख्यकर्ताधर्ता भारतीय मूल के है। सिलिकॉन वैली के करीब एक तिहाई टेक एम्प्लॉई भारतीय मूल के हैं। फॉर्च्युन 500 की लगभग डेढ़ दर्जन कंपनियों में टॉप पोजिशन पर भारतीय बैठे हैं। ये भारतीय अमेरिकी इकॉनमी

के इंजन हैं। 2024 में 72 यूनिकॉर्न स्टार्टअप भारतीय मूल के लोगों के थे और इनकी टोटल वैल्यू 195 अरब डॉलर आंकी गई थी। इन कंपनियों में अमेरिकी भी काम करते हैं। इसी तरह, अमेरिका की आबादी में 1.5 वाले भारतीय 5-6ः इनकम टैक्स अदा करते हैं।अमेरिकी की टेक इंडस्ट्री या सिलिकॉन वैली आज अगर वैश्विक स्तर पर राज कर रही है, तो इसमें प्रवासियों का बड़ा योगदान है। दुनियाभर की मेधा, खासकर भारत की, ने मिलकर इस इंडस्ट्री को सींचा है। इलॉन मस्क की टेस्ला को जब ऑटोपायलट सॉफ्टवेयर में सफलता मिली, तो उन्होंने भारतीय मूल के एक रोबोटिक्स इंजीनियर अशोक एल्लुस्वामी का ही नाम पहले लिया था। ट्रंप उस वैश्वीकरण को खत्म करने की बात कर रहे हैं, जिससे सबसे ज्यादा फायदा अमेरिका को ही हुआ है। उनके पास इंडस्ट्री की मांग को पूरा करने लायक वर्कफोर्स नहीं है। भारत के बिना उनका 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' पूरा नहीं हो सकता।वैसे भी जब से ट्रंप ने पद सम्हाला है तब से संयुक्त राज्य अमेरिका का व्यापार परिदृश्य एक बड़े बदलाव के दौर से गुज़र रहा है। क्योंकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में 20 से ज्यादा देशों में अपने टैरिफ अभियान का विस्तार कर रहे हैं। 50 प्रतिशत तक के प्रतिशोधात्मक शुल्कों के साथ, ऑटोमोबाइल और एल्युमीनियम से लेकर तांबा और ई-कॉमर्स तक, सभी क्षेत्र इस टकराव में फँस गए हैं। इसके लिए कनाडा, ब्राज़ील और भारत जैसे देश छूट हासिल करने के लिए 1 अगस्त की समय सीमा के ख़िलाफ़ दौड़ रहे हैं। जबकि व्यवसाय और उपभोक्ता इसके बाद के झटकों के लिए तैयार हैं। यानि इतना तो तय है कि या तो ट्रम्प किसी सनक का शिकार हो गए है फिर उनको तानाशाही करने में मजा आ रहा है। लेकिन हिन्दुस्तान में यह कहावत आम है कि अकेल चना भाड़ नही फोड़ सकता। इसका आभास जल्द ही ट्रम्प को हो जाएगा।

कविता

ज्योति रीता

नियति

हालात के आगे
ना तुम मजबूर थे
ना मैं
ये फ़ैसला नियति ने ही
तय कर रखा था
ना तुम कुछ कर पाये
ना मैं
बस इस फैसले में हाँ-में-हाँ मिलाकर
सहमती जताते रहें,
जानते हुवे
कुछ तो ग़लत है
फिर भी
ना तुम रोक पाये
ना मैं
कुछ फैसले
ऊपर से ही तय होते हैं शायद!

डॉ. कलाम : जनता के राष्ट्रपति, बेमिसाल वैज्ञानिक

मिसाइल मैन एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. कलाम की पुण्यतिथि 27 जुलाई पर विशेष...

प्रदीप कुमार वर्मा

सपने वे नहीं होते, जो आपको रात में सोते समय नींद में आए बल्कि सपने वे होते हैं, जो रात में सोने ही न दें।' यह कथन है महान वैज्ञानिक एवं देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का। उन्हें मिसाइल मैन, भारतीय अंतरिक्ष प्रोग्राम का जनक तथा पीपुल्स प्रेसिडेंट भी कहा जाता है। यही नहीं विद्यार्थियों के प्रति विशेष प्रेम को देखते हुए देश और दुनिया में उनके जन्मदिन को 'विद्यार्थी दिवस' के रूप में भी मनाया जाता है। राष्ट्र की सेवा एवं ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए डॉ. अब्दुल कलाम को वर्ष 1981 में पद्म भूषण, वर्ष 1990 में पद्म विभूषण तथा वर्ष 1997 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। डॉ. कलाम ने देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को गति दी। इसके साथ ही मिसाइल तकनीक में विकास के नए आयाम गढ़े जिससे देश सुरक्षा और अंतरिक्ष के मामले में आत्मनिर्भर होने की राह पर चल पड़ा। भारत के 11वें राष्ट्रपति और वैज्ञानिक रहे एपीजे अब्दुल कलाम का आज पुण्यतिथि है। डॉ. कलाम का 27 जुलाई 2015 को आईआईएम शिलांग में लेक्चर देते समय दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम के धनुषकोटि में एक मध्यमवर्ग मुस्लिम अंसार परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम जैनुलाब्दीन और मां का नाम आशियम्मा था। उनका बचपन काफी संघर्षों में बीता और उन्हें आर्थिक परेशानियों को दूर करने के लिए अखबार भी बांटना पड़ा। उनकी बचपन की पढ़ाई रामेश्वर में ही हुई। इसके बाद उन्होंने 1954 में त्रिची के सेंट जोसेफ कॉलेज से साइंस की डिग्री हासिल की। वर्ष 1957 में उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। डॉ. कलाम ने भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में भी काम किया। वह रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार भी रहे। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के संबंध में प्रचलित मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डॉ. कलाम बचपन में पायलट बनना चाहते थे लेकिन ऐसा नहीं हो सका लेकिन डॉ. कलाम ने शुद्ध राजनीति के जरिए राष्ट्रपति पद को शोभित किया और इसके बाद आमजन के लिए भी राष्ट्रपति भवन के दरवाजे खुल गए। अपने जीवन काल में डॉ. कलाम एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी में आए, तो इसके पीछे उनके 5वीं कक्षा के अध्यापक सुब्रह्मण्यम अय्यर की प्रेरणा थी। अपने अध्यापक की बातों ने उन्हें जीवन के लिए ना केवल एक मंजिल,बल्कि एक उद्देश्य भी प्रदान किया। अभियांत्रिकी की शिक्षा के लिए उन्होंने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में दाखिला लिया। वहां इन्होंने एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में अध्ययन किया। और इस प्रकार डॉ. कलाम वैज्ञानिक बने। वर्ष1958 में डॉ. कलाम ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) में एक वैज्ञानिक के रूप में अपना करियर शुरू किया। इसके बाद में डॉ.कलाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) में काम किया। जहां,उन्होंने भारत के पहले उपग्रह प्रक्षेपण यान (एसएलवी-III) के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिससे जुलाई 1982 में रोहिणी उपग्रह सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया गया था। कलाम ने स्वदेशी लक्ष्य भेदी नियंत्रित प्रक्षेपास्त्र (गाइडेड मिसाइल्स) को डिजाइन किया। डॉ. कलाम ने अग्नि एवं पृथ्वी जैसे प्रक्षेपास्त्रों को स्वदेशी तकनीक से बनाया था। यही नहीं डॉ. कलाम जुलाई 1992 से दिसम्बर 1999 तक रक्षा मंत्री के विज्ञान सलाहकार तथा सुरक्षा शोध और विकास विभाग के सचिव थे। डॉ. कलाम को भारत के मिसाइल कार्यक्रम के विकास में उनके योगदान के लिए ₹मिसाइल मैन₹ के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने 1998 में पोखरण-द्वितीय परमाणु परीक्षणों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिससे भारत एक परमाणु शक्ति संपन्न देश बना। देश को मिसाइल तकनीक देने तथा विज्ञान के क्षेत्र में भारत को प्रगति के रास्ते पर पहुंचने वाले डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम 18 जुलाई 2002 को कलाम भारत के 11वें राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। इन्हें भारतीय जनता पार्टी समर्थित एनडीए घटक दलों ने अपना उम्मीदवार बनाया था जिसका वामदलों के अलावा समस्त दलों ने समर्थन किया था। इसी क्रम में 25 जुलाई 2002 को उन्होंने संसद भवन के अशोक कक्ष में राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। 5 साल तक देश के राष्ट्रपति के पद को सुशोभित करने वाले डॉकलाम का कार्यकाल 25 जुलाई 2007 को उनका कार्यकाल समाप्त हो गया था। डॉ. कलाम ने वैज्ञानिक रहते हुए जितनी ख्याति हासिल की, उससे कहीं ज्यादा राष्ट्रपति रहते हुए मशहूर हुए। उन्होंने राष्ट्रपति भवन के दरवाजे आम लोगों के लिए खुलवाए। अपने 5 साल के कार्यकाल में डॉ. कलाम ने महज 2 बार ही छुट्टी ली थी। ज्ञान-विज्ञान और पठन- पाठन के प्रति उनका संपूर्ण जीवन समर्पित रहा। यह भी एक सुखद संयोग ही रहा कि अपने निधन के दिन भी वे देश की भावी पीढ़ी को ज्ञान-विज्ञान का संदेश देते हुए इस दुनिया से रुखसत हुए। पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का आज ही के दिन 27 जुलाई 2015 को शिलांग के आईआईएम में एक व्याख्यान देने के दौरान गिरने के बाद निधन हो गया। उनकी पुस्तकें इंडिया 2020, विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड, माय जर्नी आदि काफी प्रेरक हैं। जीवन भर सादगी के प्रतीक ही रहे डॉ. कलाम जब राष्ट्रपति भवन से विदा हुए तो उनके पास सिर्फ सूटकेस था, जिसमें उनके कुल जमा दो जोड़ी कपड़े और कुछ किताबें थी। इस दुनिया से जाने के बाद भी डॉ.कलाम वैज्ञानिकों और युवाओं के लिए प्रेरणा के स्रोत बने हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने राजनीतिक शुचिता की एक ऐसी लकीर खींच दी है जो अन्य राजनेताओं के लिए एक बेमिसाल नजीर है।

बिजली पानी को तरस रहे अन्नदाता : कांग्रेस प्रवक्ता

देवरिया। डबल इंजन की सरकार में करंट गायब है जिले में लगातार बिगड़ती बिजली व्यवस्था को लेकर कांग्रेस पार्टी के जिला प्रवक्ता संजीव कुमार मिश्रा ने कहा कि जुमला निकला डबल इंजन वादा, बिजली पानी को तरसे अन्नदाता! गृह ब्लाक देसही देवरिया में संगठन सृजन अभियान के तहत भ्रमण करते हुए क्षेत्रीय पत्रकार से मुखातिब होते हुए देसही चौराहे पर यह बात कही। इस भीषण गर्मी में छोटे-छोटे बच्चे महिलाएं घरों में गर्मी से बेहाल है। पुरुष वर्ग बाहर निकल कर पेड़ों के निचे किसी तरह से गर्मी बर्दाश्त कर ले रहा है। लेकिन सरकार बडी-बडी बातें करती है। क्षेत्रीय विधायक मंत्री जी भी क्षेत्रीय जनता का भी ख्याल नहीं रख पा रहे हैं। इसका हिसाब जनता 2027 में देगी। कांग्रेस संगठन बूथ स्तर तक मजबूत हो रहा है। संगठन के बल पे 2027 कांग्रेस सरकार बनायेगी।

जिलाधिकारी ने की विकास कार्यों की समीक्षा बैठक

लापरवाह व खराब रैंकिंग वाले के अधिकारियों को लगायी फटकार

» दी हिदायत कि जिन परिवारों के पास नहीं है राशन कार्ड, उनका प्राथमिकता के आधार पर बनाओ फैमिली आइडी कार्ड

विश्ववार्ता संवाददाता

कुशीनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा हेतु आयोजित रही बैठक में जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने द्वारा मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की प्रगति रिपोर्ट में खराब श्रेणी प्रदर्शित करने वाले इंडिकेटर में शामिल विभागों व कार्यों से संबंधित अधिकारियों जमकर फटकार लगाई और निर्देशित किया कि कार्यों में प्रगति लाने का प्रयास किया जाये। साथ ही जिसके स्तर पर रैंकिंग खराब हो रही है ,उस पर कार्यवाही की जाए। अन्यथा संबंधित विभागों के जनपद स्तरीय अधिकारियों को जिम्मेदार मानते हुए उनके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही के कारण खराब रैंकिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने खराब प्रगति वाले विभागों के अधिकारियों को पूरी मुश्तैदी के साथ स्थिति में सुधार लाने का निर्देश दिया। जीरो पावर्टी कार्यक्रम की समीक्षा दौरान दुदही, कसया व सुकरौली खण्ड विकास अधिकारियों को चेतावनी देते हुए उन्होंने कार्यों में सुधार लाने का निर्देश दिया। साथ ही विभिन्न योजनाओं में सत्यापन रिपोर्ट में भिन्नता पर भी फटकार लगायी। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा पीएम सूर्य घर योजना अंतर्गत प्रगति न होने पर संबंधित से पुछताछ कर प्रगति लाए जाने का निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि जनपद के वेंडरों की सूची जारी कर आमजन तक पहुंचने का कार्य करें जिससे लाभार्थियों को आसानी हो सके। जिलाधिकारी ने पीओ (नेडा) को निर्देशित किया कि डीपीआरओ से ग्राम प्रधानों की सूची लेकर वार्ता करें ताकि लक्ष्य की पूर्ति हो सके। उन्होंने कहा कि इसकी प्रगति रिपोर्ट प्रत्येक दिन उपलब्ध कराई जाय। जिलाधिकारी ने फैमिली आईडी बनाये जाने के कार्य की प्रगति के संबंध में फाजिलनगर, हाटा रामकोला के खण्ड विकास अधिकारियों से पूछताछ की और हिदायत दी कि जिन परिवारों के पास राशन कार्ड नहीं है, उनका फेमिली आईडी कार्ड प्राथमिकता के आधार पर पर बनाया जाना चाहिए और अगली बैठक की तक लक्ष्य पूर्ति हो जानी चाहिए। उन्होंने जिला पूर्ति अधिकारी को सहयोग देने हेतु निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि यदि कोई आवास या अन्य योजना में अपात्र पाया गया है, तो उसका जीरो पावर्टी में कैसे चयन हुआ, इसकी भी जांच करायी जाएगी।

समीक्षा बैठक में नई सड़कों के निर्माण, पर्यटन विभाग, ऋण वितरण वसूली, स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न परियोजनाएं, ई -ऑफिस प्रणाली जल निगम, जीरो पावर्टी अंतर्गत आठ विभागों द्वारा कराए जाने वाले कार्यों- निराश्रित महिला पेंशन, दिव्यांग जन पेंशन, किसान सम्मान निधि, पीएम जन आरोग्य योजना सामुहिक विवाह, प्रधान मंत्री आवास, मुख्य मंत्री आवास आदि की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा दौरान पीडी को निर्देशित किया कि यदि किसी को एक किस्त दिया गया या दूसरी किस्त भी दिया गया उसके बाद सत्यापन रिपोर्ट में उसे अपात्र पाया गया, तो उसकी रिकवरी गलती करने वाले से हर हाल में होगी।

पर्यावरण संरक्षण हेतु अधिक से अधिक पौधरोपण जरूरी : डा अर्चना पांडे

विश्ववार्ता संवाददाता

देवरिया। आरोग्य भारती के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत देवरिया सदर खंड के ग्राम सरौरा देवरिया में पौधरोपण का कार्य किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के महिला मोर्चा की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष डॉ अर्चना पांडे ने कहा कि आज प्रदूषण और जलवायु असंतुलन के कारण लोगों को गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है जैसे की गर्मी का बढ़ना बे मौसम बरसात होना आदि इसलिए जलवायु और पर्यावरण को सुरक्षित करने वाले पौधों का अधिक से अधिक संख्या में रोपण करें। वेदों में वर्णित पौधे जलवायु को संरक्षित करने के साथ-साथ वातावरण को स्वस्थ एवं स्वच्छ बनाते हैं ऐसे पौधों में औषधि गुण भी होते हैं इनमें श्रीफल, आवला, हरसिंगार, अशोक, सहजन, नीम आदि हैं। इन पौधों का आज यहां पर रोपण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा नेता रजनीश उपाध्याय ने कहा कि स्वस्थ जीवन के दृष्टिकोण से पर्यावरण मानव की सर्वोच्च जरूरत है। हमारा उद्देश्य पौधरोपण के साथ साथ रोपित पौधों का संरक्षण करना भी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को प्रत्येक वर्षाकाल में कम से कम 10 पौधे लगाने का संकल्प लेना चाहिए ताकि आने वाली पीढ़ी को एक शुद्ध वातावरण मिल सके।

आरोग्य भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. अजीत नारायण मिश्र ने कहा कि पृथ्वी पर जीवन के लिए पौधो का होना बहुत जरूरी है। पेड़ पौधे से मिलने वाले आक्सीजन की वजह से हम लोगो की सांसे चलती है।

आगामी वर्षों में वातावरण के तापमान बढ़ने से उत्पन्न खतरों के प्रति हमें अभी से सचेत होना होगा। ग्लोबल वार्मिंग जैसी वैश्विक समस्या से निदान का एक मात्र उपाय पौधरोपण ही है। कार्यक्रम के दौरान परिसर मे आम, नीम, पीपल, बरगद, अशोक, सहजन, आवला आदि पौधो का रोपण कर पर्यावरण को संरक्षित करने का आवाहन किया गया।

सड़क के बीच मजार बनी जाम और जान की दुश्मन

» धरोहर संरक्षण संगठन ने दिया अल्टीमेटम हफ्तेभर में नहीं हटी तो खुद करेंगे हटाने का काम

विश्ववार्ता संवाददाता

वाराणसी। काशी की धरोहर और यातायात व्यवस्था पर संकट बन चुकी एक अवैध मजार को लेकर अब मामला गरमा गया है। भोजूबीर सिंधोरा मार्ग पर स्थित यह मजार जो सड़क के ठीक बीचोंबीच बनी हुई है, न केवल सड़क की चौड़ाई को निगल रही है, बल्कि इससे आए दिन जाम और सड़क हादसे हो रहे हैं।

धरोहर संरक्षण सेवा संगठन के प्रमुख संयोजक कृष्णा नंद पाण्डेय द्वारा इस मजार को लेकर सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के तहत जिला प्रशासन, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) और राजस्व विभाग से जानकारी मांगी गई थी। जवाब में दोनों विभागों ने स्पष्ट रूप से इस मजार को अवैध घोषित करते हुए कार्रवाई की सिफारिश की है। इसके बावजूद जिला प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। 10 जून को धरोहर संरक्षण सेवा संगठन की ओर से जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया था, जिसमें इस मजार को अवैध बताते हुए उसे तत्काल हटाने की मांग की गई थी। संगठन का कहना है कि यह मजार न केवल सार्वजनिक मार्ग पर अवैध कब्जे का प्रतीक है, बल्कि यातायात अवरोध और दुर्घटनाओं का कारण भी बन रही है। सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं, जिससे एम्बुलेंस तक फँस जाती हैं और आमजन का जीवन संकट में पड़ जाता है। संगठन के संयोजक कृष्णा नंद पाण्डेय ने आरोप लगाया कि प्रशासन पूरी जानकारी रखने के बावजूद इस मुद्दे को नजरअंदाज कर रहा है। "यह मामला केवल अवैध कब्जे का नहीं है, यह शहर की यातायात सुरक्षा, आमजन की सुविधा और कानून व्यवस्था से जुड़ा गंभीर विषय है," उन्होंने कहा। उन्होंने आगे बताया कि सूचना के अधिकार के अंतर्गत प्राप्त दस्तावेजों में यह साफ लिखा है कि मजार अवैध रूप से सड़क के बीचोंबीच बनी है और इससे यातायात बाधित हो रहा है। इस पूरे मामले में जिला प्रशासन की चुप्पी और निष्क्रियता सवालों के घेरे में है। क्या वाराणसी जैसे सांस्कृतिक और धार्मिक नगरी में भी अब प्रशासनिक तंत्र धार्मिक ढांचे के नाम पर कानून को ताक पर रख देगा? क्या सड़क पर बना कोई भी अवैध निर्माण केवल इस आधार पर सुरक्षित रहेगा कि उसे मजार का नाम दे दिया गया? धरोहर संरक्षण सेवा संगठन ने प्रशासन को साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि यदि आगामी एक सप्ताह के भीतर इस अवैध मजार को नहीं हटाया गया, तो संगठन स्वयं अपने स्तर पर इसे हटाने का अभियान चलाएगा।

संगठन का कहना है कि यह कदम वे कानून के दायरे में रहकर उठाएंगे और इसके लिए वे जन समर्थन और कानूनी सलाह दोनों जुटा रहे हैं। यह मामला अब केवल वाराणसी तक सीमित नहीं रहा। धार्मिक आस्था और अवैध कब्जे के नाम पर शहर की सड़कों को बाधित करने की प्रवृत्ति पूरे देश में चिंता का विषय बनती जा रही है। जहां एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काशी की सड़कों को चौड़ा, स्वच्छ और सुगम बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर स्थानीय प्रशासन की लापरवाही ऐसे प्रयासों को पलीता लगा रही है। स्थानीय निवासी भी इस मजार को लेकर नाराज़ हैं। लोगों का कहना है कि दिनभर इस मार्ग पर जाम की स्थिति बनी रहती है। एक दुकानदार ने बताया, "इस मजार की वजह से न तो ग्राहक समय से आ पाते हैं और न ही कोई सामान समय पर पहुंचता है। प्रशासन केवल कागजी खानापूर्ति कर रहा है, असल में कोई हल नहीं निकल रहा।" अब देखना यह है कि जिला प्रशासन संगठन की चेतावनी को कितना गंभीरता से लेता है और क्या अवैध कब्जे के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई होती है या नहीं। क्या प्रशासन अपनी निष्क्रियता से एक और जनआंदोलन को जन्म देगा? या फिर कानून के अनुसार अवैध निर्माण पर सख्त कार्यवाही करते हुए जनता को राहत देगा? जवाब आने वाले एक सप्ताह में मिल जाएगा। अगर प्रशासन इस चेतावनी के बाद भी मूकदर्शक बना रहा, तो यह मामला न सिर्फ वाराणसी बल्कि पूरे देश में एक उदाहरण बन सकता है कि किस तरह धार्मिक आड़ में अवैध निर्माण और प्रशासनिक उदासीनता मिलकर आम जनता की जिंदगी को खतरे में डालते हैं।

गोपालपुर आंगनबाड़ी केंद्र बंद, बच्चों का पोषण योजना से कट रहा नाता

बहराइच। विकासखंड नवाबगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत गोपालपुर के आंगनबाड़ी केंद्र वार्ड संख्या 10 में बीते तीन महीने से कार्य नहीं हो रहा है। केंद्र सहायिका और कार्यकर्त्री दोनों की गैरमौजूदगी से न तो पोषाहार वितरण हो पा रहा है और न ही बच्चों की नियमित देखभाल और निगरानी। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि केंद्र में लंबे समय से ताले लटके हुए हैं, जिससे बच्चों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। भाजपा मंडल अध्यक्ष रुपईडीहा महराज दीन वर्मा ने बाल विकास परियोजना अधिकारी सीडीपीओ को पत्र भेजकर पूरे मामले की जांच कर संबंधित कर्मचारियों पर उचित कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द केंद्र को पुनः संचालित नहीं किया गया तो वे बड़े आंदोलन को मजबूर होंगे।

आरएसएस ने पड़रौना नगर में मनाया कारगिल विजय दिवस

» दीप प्रज्वलित कर भारतीय सेना के वीर जवानों के शौर्य और साहस को किया गया नमन

विश्ववार्ता संवाददाता

कुशीनगर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के स्वयं सेवकों द्वारा कारगिल विजय दिवस मनाने के क्रम में पड़रौना नगर के सुभाष चौक पर आयोजित कार्यक्रम में कारगिल युद्ध में मिली विजय को भारत के पराक्रम का परिचायक बताया गया। प्रायः सभी वक्ताओं ने कहा कि यह विजय केवल पहाड़ की चोटी को हासिल करने तक सीमित नहीं थी, बल्कि भारत के शौर्य और अस्मिता की पुनर्स्थापना की जीत थी।

इस युद्ध में भारतीय सेना के जांबाजों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश की रक्षा की थी और कारगिल में पुनः तिरंगा लहराकर सभी देशवासियों को गौरवान्वित किया। अपने अद्भुत पराक्रम से माँ भारती के आत्मसम्मान की रक्षा करने वाले हमारे वीर जवानों का यह कृतज्ञ राष्ट्र सदैव ऋणी रहेगा।

इस अवसर पर सह विभाग कार्यवाह रविकीर्ति अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष बुलबुल जायसवाल नगर प्रचारक सूरज नगर कार्यवाह दीनानाथ सह नगर कार्यवाह रामाश्रय संजय केशरी विशाल जयसवाल शैलेंद्र सिंह संदीप वर्मा सागर देवेंद्र अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संदीप भगत आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के दौरान दीप प्रज्ज्वलित कर भारतीय सेना के वीर जवानों के साहस एवं प्रकरसम को नमन किया गया।

होटल व मैरेज लॉन पर हुई छापेमारी, डेढ़ दर्जन युवक युतियां गिरफ्तार, होटल सील

» नायब तहसीलदार संदीप कुमार व सीओ कुंदन सिंह के नेतृत्व में हुईं कार्यवाही

विश्ववार्ता संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगर क्षेत्र में संचालित होटलो और मैरेज लॉन में लम्बे समय से बड़े पैमाने पर धड़ल्ले से चल रहें देह व्यापार के धंधे पर उच्चाधिकारियो के संज्ञान के बाद स्थानीय पुलिस प्रशासन ने नगर के हाइबे पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत एक होटल और एक मैरेज लॉन पर छापेमारी कर लगभग डेढ़ दर्जन से ज्यादा युवक युतियों को संदिग्ध हालत में पकड़ कर उन्हें थाने लायी, तो वहीं दोनों होटलों को सील कर अग्रिम विधिक कार्यवाही में जुट गईं। शुक्रवार की देर शाम को नायब तहसीलदार संदीप कुमार और सीओ कुंदन कुमार के नेतृत्व में नगर के देवरिया मार्ग पर स्थित होटल पर्ल और एनएच 28 फोर लेन के किनारे संचालित उत्सव मैरेज लॉन में देह व्यापार का धंधा चलने की सूचना पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान दोनों होटलों से लगभग 6 युवक और 10 युवतियाँ गिरफ्तार किए गए। कुछ तो छापेमारी के दौरान अंधेरे का फायदा उठाते हुए बाउंड्री फांद कर भाग गए। दोनों होटलों को नायब तहसीलदार की मौजूदगी में सील कर दिया गया, तो वहीं पकड़े गए युवक युवतियों को थाने लाया गया। मौके से होटल संचालक भी फरार हो गए थे। पुलिस पूछ ताछ व जाँच पड़ताल करते हुए अग्रिम विधिक कार्यवाही में जुटी हुईं है। इस संबंध में सीओ कसया कुंदन कुमार सिंह ने बताया कि कुछ होटलों पर संदिग्ध गतिविधियां होने संबंधित लगातार सुचना मिल रहीं थीं, जिसके बाद यह कार्यवाही की गईं है। आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी।

होटल, लॉज, रेस्टोरेंट और मैरेज लॉन का बोर्ड लगाकर चला रहे देह व्यापार

कसया, कुशीनगर। नगर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर होटल, रेस्टोरेंट, मैरेज लॉन या मैरेज हाउस के नाम से संचालित जगहों पर सेक्स रैकेट का धंधा कॉफी समय से जोर शोर से चल रहा है। यानी नगर का कोई भी मार्ग ऐसा नही है कि जिस मार्ग पर ऐसे सेक्स रैकेट चलाने वाले होटल, रेस्तरा, लॉज या मैरेज लॉन न हो।

बुद्ध स्थली कुशीनगर परिक्षेत्र सहित नगर कसया से लेकर देवरिया मार्ग, गोरखपुर मार्ग, सपहा मार्ग, पडरौना मार्ग आदि सभी मार्गो, गली खुचे आदि पर फर्जी बोर्ड लगाए होटल, रेस्तरा, लॉज, मैरेज लॉन जरूर मिल जाएंगे, जहाँ कोई कभी जाता नही, और न ही वहाँ जाने लायक किसी टूर ट्रेवल्स वाले लोग ही पहुंच पाते है। ऐसे जगहों पर सिर्फ स्थानीय लोगो सहित जनपदीय एवं गैर जनपदीय लोग अपनी जिस्म की भूख मिटाने वाले ही जाते है, जहाँ सेक्स रैकेट चलाने वाले गरीब, मजबूर घर की लड़कियो को रोजगार के बहाने बहला फुसला कर लाते हैं और जिस्म फरोशी के धंधे में धकेल देतें हैं। लोगो के बढ़ते चॉइस को देखते हुए और मोटी रकम कमाने के लिए बड़े पैमाने पर नाबालिग युवतियों को भी बहला फुसलाकर उन्हें लाते हैं और देह व्यापार का धंधा के लिए उन्हें मजबूर करते हैं। शातिर किस्म के ऐसे सेक्स रैकेट का धंधा चलाने वाले कुछ यहाँ पर किराये का मकान मोटी रकम 50-60 हजार रूपये प्रतिमाह के रेंट पर लेकर बोर्ड पर लाज, होटल आदि लिखवाकर देह व्यापार का धंधा बेखौफ धड़ल्ले से चलाते हैं, इनके धंधे का संरक्षण कुछ खाकी, खादी और कलमकार पत्रकार भी करते हैं,जिन्हे महीने का रकम बधा हुआ हैं। पुलिस प्रशासन की कार्यवाही होने की सुचना भी ऐसे संरक्षण देने वाले लोग उन्हें कार्यवाही से पहले ही सूचित कर देतें हैं, जिससे धंधे बाज चौकन्ने हो जाते हैं। वर्षो से इन देह व्यापार होटल कारोबारियों पर पुलिस प्रशासन की कार्यवाही होती रहीं हैं। होटले भी सील होती रहीं हैं, लेकिन क्या कारण है कि इन पर अंकुश लगने के बजाय और भी तेजी के साथ यह धंधा नगर क्षेत्र में बढ़ते जा रहा है और बे खौफ फल फूल रहा है। इस धंधे से अंतराष्ट्रीय पर्यटन बुद्ध की महापारिनिर्वाण स्थली कुशीनगर परिक्षेत्र में भी अछूता नही हैं। यहाँ भी होटल, लाज, रेस्टोरेंट के नाम पर देह व्यापार का धंधा चला रहें है, इनके यहाँ न तो कभी पर्यटक ठहरते है और न ही कोई कार्यक्रम आयोजित होता है। यें 500-1000 के रेंट पर एक से दो घंटे के लिए कमरे उपलब्ध कराते हैं। कुछ तो अपने वहाँ युवतियाँ एवं महिलाएं भी उपलब्ध रखते हैं। इनके होटल व्यवसाय का यही मुख्य जरिया भी बन गया है।

एक नजर

प्रशासन की पैनी नजर में आरओ/एआरओ परीक्षा सकुशल सम्पन्न

देवरिया। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी एवं सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा-2025 रविवार को जनपद देवरिया में शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष माहौल में सम्पन्न हुई। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल एवं पुलिस अधीक्षक श्री विक्रांत वीर ने संयुक्त रूप से विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नेशनल पब्लिक स्कूल सोंदा, सेंट्रल एकेडमी, नवजीवन इंटर कॉलेज एवं जनता इंटर कॉलेज सहित कई प्रमुख परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण किया गया। अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी निगरानी, प्रवेश प्रक्रिया, बायोमैट्रिक उपस्थिति, पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का गहन निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने केंद्र व्यवस्थापकों को निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं और किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। वहीं, पुलिस अधीक्षक द्वारा परीक्षा केन्द्रों की सुरक्षा व्यवस्था, महिला पुलिस की तैनाती, प्रवेश द्वार की निगरानी एवं फ्लाइंग स्क्वॉड की सक्रियता की समीक्षा की गई। प्रशासन की सक्रियता एवं समन्वित प्रयासों के चलते जनपद में परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हुई। सभी परीक्षा केंद्रों पर मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई थी तथा एलआईयू व पुलिस बल को अलर्ट मोड में रखा गया था। परीक्षा के दौरान कहीं से भी किसी प्रकार की गड़बड़ी या अनुचित गतिविधि की सूचना प्राप्त नहीं हुई।

कारगिल विजय दिवस पर गोष्ठी, भाषण प्रतियोगिता व पौधरोपण का किया गया आयोजन

मऊ। डीसीएसके पीजी कॉलेज के प्रांगण में नेहरू युवा केंद्र- मऊ के तत्वाधान में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर संगोष्ठी, भाषण प्रतियोगिता व पौधारोपण किया गया, जिसमे सभी छात्रों ने बढ़- चढ़ के हिस्सा लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सर्वेश पांडेय, जिला युवा अधिकारी राशि मिश्रा जी, प्रो. जियाउल्लाह, अतुल कुमार सिंह, भाजपा नेता प्रतीक जायसवाल, सब- इंस्पेक्टर प्रिंस कुमार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सनातन संस्कृति आधारित शिक्षा से ही संभव है भारत की सुरक्षा : कृष्णा नन्द पाण्डेय

» धरोहर संरक्षण सेवा संगठन की संस्कृति संवाद यात्रा का 42वां पड़ाव कृष्णा पब्लिक स्कूल दुलहीपुर चंदौली में सम्पन्न

विश्ववार्ता संवाददाता

वाराणसी। चंदौली सनातन संस्कृति युक्त शिक्षा ही आज के भारत की आवश्यकता है, क्योंकि देश जिन चुनौतियों से गुजर रहा है, उनका सामना केवल संस्कृति आधारित बोध से ही किया जा सकता है। यह विचार धरोहर संरक्षण सेवा संगठन के प्रमुख संयोजक कृष्णा नन्द पाण्डेय ने रविवार को कृष्णा पब्लिक स्कूल, दुलहीपुर, दीनदयाल नगर, चंदौली में आयोजित संस्कृति संवाद यात्रा के 42वें पड़ाव के अवसर पर व्यक्त किए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी अजय तिवारी ने की। श्री पाण्डेय ने अपने वक्तव्य में कहा कि आज देश में आतंकवाद, भ्रष्टाचार, लव जेहाद, धर्मान्तरण, आजीविका जेहाद, लैंड जेहाद जैसी समस्याएं समाज और राष्ट्र को खोखला कर रही हैं। इन समस्याओं से लड़ने के लिए केवल कानून या हथियार काफी नहीं, बल्कि युवा पीढ़ी के अंतःकरण में धर्म और संस्कृति का जागरण करना होगा। इसके लिए आवश्यक है कि पाठ्यक्रमों में सनातन संस्कृति युक्त शिक्षा को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। जब हर बच्चा अपने धर्म, परंपरा, और मूल्यों को समझेगा, तभी वह भारत के मूल आत्मा से जुड़ पाएगा और राष्ट्र स्वतः सुरक्षित होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ता दशरथ पाल ने कहा कि आज वृद्धाश्रमों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, इसका मुख्य कारण यह है कि बच्चों को परिवार और संस्कृति के महत्व की शिक्षा नहीं दी जा रही है। जब पीढ़ियों के बीच मूल्य और संस्कारों की कड़ी टूटती है, तब समाज बिखरने लगता है। यदि संस्कृति आधारित शिक्षा को बचपन से दिया जाए तो ऐसी समस्याएं उत्पन्न ही नहीं होंगी।

जयदीप तिवारी ने अपने वक्तव्य में कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा तभी सुनिश्चित हो सकती है जब धर्म और संस्कृति की रक्षा की जाए। उन्होंने कहा कि जो देश अपनी जड़ों से जुड़ा होता है, वही विश्व में अपनी पहचान बनाए रखता है। सनातन संस्कृति भारत की आत्मा है, इसे संरक्षित और सशक्त करना हर नागरिक का कर्तव्य है। कार्यक्रम का संचालन गौरव मिश्र ने किया और आयोजन की व्यवस्था आशीष तिवारी द्वारा की गई।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से बृजेश शर्मा, राधेश्याम पाण्डेय, विनय पाण्डेय, विवेक चौहान, रिप्पू तिवारी, आशीष सहित अनेक गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन श्री हनुमान चालीसा पाठ के साथ हुआ, जिससे वातावरण भक्तिमय और ऊर्जा से भर गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने संगठन के इस प्रयास की सराहना करते हुए ऐसे आयोजनों को देशभर में और व्यापक रूप से फैलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रजापति पद प्राप्त होते ही दक्ष में उत्पन्न हो गया था घोर अहंकार : पं. पंकज

तमकुहीराज (कुशीनगर)। कुशीनगर के तमकुही विकास खंड अंतर्गत सपही बुजुर्ग गांव में आयोजित रुद्र महायज्ञ के प्रथम दिन का धार्मिक वातावरण भक्तिरस से सराबोर रहा। कथा के दौरान जब प्रजापति दक्ष द्वारा भगवान शिव के अपमान का प्रसंग वर्णित हुआ, तो उपस्थित श्रद्धालु भावविह्वल हो उठे।

कथावाचक पंडित पंकज कृष्ण शास्त्री ने शुक्रवार रात्रि की कथा में बताया कि प्रजापति पद प्राप्त करने के पश्चात दक्ष में घोर अहंकार उत्पन्न हो गया था। उन्होंने एक भव्य यज्ञ का आयोजन किया, जिसमें समस्त देवताओं को आमंत्रित किया गया। सभी देवता उनके सम्मान में खड़े हुए, परंतु विष्णु, ब्रह्मा और भगवान शिव यथास्थान शांत बैठे रहे। दक्ष ने विष्णु और ब्रह्मा की अनदेखी की परंतु शिव को देखकर उनका अहंकार भड़क उठा। उन्होंने शिव को भूतों का स्वामी, भस्मधारी, मुंडमाल पहनने वाला कहकर अपमानित किया। यह अपमान सुनकर भगवान शिव के वाहन नंदी क्रोधित हो उठे और दक्ष को श्राप दे डाला कि जिस मुख से तुम मेरे स्वामी का अपमान कर रहे हो, वह सिर कट जाएगा और उसकी जगह बकरे का सिर लगेगा। यह प्रसंग सुनकर कथा स्थल हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। शनिवार को दिन के सत्र में कथावाचक पं. रामअवध शुक्ल ने महाभारत के द्रोपदी चीरहरण प्रसंग का भावप्रवण वर्णन किया। उन्होंने कहा कि जब धर्म संकट में होता है, तब भगवान श्रीकृष्ण स्वयं अधर्म के नाश हेतु अवतरित होते हैं। द्रौपदी की लाज रक्षा कर प्रभु श्रीकृष्ण ने सम्पूर्ण मानवता को यह संदेश दिया कि आस्था और आत्मसमर्पण ही ईश्वर को बाध्य कर सकती है।

धपरी गांव में खुदाई के दौरान निकला प्राचीन शिवलिंग

गोविंद तिवारी

» गांव में फैली सनसनी, प्रशासन ने कराया समाधान

वाराणसी। चंदौली जिले के अलीनगर थाना क्षेत्र स्थित धपरी गांव में शनिवार की शाम उस समय हड़कंप मच गया जब एक निजी जमीन की खुदाई के दौरान प्राचीन शिवलिंग मिलने की सूचना फैली। जानकारी मिलते ही गांव में लोगों की भारी भीड़ जुट गई और माहौल अचानक धार्मिक आस्था और तनाव का मिश्रित रूप ले बैठा। हालांकि प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया और शिवलिंग को गांव के ही मंदिर में स्थापित करा दिया गया। घटना गांव के निवासी सकलैन की निजी जमीन पर हुई, जहां वह एक भवन निर्माण कार्य करवा रहे थे।

शनिवार शाम मजदूर जब नींव की खुदाई कर रहे थे तभी जमीन के भीतर से एक काले पत्थर जैसी आकृति निकली। उसे सावधानीपूर्वक बाहर निकाला गया तो स्पष्ट हुआ कि वह एक शिवलिंग है। मजदूरों और आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल इसे पहचान लिया और मौके पर ही साफ-सफाई कर पूजा-पाठ शुरू कर दी। बेलपत्र, गंगाजल और मंत्रोच्चार के साथ श्रद्धा का माहौल बन गया। शिवलिंग मिलने की खबर पूरे गांव में तेजी से फैल गई। थोड़ी ही देर में गांव के कोने-कोने से पुरुष, महिलाएं और बच्चे वहां पहुंचने लगे। लोगों ने शिवलिंग को भगवान भोलेनाथ का संकेत मानते हुए श्रद्धा से नमन किया। लेकिन जिस भूमि से यह शिवलिंग प्राप्त हुआ, वह पहले से ही दो पक्षों के बीच विवादित थी।

स्थानीय लोग बताते हैं कि यह भूमि कभी कोट की जमीन मानी जाती थी और उस पर एक पक्ष का वर्षों से कब्जा चला आ रहा है। वर्तमान में इस पर सकलैन का निर्माण कार्य चल रहा था। मामला जब तेजी से तूल पकड़ने लगा और दो पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई तो स्थिति संवेदनशील हो गई। किसी भी अनहोनी की आशंका को भांपते हुए ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। कुछ ही समय में अलीनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

वहीं उपजिलाधिकारी अनुपम मिश्र और क्षेत्राधिकारी कृष्णमुरारी शर्मा भी गांव पहुंच गए और दोनों पक्षों से बातचीत कर मामला शांत कराया। सीओ कृष्णमुरारी शर्मा ने मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि गांव में फिलहाल पूरी तरह शांति है। कोई बड़ा विवाद नहीं है। शिवलिंग मिलने के बाद उसे ग्रामीणों की सहमति से गांव के पुराने शिवमंदिर में विधिवत स्थापित कर दिया गया है, जहां अब श्रद्धालु नियमित रूप से पूजा-अर्चना कर रहे हैं। प्रशासन पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि यह शिवलिंग कोई साधारण पत्थर नहीं, बल्कि हजारों साल पुराना प्रतीत होता है। कुछ लोगों ने इसे गांव की आस्था से जोड़कर ईश्वरीय चमत्कार बताया तो कुछ ने इसे ऐतिहासिक महत्व से जोड़ने की बात कही। कई लोगों का यह भी कहना है कि जिस स्थान पर शिवलिंग मिला है, वहां पूर्वजों के समय में भी धार्मिक गतिविधियां हुआ करती थीं। गांव के बुजुर्गों के अनुसार, जिस क्षेत्र को 'कोट' कहा जाता था, वहां पुरानी बस्तियां हुआ करती थीं और माना जाता है कि किसी समय वह धार्मिक केन्द्र रहा होगा।

खुदाई में शिवलिंग मिलना इस बात का प्रमाण हो सकता है कि वहां पूर्व में कोई मंदिर रहा हो। पूरे घटनाक्रम में पुलिस और प्रशासन की तत्परता से जहां संभावित तनाव टल गया, वहीं गांव में लोगों के मन में भगवान शिव की उपस्थिति का विश्वास और गहरा हो गया है। अब ग्रामीण नियमित रूप से मंदिर जाकर शिवलिंग की पूजा कर रहे हैं और वहां एक धार्मिक माहौल बना हुआ है। यह घटना न सिर्फ धार्मिक आस्था का प्रतीक बनकर सामने आई, बल्कि प्रशासनिक सूझबूझ का भी उदाहरण बनी, जिसमें समय रहते उचित निर्णय लेकर गांव को किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचा लिया गया।

ग्रामीणों की मांग है कि उस स्थान को स्थायी धार्मिक स्थल के रूप में विकसित किया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इस विरासत को देख सकें। धपरी गांव में शनिवार की शाम घटी इस घटना ने पूरे इलाके को भावनात्मक रूप से झकझोर दिया है। फिलहाल गांव में शांति है और शिवमंदिर में पूजा-अर्चना का क्रम जारी है।

एक नजर

अंशकालिक शिक्षक संघ की नई कार्यकारिणी में रीता अध्यक्ष व आकांक्षा बनीं सचिव

बहराइच। किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय स्वायत्तशासी संस्था में अंशकालिक शिक्षक संघ का गठन किया गया। नई कार्यकारिणी में रीता सिंह को अध्यक्ष और आकांक्षा रस्तोगी को सचिव चुना गया। उपाध्यक्ष के पद पर आनंद पांडेय और उमेश कुमार सिंह निर्वाचित हुए। कोषाध्यक्ष पद के लिए धर्मवीर सिंह चुने गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में सविता वर्मा,साधना सिंह,शालिनी सिंह वनस्पतिशास्त्र व दिनेश कुमार शुक्ल को चुना गया। इस अवसर पर स्ववित्तपोषित शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ आनंद श्रीवास्तव व सचिव डॉ राजेश शर्मा व डॉ सत्यभूषण सिंह उपस्थित थे। सभी निर्वाचित पदाधिकारियों को महाविद्यालय शिक्षक संघ के महामंत्री डॉ सीडी सिंह बिसेन ने बधाई दी है।

किसान क्रांति दल की मासिक बैठक हुई

बहराइच। राष्ट्रवादी किसान क्रांति दल की मासिक बैठक रविवार को शहर के बंजारी मोड़ ग्रीन सिटी नगीन कॉरपोरेट के सामने स्थिति जिला कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक के मुख्य अतिथि राष्ट्रवादी किसान क्रांति दल के प्रदेश अध्यक्ष रामजी तिवारी रहे। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डी के मिश्रा तथा संचालन जिला उपाध्यक्ष श्याम कुमार मिश्रा ने किया। मुख्य अतिथि श्री तिवारी ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि आगामी विधानसभा 2027 का चुनाव हमारे लिये काफी महत्वपूर्ण है। जिसके लिए हमें अपनी पहचान पंचायत चुनाव से ही बनाना पड़ेगा, सभी कार्यकर्ता एक जिम्मेदारी के साथ कमर कस लें।वृहद रूप से सदस्यता अभियान चलाएं। फिर बूथ तक कमेटी गठित कर राष्ट्रवादी किसान क्रांति दल को मजबूती प्रदान करें। इस अवसर पर बंदना मिश्रा जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा, संतोष उपाध्याय, अदालत प्रसाद पांडे जिला सचिव, रंजना पाठक, नीतू मिश्रा, बबिता पांडे, महेंद्र अवस्थी जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा, सत्येंद्र पांडे नानपारा विधानसभा अध्यक्ष सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बाबा बूढ़ेश्वर नाथ मंदिर का भी होगा कायाकल्प

नानपारा, बहराइच। जिले के नानपारा विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत शिवपुर ब्लॉक के रामपुर धोवियाहार ग्राम पंचायत स्थित बाबा बूढ़ेश्वर नाथ मंदिर का जीर्णोद्धार होगा। पर्यटन विभाग ने इस मंदिर परिसर को पर्यटन विकास, जीर्णोद्धार और सुंदरीकरण के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 की कार्य योजना में शामिल किया है। विधायक नानपारा रामनिवास वर्मा ने 31 जुलाई 2024 को पर्यटन विभाग और संस्कृति विभाग के मंत्री को पत्र भेजा था। इस पत्र में उन्होंने बाबा बूढ़ेश्वर नाथ मंदिर की प्राचीनता और मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के बारे में जानकारी दी थी। यह भी कहा था कि तहसील नानपारा और मीहिपुरवा से काफी संख्या में श्रद्धालु श्रावण मास में जलाभिषेक करने मंदिर पहुंचते हैं। साथ ही उन्होंने मंदिर के जीर्णोद्धार, सुंदरीकरण और पर्यटन विकास की अपील की थी। इस पहल से न केवल मंदिर का कायाकल्प होगा बल्कि क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों ने विधायक के इस प्रयास की सराहना की है। मंदिर के विकास से आसपास के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में भी वृद्धि होने की उम्मीद है।

राजस्व संग्रह अमीन संघ की नई कार्यकारिणी घोषित विजय शंकर अध्यक्ष व कन्हैयालाल उपाध्यक्ष बने

बहराइच। तहसील सदर में राजस्व संग्रह अमीन संघ की बैठक में सर्वसम्मति से संघ की नई जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया।नवगठित कार्यकारिणी में विजय शंकर वर्मा को अध्यक्ष चुना गया। उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी कन्हैया लाल श्रीवास्तव को सौंपी गई है। आदित्य प्रताप सिंह को मंत्री और केशव राम कोषाध्यक्ष बनाए गए हैं। रघुवंश प्रताप सिंह को उप मंत्री तथा ओमप्रकाश मिश्रा को संगठन मंत्री पद की जिम्मेदारी दी गई। ऑडिटर के पद पर तारकेश्वर नाथ शुक्ला का चयन किया गया। ऑडिटर द्वितीय वर्तिका श्रीवास्तव का चयन किया गया है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि शेष तीन पदों पर नियुक्ति जिला अध्यक्ष एवं मंत्री द्वारा मनोनयन के माध्यम से की जाएगी।चुनाव के सफल आयोजन पर सभी सदस्यों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। सभी ने संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

बरसात ना होने से बच्चों ने खेला पारम्परिक खेल कलौटी

सादुल्लानगर/बलरामपुर। क्षेत्र में लंबे समय से मानसून की बेरुखी से जहां किसान परेशान हैं, वहीं बच्चों ने इस खाली समय को रचनात्मक दिशा देते हुए पारंपरिक खेलों की ओर रुख कर लिया है। रविवार को ग्राम भिरवा में बच्चों की टोली ने मिट्टी के मैदान में पारंपरिक खेल 'कलौटी' खेला, जिससे गांव में चहल-पहल और उत्साह का माहौल बन गया। गांव के स्कूल में छुट्टी होने के कारण स्थानीय मन्दिर में बच्चों ने कलौटी खेलते हुए न सिर्फ मनोरंजन किया, बल्कि अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी पुनर्जीवित किया। बच्चों ने बताया कि बारिश न होने से खेत सूखे हैं और मिट्टी सख्त है, जिससे यह खेल खेलने में बेहतर सुविधा मिली।गांव के वरिष्ठ नागरिक विनोद, प्रदीप, अजय, हिमांशु, विजय और कमलेश ने बच्चों की इस पहल की सराहना की। उनका कहना है कि आज के डिजिटल युग में जहां बच्चे मोबाइल और टीवी में उलझे रहते हैं, ऐसे समय में पारंपरिक खेलों की ओर लौटना एक सुखद संकेत है। यह न सिर्फ मनोरंजन का साधन है, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विरासत को बचाने का भी तरीका है। बच्चों की इस ऊर्जा और सकारात्मकता ने पूरे गांव को एकजुट कर दिया। सभी ने मिलकर इंद्रदेव से अच्छी वर्षा की कामना की ताकि खेतों में हरियाली लौटे और किसानों के चेहरे भी मुस्कान से खिल उठें।

नथुनिया मोड़ बाजार में 2 लाख के जेवरात और नगदी पर चोरों ने किया हाथ साफ

रेहराबाजार/बलरामपुर। थाना रेहराबाजार क्षेत्र के बसावन बनकट स्थित नथुनिया मोड़ बाजार में बीती रात अज्ञात चोरों ने एक घर को निशाना बनाते हुए बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना की जानकारी सुबह होने पर पीड़ित संतोष कुमार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश सिंह पुलिस बल एवं फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य संकलित किए। पीड़ित संतोष कुमार के अनुसार, चोरों ने रात के अंधेरे में घर के पीछे का दरवाजा तोड़कर भीतर प्रवेश किया और अलमारी में रखी नकदी के साथ-साथ 5 चांदी की पायल, नथुनी, 12 चांदी के सिक्के, माला, झाला सहित करीब 2 लाख रुपये के जेवरात चुरा लिए। साथ ही कुछ कीमती कपड़े भी लेकर फरार हो गए। थाना प्रभारी दुर्गेश सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस व फोरेंसिक टीम द्वारा मौके पर जांच की गई है। अज्ञात चोरों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और चोरों की तलाश के लिए टीम गठित कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

सावन मास में धूम धाम से मनाया हरियाली तीज उत्सव

गोंडा। रविवार को रानी बाजार स्थित जगदीश भवन पर मारवाड़ी महिलाओं ने सावन माह के अवसर पर हरियाली तीज का त्योहार धूमधाम से मनाया।तीज त्यौहार पर महिलाओं ने अपने अपने हाथों में मेहंदी रचाकर मनाया। मेंहदी के अलावा गेम्स खेलकर एक दुसरे को सिंढारा भी किया। जिसमें घेवर का बायना निकाल कर एक दुसरे को खिलाकर हरियाली तीज का त्योहार मनाया। कार्यक्रम के दौरान सीमा अग्रवाल, वृंदा अग्रवाल,मंजू अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल ,सरिता नेवेटिया ,मीनू पचेरिया ,रेनू अग्रवाल ,अनामिका बंसल, अंजलि बंसल,कविता बंसल आदि मौजूद रहे।

आरओ एआरओ परीक्षा में 9216 के सापेक्ष शामिल हुए 4375 परीक्षार्थी

जिले के 23 केन्द्रों का डीएम व एसपी ने किया निरीक्षण

विश्ववार्ता संवाददाता

बहराइच। जनपद के 22 शिक्षण संस्थाओं में स्थापित किये गये 23 परीक्षा केन्द्रों पर उ.प्र. लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी के पदों पर भर्ती के लिए आज रविवार को एक पाली में पूर्वान्ह 09:30 बजे से अपरान्ह 12:30 बजे तक परीक्षा आयोजित हुई। जिसमें 9216 परिसर्थियों को शामिल होना था लेकिन इसके सापेक्ष 4375 अभ्यर्थी ही शामिल हुए। दूसरे जिलों से आया भारतीयों को आगमन में भी कठिनाइयां उठानी पड़ी।

समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी लिखित परीक्षा को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी तथा सुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मोनिका रानी सहित जिले के अन्य प्रशासनिक अधिकारी भ्रमणशील रहे। जिलाधिकारी मोनिका रानी ने परीक्षा केंद्र चौधरी सियाराम इंटर कालेज फखरपुर, स्व. ठाकुर हुकुम सिंह इंटर कालेज कैसरगंज तथा पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय कीर्तनपुर का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। इससे पूर्व जिलाधिकारी ने प्रातःकाल में कोषागार पहुंच कर प्रश्नपत्रों को परीक्षा केन्द्र भेजने की प्रक्रिया का जायज़ा लिया तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उल्लेखनीय है कि 22 शिक्षण संस्थाओं में स्थापित किये गये 23 परीक्षा केन्द्रों पर 9216 परीक्षार्थियों के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा में 4375 परीक्षार्थी उपस्थित रहे जो कि कुल अभ्यर्थियों की संख्या का 47.47 प्रतिशत है। इस प्रकार परीक्षा से अनुपस्थित रहे अभ्यर्थियों की संख्या 4841 है।

ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक सवार को मारी टक्कर एक की मौत

बहराइच। तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। जिसमें एक की मौत हो गई। घटना हरदी थाना क्षेत्र के सोतिया भट्ठा के पास नहर पुल की है। थाना रामगांव अंतर्गत भकला गोपालपुर के मजरा महरी गांव निवासी जिलई 26 वर्ष व विनोद उर्फ महंत रिश्तेदारों को निमंत्रण पत्र बांटने रविवार को सुबह निकले थे। जुलाई को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी इसके उपलक्ष्य में उसने प्रीत भोज का आयोजन किया था। दोनों बाइक निमंत्रण बांटने बाइक से जा रहे थे कि हरदी थाना क्षेत्र के सीटिया ईंट भट्ठा के पास सामने से आ रहे ट्रैक्टर ट्राली ने बाइक में टक्कर मार दी। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएससी महसी में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सक ने जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान जिलई की मौत हो गई।

आरओ/ एआरओ की प्रारंभिक परीक्षा सकुशल संपन्न

विश्ववार्ता संवाददाता

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस परीक्षा 2024 की प्रारंभिक परीक्षा को जनपद में सकुशल, सुचितापूर्ण, पारदर्शी व नकल विहीन सम्पन्न/संचालित कराये जाने हेतु डीएम श्री पवन अग्रवाल व एसपी श्री विकास कुमार द्वारा जनपद के समस्त परीक्षा केन्द्रों एमएलके पीजी कॉलेज, एमपीपी इंटर कालेज आदि समस्त परीक्षा केन्द्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कन्ट्रोल रूम का जायजा लिया गया।

» डीएम व एसपी ने समस्त परीक्षा केन्द्रों का किया भ्रमण

परीक्षा केन्द्रों में लगे कैमरों, सुरक्षा उपकरण आदि का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर ड्यूटी में तैनात अधिकारी/कर्मचारीगण को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन का पूर्णतः अनुपालन करनें के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

एग्जाम के दौरान परीक्षा कक्ष और कैम्पस में किसी भी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का इस्तेमाल न होने के कड़े इंतजाम किए गए। सभी परीक्षा केन्द्रों की सीसीटीवी कैमरों से गहन निगरानी की व्यवस्था रहीं।

प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य ने प्रसव पीड़िता के साथ दुर्व्यवहार मामले में गठित की तीन सदस्यीय जांच कमेटी

विश्ववार्ता संवाददाता

बहराइच। महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज बहराइच के चिकित्सक और मेडिकल स्टाफ ने कुछ दिन पहले प्रसव पीड़ित महिला के साथ दुर्व्यवहार किया था। समय से उसका इलाज भी नहीं किया गया। परिजनों ने विधायक पयागपुर से मिलकर मदद मांगी थी। जिस पर विधायक ने चिकित्सक और प्राचार्य महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज को भी फोन कर तत्काल चिकित्सा सुविधा प्रदान कराने की बात कही थी। इसके बावजूद कोई ध्यान नहीं दिया गया था। परिजनों ने प्रसव पीड़ित महिला को प्राइवेट नर्सिंग होम में भर्ती कराया था। जहां महिला का प्रस्ताव कराया गया। इस मामले की लिखित शिकायत विधायक ने प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य से की थी। प्रमुख सचिव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। समिति से 15 दिन के भीतर जांच रिपोर्ट मांगी है।

» विधायक पयागपुर और नानपारा ने की थी शिकायत

मामला विधानसभा क्षेत्र के विशेश्वरगंज थाना क्षेत्र के अमराई गांव निवासी बसंत कुमारी पत्नी उमेश पाल से संबंधित है। उमेश पाल के मुताबिक गत 12 जुलाई को उनकी पत्नी को प्रसव पीड़ा हुई। जिस पर मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। काफी देर तक कोई चिकित्सक और मेडिकल स्टाफ प्रसव पीड़िता का इलाज करने नहीं पहुंचा। उमेश पाल लगातार चिकित्सक और मेडिकल स्टाफ के पास दौड़ते रहे। फिर भी कोई सुनाई नहीं हुई। जिस पर उमेश पाल ने विधायक सुभाष त्रिपाठी से मिलकर मदद मांगी। विधायक पयागपुर ने चिकित्सक, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को फोन कर तत्काल प्रसव पीड़ित महिला का इलाज कराने की सिफारिश की थी। फिर भी कोई ध्यान नहीं दिया गया। इसके बाद उमेश पाल ने अपनी पत्नी को प्राइवेट नर्सिंग होम में भर्ती कराया। जहां पर रात 10:30 बजे महिला का प्रसव कराया गया। इस मामले में विधायक ने नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य, परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा उत्तर प्रदेश शासन को पत्र लिख कर शिकायत की थी। यह भी कहा था कि मेडिकल कॉलेज में कुछ ठीक नहीं चल रहा है। रोगियों के साथ चिकित्सक और मेडिकल स्टाफ अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं। उनके पत्र के समर्थन में विधायक राम नानपारा रामनिवास वर्मा ने भी हस्ताक्षर किए थे।

प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य पार्थ सारथी सेन शर्मा ने विधायक द्वय के शिकायती पत्र को गंभीरता से लेते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। जांच समिति की अध्यक्ष महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा किंजल सिंह, विशेष सचिव चिकित्सा शिक्षा कृतिका शर्मा को सदस्य/ संयोजक तथा नीतू सिंह प्रोफेसर राम मनोहर लोहिया मेडिकल कॉलेज को सदस्य नामित किया है। जांच कमेटी अपनी रिपोर्ट 15 दिन के भीतर शासन को सौंपेगी।

आयुक्त ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण अभ्यर्थियों से पूछा कैसी थी व्यवस्था

गोण्डा। जनपद में रविवार को सम्पन्न हुई समीक्षा अधिकारी (आरओ) एवं सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा के दौरान मण्डलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान उन्होंने परीक्षा कक्ष में जाकर नकलविहीन परीक्षा कराये जाने को लेकर की गई व्यवस्था को देखा। उन्होंने विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर जाकर वहां की गई सुरक्षा व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। परीक्षा के दौरान उन्होंने शहीदे ए आजम भगत सिंह इंटर कॉलेज, लाल बहादुर शास्त्री डिग्री कॉलेज व राजकीय बालिका इंटर कॉलेज का औचक निरीक्षण किया जहां उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर बने सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। आयुक्त ने परीक्षा को लेकर गोंडा जिला प्रशासन द्वारा की गई सभी तैयारियों की प्रशंसा की उन्होंने कहा कि परीक्षा को सकुशल संपन्न हुई है। सरकार द्वारा दिए गए सभी दिशा निर्देशों का जिला प्रशासन द्वारा निर्वहन किया गया है। परीक्षा संपन्न होने के बाद उन्होंने परीक्षा देकर बाहर निकल रहे कई अभ्यर्थियों से वार्ता कर परीक्षा केदो पर प्रदान की गई सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।

नानपारा में मानक विहीन नर्सिंग होम और क्लीनिकों की भरमार, स्वास्थ्य विभाग मौन

नानपारा, बहराइच। तहसील नानपारा के नगर क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी मानक विहीन नर्सिंग होम और क्लीनिक के साथ एक्सरे सेंटर तथा पैथोलॉजी सेंटर बिना किसी मानक व पंजीकरण खुलेआम संचालित हो रहे हैं। यह संस्थान बिना किसी लाइसेंस और योग्य स्टाफ के लोगों का इलाज कर रहे हैं। जिससे मरीजों की जान को खतरा बना हुआ है। हैरानी की बात यह है कि इन अवैध संस्थानों में यूनानी चिकित्सा पद्धति से प्रशिक्षित डॉक्टर एलोपैथिक दवाएं लिख रहे हैं और बेच रहे हैं, जो न केवल मेडिकल काउंसिल के नियमों का उल्लंघन है बल्कि पूरी तरह गैरकानूनी भी है। नगर के तोपखाना मोहल्ले में दो ऐसे पॉलीक्लीनिक संचालित हैं। इनका न तो पंजीकरण है, न ही प्रशिक्षित स्टाफ है। फिर भी एलोपैथिक पद्धति से इलाज किया जा रहा है।

कारगिल विजय दिवस पर 59वीं वाहिनी एसएसबी ने साइकिल रैली का किया आयोजन

विश्ववार्ता संवाददाता

बहराइच। 59वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल नानपारा द्वारा कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में 'खेलो इंडिया' एवं 'फिट इंडिया मूवमेंट' के अंतर्गत एक साइकिल रैली का भव्य आयोजन किया गया।

इस प्रेरणादायक रैली पर वाहिनी के कमांडेंट कैलाश चंद रमोला के नेतृत्व में ए लिंगय्या द्वितीय कमान अधिकारी चिकित्सा, उप कमांडेंट अभिनव कश्यप, अमित कुमार , हिमांशु दुबे सहित सभी अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी एवं सभी कार्मिकों ने पूरे उत्साह और राष्ट्रभक्ति के भाव से भाग लिया।

साइकिल रैली के दौरान जवानों ने हाथों में तिरंगा लेकर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा जय हिंद, भारत माता की जय जैसे नारों से वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इस रैली का उद्देश्य कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों के बलिदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन करना तथा 'फिट इंडिया' अभियान के तहत फिटनेस और स्वास्थ्य के प्रति आमजन को जागरूक करना था। कमांडेंट कैलाश चंद रमोला ने इस अवसर पर जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि कारगिल युद्ध हमारे सैनिकों के अद्वितीय साहस, पराक्रम और राष्ट्र के प्रति समर्पण का प्रतीक है। हमें उनके आदर्शों को अपनाते हुए राष्ट्रसेवा के पथ पर सदैव अग्रसर रहना चाहिए। साइकिल रैली ने क्षेत्र में जोश, ऊर्जा और राष्ट्रभक्ति का संदेश प्रसारित किया और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा भी दी गई।

पांच दिवसीय कृषि सखी सीआरपी का केवीके पर हुआ प्रशिक्षण

विश्ववार्ता संवाददाता

बहराइच। उप निदेशक कृषि विनय कुमार वर्मा ने बताया कि शासन एवं जिलाधिकारी महोदया के निर्देश के क्रम में जिले में गठित कराए गये 120 प्राकृतिक खेती क्लस्टरों में किसानों तक प्राकृतिक खेती के तरीके पहुंचाने हेतु कृषि विज्ञान केन्द्र बहराइच एवं कृषि विज्ञान केन्द्र नानपारा पर 05 दिवसीय कृषि सखियों सीआरपी का प्रशिक्षण का समापन उप निदेशक कृषि विनय कुमार वर्मा ने किया।

» कृषि सखिया सीआरपी क्लस्टर में चयनित किसानों को सिखायेंगी प्राकृतिक खेती करने के तरीके, किसानों की बढ़ेगी आय

इस अवसर पर उनके द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कृषि सखियों सीआरपी को बताया गया कि प्राकृतिक खेती करने से मृदा में जीवांश कार्बन लगातार बढ़ता है। जिससे मृदा सुदृढ़ तथा उपजाऊ होती है जो खेती हेतु बहुत उपयोगी है। श्री वर्मा ने बताया कि प्राकृतिक खेती करने के 07 सूत्र बताये गये है। जिसमें न्यूनतम जुताई, आच्छादन, सूक्ष्म सिंचाई, फसल सुरक्षा, सहफसली खेती सायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का प्रयोग न कर प्राकृतिक खेती की जाये। उपसंभागीय कृषि प्रसार अधिकारी कैसरगंज शिशिर कुमार वर्मा ने कृषि सखियों की भूमिका, प्रशिक्षण प्रदर्शन योजना के क्रियान्वयन में सहयोग आदि विषयों पर जानकारी दी।

इसी कड़ी में चयनित क्लस्टरों में कृषकों को प्रशिक्षित करने, उन्हें प्राकृतिक खेती से जागरुक करने तथा रसायन मुक्त खेती सुनिश्चित करने के दृष्टिगत ही जनपद में चयनित 120 प्राकृतिक खेती क्लस्टर की 240 कृषि सखियों सीआरपी को कृषि विज्ञान केन्द्र बहराइच के वरिष्ठ वैज्ञानिक अध्यक्ष डॉ सीपीएन गौतम डॉ नन्दन सिंह,डॉ अरुण कुमार राजभर, डॉ शैलेन्द्र सिंह, डॉ शैलजा एवं डॉक्टर प्रियंका सिंह ने प्रशिक्षित किया। इसी प्रकार कृषि विज्ञान केन्द्र नानपारा के वरिष्ठ वैज्ञानिक/अध्यक्ष डा० संदीप कनौजिया, डॉ पीके सिंह, डॉ सुनील कुमार ,डॉ उमेश कुमार ,डॉ संदीप गौतम द्वारा चयनित कृषि सखी एवं सीधारथी को एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। उप निदेशक कृषि ने बताया कि कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक साथ नन्दन सिंह फार्मर मास्टर ट्रेनर के रूप में मुन्ना लाल चमई सुरेन्द्र गिरि एवं वी निरंजन लाल वर्मा जिनके द्वारा केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय झांसी में नेयुस्ल फार्मिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर आये है। उनके द्वारा भी उपस्थित कृषि सखियों सीआरपी को नेचुरल फार्मिंग की जानकारी दी तथा प्रक्षेत्र भ्रमण कराकर देशी गाय के गोबर व गौमूत्र से बीजामृत जीवामृत घनजीवामृत नीमास्त्र आदि बनाकर कृषि सखियों सीआरपी को प्रशिक्षित किया। उप निदेशक कृषि विनय कुमार वर्मा ने बताया कि यही कृषि सखियां सीआरपी जिले में गठित प्राकृतिक खेती क्लस्टरों में प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों की बैठक आयोजित कराकर उन्हें रसायन मुक्त प्राकृतिक खेती करने की विधा सिखा रहे है जिसमें प्रकृति में आसानी से उपलब्ध होने वाले प्राकृतिक तत्वों तथा जीवाणुओं तथा गौमूत्र तथा गाय के गोबर से जीवामृत, घनजीवामृत, बीजामृत, हरी खाद का प्रयोग कर, बीजोत्पादन किया जाता है। इससे तैयार खाद्यान्न स्वास्थ्य के लिये अति लाभकारी होता है।

24 घंटे में बरेली से सकुशल बरामद की गईं चारों नाबालिग लड़कियां

विश्ववार्ता संवाददाता

उतरौला (बलरामपुर)। थाना गैड़ास बुजुर्ग क्षेत्र के फकीरापुर गांव से स्कूल जाने के लिए निकली चार नाबालिग लड़कियों को बलरामपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर बरेली से सकुशल बरामद कर लिया। इस सफलता को पुलिस ने सीसीटीवी और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से अंजाम दिया।

» सीसीटीवी और सर्विलांस से मिला सुराग

घटना का खुलासा तब हुआ जब फकीरापुर निवासी बृजलाल गौतम ने 25 जुलाई को थाना गैड़ास बुजुर्ग में तहरीर देकर बताया कि उसकी 17 वर्षीय पुत्री कुशमा देवी अपनी तीन सहेलियों-अंजनी (16), मीना (16) और सोहानी यादव (17) के साथ 24 जुलाई की सुबह 8 बजे स्कूल जाने की बात कहकर निकली थी, पा शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजनों ने काफी खोजबीन की, पर कोई सुराग न मिलने पर पुलिस को सूचित किया गया।

थानाध्यक्ष राजीव कुमार मिश्र के नेतृत्व में तुरंत मुकदमा पंजीकृत कर एक विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान ग्राम पिरैला माफी, चमरूपुर व महदेईया बाज़ार के सीसीटीवी कैमरों से फुटेज खंगाले गए, जहां बच्चियों को एक ऑटो में जाते हुए देखा गया। ऑटो चालक की पहचान प्रमोद कुमार के रूप में हुई जिसने बताया कि उसने लड़कियों को गोण्डा रेलवे स्टेशन पर छोड़ा था। इसके बाद टीम के; गोण्डा स्टेशन पर सीसीटीवी और टिकट काउंटर से जानकारी पता चली कि चारों लड़कियां सुशासन एक्सप्रेस से बरेली रवाना हुई थीं। तुरंत पुलिस टीम को बरेली भेजा गया, जहां सर्विलांस के आधार पर चारों लड़कियों को सकुशल बरामद कर लिया गया।

आगाज सड़कों पर उतर कर सपाइयों ने किया 27 की सत्ता संग्राम का आगाज

मानस्तंभ स्थापना दिवस कार्यक्रम के बहाने सपाइयों ने दिखाई ताकत

विश्ववार्ता संवाददाता

गोण्डा। संविधान मान स्तंभ स्थापना दिवस कार्यक्रम में सपाईयों की सड़कों पर उतरी भीड़ ने 27 के सत्ता संग्राम का आगाज कर दिया है

भीड़ शनिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल के निर्देशन में रॉयल पैराडाइज मुन्नन खा चौराहा पर समाजवादी पार्टी गोंडा के जिला अध्यक्ष अरशद हुसैन की अध्यक्षता में 'संविधान मानस्तंभ स्थापना दिवस' आरक्षण दिवस का विशाल आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राम आश्रय विश्वकर्मा पूर्व कैबिनेट मंत्री, राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी भी मौजूद रहे कार्यक्रम का संबोधन करते हुएसपा जिलाध्यक्ष अरशद हुसैन ने कहा कि आज का दिन हम सबके लिए बड़े ही हर्ष का दिन है हम लोग इतनी ज्यादा तादात में इक्कठा हुए है आरक्षण दिवस के रूप में हम लोग इस कार्यक्रम को मना रहे है जिलाध्यक्ष ने कहा कि आज का समय हम लोगों को आरक्षण बचाने का समय है सत्ता के नशे में बैठी ये बीजेपी सरकार संविधान को खत्म करने की बात करती है इसको हम लोग बिल्कुल नहीं होने देंगे अपने सभी पीडीए भाई को मजबूत करेंगे और 2027 में चालबाज धूर्त सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकेंगे।

मुख्य अतिथि राम आसरे विश्वकर्मा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि बड़ौदा नरेश छत्रपति साहू जी आज ही के दिन 26 जुलाई को अपने राज्य में पिछड़ों को आरक्षण देने का आदेश दिया था और अपने राज्य में पिछड़ों को 50 प्रतिशत आरक्षण देकर अपने आदेश का अनुपालन कराया था समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस दिन को संविधान मानस्तंभ स्थापना दिवस का रूप दिया। कार्यक्रम का संबोधन करते हुए पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह ने कहा कि अगर 2027 में दोबारा अखिलेश यादव जी को मुख्यमंत्री बनाना है तो हम लोगों को अभी से एकजुट होकर मेहनत करनी है और पीडीए को आगे ले के जाना है।

वाहन के काफिले से शहर में लगा जाम : समाजवादी पार्टी के सदर विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी सूरज सिंह नगर अध्यक्ष मतीन सिद्दीकी सपा नेता जावेद अली के नेतृत्व में मोटरसाइकिल रैली निकाली गई आवास विकास से निकाली गई रैली मे हजारों की संख्या में दो पहिया वाहन शामिल थे इस रैली की वजह से शहर में कई किलोमीटर लंबा जाम लग रहा

एक नजर

पत्नी के सिपाही से अवैध संबंध से परेशान पति ने लगाई फांसी

हरदोई। टड़ियावां थाना क्षेत्र हरिहरपुर गांव में एक 30 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली। मृतक की जेब से एक सुसाइड नोट भी मिला है। मृतक रंजीत कुमार यादव ने थाना क्षेत्र की चौकी हरहरपुर में तैनात सिपाही पर अपनी पत्नी से अवैध संबंधों की बात सामने आई हैं।मृतक का शव हरिहरपुर पुलिस चौकी के पास एक पेड़ से लटकता मिला है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पत्नी के हरिहरपुर चौकी में तैनात सिपाही शेष कुमार से अवैध संबंध थे।रंजीत को जब यह बात पता चली,तो उसने अपनी पत्नी को समझने की भी कोशिश की, लेकिन पत्नी ने कोई जवाब नहीं दिया। घटना से पहले उसने यह बात रिकॉर्डिंग में भी कही थी।रंजीत ने आत्महत्या से पहले अपने घर के पास की दीवार पर रंग से अपने हालात बयां किए।उसकी जेब से मिले सुसाइड नोट में उसने सिपाही शेष कुमार और अपनी पत्नी को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया।उसके पास से एक पत्र टड़ियावां थाना प्रभारी निरीक्षक को संबोधित करते हुए लिखा मिला।उसमे लिखा है कि उसकी भैंस चौकी से लगभग सौ मीटर दूर से चोरी हो गई थी।इसी की सूचना उसने पुलिस को दी थी।इसी मामले में मदद दिलाने के बहाने सिपाही शेष कुमार ने उसकी पत्नी से नजदीकियां बढ़ाई और शारीरिक संबंध बनाए।रंजीत ने अपनी पत्नी और शेष कुमार को आपत्तिजनक हालत में रंगे हाथों पकड़ा इसके बाद चौकी पर रंजीत ने शिकायत की।चौकी में सिपाही ने रंजीत को धक्का देकर भगा दिया।फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।पुलिस ने घटना के बाबत पत्नी से पूछा,तो वह गुस्से में बोली वही हुआ जो बोर्ड में लिखा है।।मेरी उससे बात होती थी उसने सिपाही के साथ अपने संबंध होने की बात भी स्वीकार की।वहीं पिता सुरेश और भाई दीपू ने भी सिपाही पर बहू से अवैध संबंध होने के आरोप लगाए। घटना के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक निपेंद्र कुमार ने बताया कि युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवक की जेब से मिले सुसाइड नोट और दीवार पर लिखे सुसाइड नोट की गहनता से जांच की जा रही है।चौकी पर तैनात एक सिपाही पर आरोप लग रहा हैं। सुसाइड नोट और अन्य तथ्यों के आधार पर पुलिस आगे की कार्यवाही करेगी।

दस दिन पूर्व हुई चौकीदार की हत्या में पुलिस के हाथ नहीं लगा कोई सुराग

शाहाबाद हरदोई। ईंट–सीमेंट के प्लांट पर काम करने वाले चौकीदार की हत्या के मामले में पुलिस हवा में ही तीर चला रही है।चौकीदार की हत्या प्लास पेंचकस और सीमेंट की ईटों से कुचल कर की गई। बताते चलें कि शनिवार को कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हुंसेपुर निवासी चौकीदार तेजा धानुक का शव मिलने के बाद विभाग के आला अधिकारी भी जांच पड़ताल कर चुके हैं।फिलहाल घटना के 10 दिन बाद भी पुलिस जांच की बात कह रही है।मृतक शुक्रवार की रात 10 बजे घर से खाना खाने के बाद सीमेंट ब्रिज प्लांट पर गया था।शनिवार की सुबह प्लांट से सौ मीटर दूर उनका शव पड़ा मिला था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस के उच्च अधिकारी नजर बनाए हुए हैं। तथा पुलिस हत्या के सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। घटना के संबंध मे कोतवाली पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। घटना के संबंध मे पुलिस को कुछ अहम सुराग हाथ लगे हैं।जल्द ही चौकीदार के हत्यारे पुलिस की गिरफ्त मे होंगे।

लव जिहाद और धर्म परिवर्तन करा मुस्लिम युवक कर रहे हिंदी लड़कियों का शारीरिक शोषण

हरदोई। जनपद की कोतवाली देहात और शाहाबाद में लव जिहाद के अलग मामले आने से पुलिस की कानून व्यवस्था की कलई खुल गई है।कोतवाली देहात के एक गांव में मुस्लिम युवक इजराबिल ने सोशल मीडिया पर कुणाल नाम से फर्जी प्रोफाइल बनाकर एक हिंदू युवती को अपने जाल में फंसाया,और दोस्ती धीरे–धीरे युवती से नजदीकी बढ़ा ली। ग्रामीणों के अनुसार इजराबील लंबे समय से हिंदू नाम का इस्तेमाल कर युवती से बातचीत कर रहा था। वह खुद को उसी समाज का बताता था।शुक्रवार देर रात वह चोरी छुपे युवती के घर में घुस गया। वहां परिजनों ने उसे रंग हाथ पकड़ लिया। शक होने पर जब परिजनों ने पूछताछ की तो उसकी असली पहचान सामने आ गई। परिजनों ने युवक को पुलिस को सौंप दिया।जिसकी पुष्टि करते हुए पुलिस ने बताया कि युवक ने फर्जी पहचान के तहत युवती से संपर्क रखा था।वहीं दूसरी घटना कोतवाली शाहाबाद में हुई।जहां गैर जनपद का युवक रेडिमेड कपड़े की दुकान से युवतियों को सस्ते दामों पर कपड़े बेच कर उनसे संपर्क करता था और दोस्ती कर उनसे शारीरिक संबंध बनाने के लिय प्रेरित करता था। कस्बे के एक मोहल्ले की युवती को मुस्लिम समाज का युवक भगा ले गया।कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी साकिब कुरैशी को युवती सहित पुलिस ने गिरफ्तार किया है।उक्त मामले मे 3 लोगों के खिलाफ एफ आई आर दर्ज की गई है।पुलिस युवती का बयान कराने की बात कह रही है।

गुरुदेव नगर आश्रम में मनाया जाएगा झूलोउत्सव

राजगढ़ (मीरजापुर)। मड़िहान थाना क्षेत्र के गुरुदेव नगर आश्रम में 29 तारीख को नाग पंचमी के उपलक्ष्य मे झूलोउत्सव का कार्यक्रम किया गया है। हर वर्ष की भाति इस वर्ष भी मठ गढ़वा घाट के महाराज स्वामी सरणानंद महाराज गुरुदेव नगर आश्रम में झूला झूलेगे। स्वामी जी का दर्शन के लिए सुबह से ही भक्तों का ताता लगा रहता है दिनभर स्वामी जी का भक्त दर्शन पूजन भी करते हैं। स्वामी शाम को झूला भी झूलते हैं। झूला देखने के लिए बहुत दूर–दूर से भक्त आते हैं मुंबई, दिल्ली, नेपाल, कोलकाता, बनारस तथा ग्रामीण क्षेत्र से भी भक्त झूला देखने के लिए गुरुदेव नगर आश्रम में आते हैं आश्रम में दिनभर भक्तों का भीड़ लगा रहता है भक्तों के लिए भंडारा भी चलता है और रात में भक्त झूला भी देखते हैं अनुयाईयो के द्वारा आरती भी किया जाता है।झूलोउत्सव का कार्यक्रम बहुत पहले से चला आ रहा है।यह सूचना गुरुदेव नगर आश्रम के मलिकार बाबा रहबर दर्शनानंद, ब्रह्म विद्या प्रकाशानंद, विशाल सेवानंद ने दिया।

जिला वितरक एसोसिएशन की कार्यकारिणी भंग

फतेहपुर। जिला वितरक एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि कार्यकाल पूर्ण होने की दशा में सर्वसम्मति से कार्यकारिणी भंग कर दी गई है। जल्द ही चुनाव कराया जाएगा। निष्पक्ष चुनाव के लिए पांच सदस्यीय कमेटी भी गठित कर दी गई है। एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप गर्ग व महामंत्री अनिल सिंह गौतम ने संयुक्त रूप से बताया कि एसोसिएशन के अध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष का कार्यकाल पूर्ण हो गया है। जिसमें संरक्षक मंडल की अनुमति व आम सहमति से कार्यकारिणी भंग कर दी गई है। संगठन मजबूती व वितरकों का शासन–प्रशासन में सुगमता से कार्य हो सके और वितरकों का कम्पनी द्वारा किए जा रहे निरंतर शोषण के खिलाफ करारा जवाब देने के लिए ऊर्जावान कमेटी का चयन किया जाएगा। विधिवत चुनाव कराए जाने के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। ताकि चुनाव सकुशल सम्पन्न कराया जा सके। इस मौके पर संरक्षक मंडल के सदस्यों में हरिओम रस्तोगी, घनश्याम दास गुप्ता, दिनेश साहू, राधेश्याम गुप्ता, गोपाल पुरवार, संजीव अग्रवाल, विजय साहू, राजीव कुमार मौजूद रहे।

सामूहिक बलात्कार समाज के मुंह पर तमाचा : जागृति

फतेहपुर। पूर्व सैनिक उत्थान समिति महिला संगठन की बैठक दक्षिणी गौतम नगर में रंजना कक्कड़ की अध्यक्षता में संपन्न हुई। महिला अध्यक्ष जागृति तिवारी ने कहा कि बिंदकी में एक किशोरी के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सभ्य समाज के मुंह पर जोरदार तमाचा है। महिला संगठन उसको न्याय दिलाने में पूरी मदद करेगा। नि:शुल्क कानूनी मदद दिलाएगा, जो खर्चा आएगा वह महिला संगठन वहन करेगा। मुलजिमानों को गिरफ्तार करने में क्षेत्राधिकारी बिंदकी प्रगति यादव ने जो सराहनीय कार्य किया है उसके लिए उनको महिला संगठन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। महिला थाना प्रभारी संगीता यादव ने सभी महिलाओं को जागरुक करते हुए साइबर फ्रॉड होने पर पर 1930 पर सूचना देने के तरीके के साथ 1090 पर महिला अपराध की सूचना देने के तरीके पर जोर दिया। सब इंस्पेक्टर दीपाली कुशवाहा व आशा पांडे ने महिलाओं के अधिकार हेतु उनको जागृत किया। इसके पश्चात सभी महिलाओं ने नारी शक्ति जिंदाबाद के नारे लगाए। इस अवसर पर सुनीता देवी, माया देवी, सरोज शर्मा, प्रतिभा सिंह, रानी गुप्ता, संगम देवी, शिवदेवी, सुमन मौर्य, सरला सिंह, राम पाल, सुमन सिंह आदि उपस्थित रहीं।

साहू समाज के मेधावियों का सम्मान 12 सितंबर को होगा

फतेहपुर। भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन रविवार को किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 12 सितंबर को समाज के मेधावी छात्र–छात्राओं एवं नवनियुक्त कर्मचारियों के सम्मान हेतु एक भव्य समारोह का आयोजन राधा कृष्णा गेस्ट हाउस जमालपुर में किया जाएगा। कार्यक्रम में कक्षा 10 वीं या 12 वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों के साथ ही प्रतिभाशाली युवाओं को भी सम्मानित किया जाएगा। जिन्होंने पिछले वर्ष विभिन्न सरकारी संस्थानों में नौकरी प्राप्त की है।

डंफर से कुचलकर दो युवकों की दर्दनाक मौत

डंफर चालक पर रिपोर्ट दर्ज

विश्ववार्ता संवाददाता

हरदोई। नहर की पटरियों पर निकली सिल्ट को भरते समय डंफर से कुचल कर 2 युवकों की दर्दनाक मौत हो गई।इस संबंध मे कार्यदाई संस्था फर्म वालाजी कंस्ट्रक्शन के मालिक गंगाराम द्वारा थाना बेहटा गोकुल में पोक लैंड मशीन के चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शिकायत कर्ता गंगाराम ने थाने पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्हें लाट सं0 एक हरदोई रजवाहा पटरियों पर एकत्रित अतिरिक्त सिल्ट उठान/परिवहन का अनुज्ञप्ति पत्र 13 मार्च 2025 से 09 माह हेतु अनुमति प्राप्त हुई थी।26 जुलाई की रात समय 11.20 पर कोतवाली क्षेत्र के सलेमपुर गांव के पास पटरी पर खडी पोकलेन्ड मशीन के 2 कर्मी नहर पटरी पर चारपाई डाल कर सो रहे थे। उसी दौरान नहर पटरी पर खडा डंफर सूरज चला रहा था। उसके द्वारा डंफर पीछे मोड़ते समय पोकलेन्ड मशीन वहां पर चारपाई पर लेटे राजीव कुमार सिंह उम्र 33 वर्ष और अनिल 39 वर्ष निवासी उल्लामऊ थाना सांडी के ऊपर चढ गई। जिससे दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मृत्यु हो गई। घटना के बाद चालक डंफर लेकर मौके से फरार हो गया।

कार्यदाई संस्था के मालिक गंगाराम पुत्र सीताराम निवासी अवध पब्लिक वाली गली सर्कुलर रोड द्वारा डंफर चालक सूरज पुत्र अज्ञात निवासी अतवा असिगांव थाना बेहटा गोकुल के खिलाफ एफ आई आर दर्ज कराई गई है।इस संबंध मे बेहटा गोकुल थाना प्रभारी प्रेमपाल ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है तथा चालक और पोक लैंड मशीन को कब्जे में लेने की कोशिश की जा रही है।

ताइक्वांडो खिलाड़ियों का कलर बेल्ट प्रमोशन टेस्ट

फतेहपुर। ताइक्वांडो एसोसिएशन ऑफ फतेहपुर ने कलर बेल्ट प्रमोशन टेस्ट का आयोजन बचपन प्ले स्कूल कलक्टरगंज में अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा की संस्तुति पर किया। ताइक्वांडो प्रशिक्षण के उपरान्त छात्र छात्राओं की हौसला अफजाई हेतु शिक्षा की परीक्षा में उत्तीर्ण ताइक्वांडो खिलाड़ियों को बेल्ट प्रमोशन में अव्वल बेल्ट प्रदान की जाती हैं।

अध्यक्ष किशन मेहरोत्रा ने अभिभावकों का अभिवादन करते हुए कहा कि प्रशिक्षण उपरान्त शिक्षा की परीक्षा प्रशिक्षण को स्वीकार बनाती हैं। छात्र छात्राएं पूरी लगन मेहनत से मार्शल आर्ट की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। हम सब इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं। महासचिव राजकुमार ने कहा कि सभी प्रशिक्षक पूरी मेहनत से छात्र छात्राओं को निपुण बनाने हेतु वचनबद्ध हैं। सह सचिव भारत वर्मा व शिव कुमार सहित ताइक्वांडो खिलाड़ी में प्रथम कर्णिका सिंह साक्ष्य चौधरी ने अव्वल बेल्ट प्राप्त किया। त्रिशा यादव, श्रेयांस श्रीवास्तव, आदविका सिंह, स्वस्तिक श्रीवास्तव, पारस बाजपेई, लक्ष्य यादव, अनुज साहू, आर्यमान गुप्ता, विक्रांत सिंह, महक शुक्ला, तानस्वी, कृष्णा गुप्ता, एस राजपूत, वान्या गुप्ता, आरव अग्रहरि, सर्वज्ञ पाण्डेय, ओम सिंह, अंजली मिश्रा, दीत्या पाण्डेय, शाक्य चौधरी, आराध्या त्रिपाठी, आशू मौर्या, कर्णिका सिंह, प्रभावी अवस्थी आदि खिलाड़ियों के बेल्ट प्रमोशन हुए।

कोटारनाथ धाम में गूंजे 'बोल बम' 'हर हर महादेव' के जयकारे

हलिया (मीरजापुर)। श्रावण शुक्ल पक्ष तृतीया पर क्षेत्र के प्राचीन शिवधाम कोटारनाथ मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। अदवा नदी के मध्य टीले पर स्थित शिव मां पार्वती मंदिर में भोर से ही दूर-दराज़ के कांवड़ियों और श्रद्धालुओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई। वही पुजारी से भक्त रूद्राभिषेक के लिये समय निर्धारित करा कर विधिविधान से पूजन में जुटे रहे। सुबह से कोटार निवासी अधिवक्ता अनिल सिंह द्वारा मंदिर को फूल मालाओं से सजाने के बाद विधिविधान से पूजन के बाद परिवार के साथ रूद्राभिषेक के बाद भंडारे का आयोजन किया वही सिकटा गाँव के अशोक तिवारी द्वारा अखंड रामायण पारायण के बाद भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। शिवभक्तों ने बेलपत्र, दूध, गंगाजल और पुष्प अर्पित कर परिवार की सुख-शांति की कामना की। पूरे दिन मंदिर परिसर में हर हर महादेव' और 'बोल बम' के जयघोष से गूंजता रहा। कांवड़िए भगवा वस्त्रों में पवित्र गंगाजल लेकर यात्रा करते हुए मंदिर पहुंचने की पचासों की संख्या में पहुचने से अचानक भीड बढती जा रही है। मंदिर पुजारी जयराम गिरी ने बताया सावन माह में भगवान शिव की पूजा करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है। जलाभिषेक करने से भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते हैं।भोर से ही लगभग हजारों भक्तों ने जलाभिषेक किया है। वही तीन भक्तों ने सुबह से शाम तक निर्धारित समय में रूद्राभिषेक किया है। सुरक्षा व्यवस्था में उप निरीक्षक अच्छे लाल यादव मय पुलिस फ़ोर्स के साथ डियूटी पर तैनात रहे।

कांग्रेस सेवा दल का ध्वज वंदन कार्यक्रम

फतेहपुर। जिला कांग्रेस सेवा दल ने वार्ड नं 4 खंभापुर में ध्वज वंदन का कार्यक्रम कराया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पीएसी के सेवानिवृत्त सूबेदार हाजी अनीस उल्ला ने शिरकत कर झण्डारोहण किया। उपस्थित लोगों को संबोधित भी किया।

जिला कांग्रेस सेवा दल की बैठक सेवादल कार्यालय में हुई। जिसमें जनपद के समस्त ब्लाकों में वृक्षारोपण करने रूपरेखा तैयार की गई। सेवादल के जिलाध्यक्ष अनुराग नारायण उर्फ पुत्तन मिश्र ने कहा कि सेवादल एक अगस्त से एक पखवाड़ा यानी 15 दिनों तक लगातार शहर अध्यक्ष व ब्लाक अध्यक्षों माध्यम से उनके क्षेत्रों में वृक्षारोपण का कार्यक्रम चलाया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से लाल तिवारी, विष्णु पाण्डेय, बशीर अहमद, उदित अवस्थी, भरोसा प्रसाद अग्निहोत्री, डॉ सिद्धार्थ सिंह, अनुराग दुबे, सरताज हुसैन, रामप्रकाश बाजपेई, सुनील तिवारी, इस्माइल अहमद, अरुणकांत दीक्षित, गुड्डू मिश्र, नन्हू यादव, राजेंद्र शुक्ल, कासिम अली, वीरू शुक्ल, आदित्य द्विवेदी, चमेली देवी, उदय शुक्ल, देवानंद बाजपेई, जय नारायण शर्मा, ओम प्रकाश तिवारी, आशा देवी, ऊषा देवी आदि लोग उपस्थित रहे।

डीएम–एसपी ने किया परीक्षा केंद्रों का भ्रमण

आरओ–एआरओ परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न, मोबाइल व अन्य सामान क्लॉक रूम में रखवाये गए

विश्ववार्ता संवाददाता

हरदोई। आरओ/एआरओ (प्रारंभिक) परीक्षा जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण व शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने व्यवस्थाओं की निर्बाधता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया। दोनों अधिकारी प्रातः काल सबसे पहले सीएसएन पीजी कॉलेज पहुंचे। वहाँ उन्होंने कंट्रोल रूम की व्यवस्थाओं को देखा व सीसीटीवी कैमरे की सक्रियता को परखा। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापक को निर्देश दिए कि परीक्षा कक्ष में प्रवेश से पूर्व परीक्षार्थी के पास उपलब्ध मोबाइल व अन्य सामान क्लॉक

रूम में रखवाने की व्यवस्था की जाए। गाड़ियों की पार्किंग नियत स्थान पर ही कराई जाए। सीएसएन पीजी कॉलेज के बाद जिलाधिकारी अनुनय झा व पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन बघौली स्थित आर्चीशा पब्लिक स्कूल पहुंचे। यहाँ पर उन्होंने परीक्षा में परीक्षार्थियों की जाँच प्रक्रिया को देखा। उन्होंने ड्यूटी पर तैनात कर्मियों से संवाद किया। परीक्षा ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा को नकल विहीन व शुचितापूर्ण संपन्न करने के लिए लोक सेवा आयोग के निर्देशों का पूरी तरह से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। इसके उपरांत दोनों अधिकारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज हरदोई पहुँचे तथा यहाँ की व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने कंट्रोल रूम में परीक्षा कक्षों की व्यवस्थाओं को देखा। केंद्र के जिम्मेदार अधिकारियों को उन्होंने निर्देश दिये कि परीक्षा के दौरान किसी प्रकार की लापरवाही ना की जाए। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मोहर्रम के बीसवें पर अकीदत के बीच उठे ताजिए

फतेहपुर। इमाम हुसैन व उनके 72 साथियों की शहादत की याद में मनाए जाने वाले मोहर्रम पर्व के बीसवें पर शहर के पीरनपुर व अरबपुर मुहल्ले में ताजिए अकीदत के साथ उठाए गए। विभिन्न मार्गों पर भ्रमण करने के पश्चात सुबह मियां साहब की तकिया के समीप मिलाप हुआ।

जुलूस के दौरान ताजिया व अलम इंतेजामिया कमेटी के अध्यक्ष व महामंत्री समेत सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। शनिवार की रात दस बजे पीरनपुर व अरबपुर मोहल्लों के मेराज अहमद, जीशान खान, मोहम्मद जुनैद, मोहम्मद अरमान, मोहम्मद अहमद, समीर खान का ताजिया अलम अखाड़े के साथ उठा। जो अपने कदीमी रास्तों से होता हुआ पीरनपुर व मासूक पहलवान की पुलिया, अरबपुर में रात भर घूमा। इन सभी ताजियों का मिलाप रविवार की सुबह दस बजे मियां साहब की तकिया के पास हुआ। इसके बाद सभी ताजिए अपने इमाम चौक के लिए रवाना हुए। जुलूस में भारी भीड़ रही।

वही जगह-जगह शर्बत, बिस्कुट आदि का लंगर होता रहा। ताजिया व अलम इंतेजामिया कमेटी के अध्यक्ष चौधरी मोईन राईन, जनरल सेक्रेटरी वारिसउद्दीन, उपाध्यक्ष अब्दुल सलाम उर्फ बउवा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष समी खाँ, मीडिया प्रभारी कफील अहमद, इंतेजामकर फरीद खाँ, संदेशवाहक रियाज अहमद, वरिष्ठ सदस्य लल्लू राईन, जुल्फिकार, हाजी खुर्शीद आलम, राशिद राईन, परवेज खाँ कमेटी की निगरानी में सकुशल संपन्न हुआ।

मोटे महादेवन धाम में रुद्राभिषेक व भंडारा

फतेहपुर। विगत वर्षों की भांति पवित्र श्रावण मास में हसवा शिक्षामित्र परिवार के सौजन्य से उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के जिलाध्यक्ष सुशील तिवारी के नेतृत्व में सभी शिक्षामित्र साथियों व अन्य सहयोगियों ने आम जनमानस व जग कल्याण हेतु सिद्धधाम बाबा मोटे महादेवन धाम में बाबा भोलेनाथ का रुद्राभिषेक किया। बाबा की पूजा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक से हुई। यजमान के रूप में जिलाध्यक्ष सुशील तिवारी के साथ पत्नी, मनोज यादव, विकास श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में हसवा शिक्षामित्र परिवार ने सहयोग किया। कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने हेतु हम सबके अभिभावक शिवशंकर विभाग प्रचारक प्रदीप विभाग समर्पक प्रमुख उपस्थित रहे। जिनके कर कमलों द्वारा प्रसाद विरतण हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें उपस्थित सभी भक्तों ने भंडारे के रूप में प्रसाद भी ग्रहण किया। इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ असोथर के अध्यक्ष अनुराग मिश्रा, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला महामंत्री विजय त्रिपाठी, जूनियर संघ के जिला महामंत्री ललितेश त्रिवेदी, शैक्षिक महासंघ के जिलाध्यक्ष अदीप सिंह, शैक्षिक महासंघ जिला महामंत्री अंकित अग्रहरि, शैक्षिक महासंघ के जिला उपाध्यक्ष गौरव सिंह गौर, सत्येंद्र शुक्ला, विनय द्विवेदी, दीपक सोनी, स्वतंत्र सिंह, आनंद तिवारी, विकास साहू, अजय सिंह, मीनू सिंह, ओम पटेल, सुमित द्विवेदी, अखिलेश गुप्ता, आशुतोष, ध्यान सिंह, नीता सिंह, मनीषा सिंह, मिथलेश देवी, संध्या गुप्ता, नीलम गुप्ता, श्रद्धा श्रीवास्तव, रेनू केशरवानी, सुधा गुप्ता, आशीष द्विवेदी, सुनील मिश्रा, कमलेश त्रिपाठी, मनोज गुप्ता भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में 262 मरीजों का हुआ उपचार

हलिया (मीरजापुर)। उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया सहित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले में कुल 262मरीजों का चिकित्सक द्वारा उपचार कर निः शुल्क दवा वितरित किया गया है !उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पर आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला डॉक्टर विवेक खरे कि देखरेख में आयोजित किया गया मेला में कुल 65मरीजों का उपचार किया गया इसी प्रकार नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार में मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन चिकित्सक कामेश्वर तिवारी क्रे देखरेख में आयोजित किया गया जिसमे कुल 46मरीजों का उपचार किया गया इसी प्रकार नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ड्रमण्डगंज में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का आयोजन डॉक्टर बालकृष्ण मिश्रा क्रे देखरेख में सम्पन्न हुआ जिसमें कुल 57मरीजों का उपचार किया गया इसी प्रकार नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरौधा में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का डॉक्टर रविराज क्रे देखरेख में आयोजित किया गया जिसमें कुल 53मरीजों का उपचार कर दवा वितरित किया गया है नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मुड़पेली पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला चिकित्सक मनीष कुमार कि देखरेख में आयोजित किया गया जंहा पर कुल 41मरीजों का उपचार कर दवा वितरण किया गया नया इस संबंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार ने बताया की उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया सहित नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मतवार, ड्रमण्डगंज, बरौधा मुड़पेली में आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला में कुल 262मरीजों का उपचार कर निः शुल्क दवा वितरित किया गया है।

फतेहपुर गौरव रत्न से नवाजी गईं जिले की प्रतिभाएं

फतेहपुर। एनजे फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले रविवार को शहर के कलक्टरगंज स्थित एक लॉज में फतेहपुर गौरव रत्न सम्मान समारोह 2025 का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रेस क्लब ऑफ यूपी के जिलाध्यक्ष मो. शमशाद ने जिले की प्रतिभाओं को सम्मानित कर हौसला अफजाई की। सम्मान समारोह की शुरूआत मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्जवलित कर की। आयोजकों ने मुख्य अतिथि का माला पहनाकर व शॉल भेंटकर सम्मान किया। समारोह में कई कलाकारों ने अपनी-अपनी कला का प्रदर्शन किया। उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर सभी का उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि समेत एनजे फिल्म प्रोडक्शन के निर्माता एवं निर्देशक नदीम जावेद ने कलाकार ज्योति गुप्ता जानवी, विकास ओबरॉय, अलीना नजम, किरन गौतम, आरती गुप्ता, अनीश शेख, सुरेंद कुमार, उमा देवी, काजल भारती, प्रदीप श्रीवास्तव, वेद प्रकाश गुप्ता, विनोद गुप्ता, नेहा सिंह, अनिल मौर्या, कुलदीप विश्वकर्मा, आयुष गुप्ता, राजीव द्विवेदी, विनोद कुमार, सुरेंद कुमार जूनियर, सुनील रॉकी समेत अन्य कलाकारों को प्रशस्ति पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि एनजे फिल्म प्रोडक्शन जिले की उभरती हुई प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने का काम कर रहा है। जो अत्यंत सरानीय है। जहां भी उनकी जरूरत प्रोडक्शन को होगी वह हमेशा साथ खड़े हैं। निर्माता एवं निर्देशक ने सभी का आभार जताते हुए कहा कि आगे भी प्रोडक्शन के बैनर तले कई फिल्मों का निर्माण जिले में कराया जाएगा। जिसमें नई प्रतिभाओं को स्थान दिया जाएगा। इस मौके पर पूर्व सैनिक संगठन के जिलाध्यक्ष विद्या भूषण तिवारी, महिला अध्यक्ष जागृति तिवारी समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

अधिवेशन भारतीय पोस्टल एम्प्लोई यूनियन व पोस्टमैन यूनियन के द्विवार्षिक अधिवेशन में कार्यकारिणी घोषित

एक नई दिशा की ओर बढ़ रहा देश : जैकी

विश्ववार्ता संवाददाता

फतेहपुर। प्रधान डाकघर प्रांगण में रविवार को भारतीय पोस्टल एम्प्लोई यूनियन व पोस्टमैन यूनियन का द्विवार्षिक अधिवेशन आयोजित हुआ। अधिवेशन को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बिंदकी विधायक जय कुमार सिंह जैकी ने कहा कि देश एक नई दिशा की ओर बढ़ रहा है। सबको मिलकर इसमें एक आहुति रूप में योगदान अवश्य देना होगा। साथ ही मजदूर भाईयों को तकनीकी ज्ञान भी करना होगा।

मुख्य वक्ता सहायक प्रांतीय मंत्री संदीप तिवारी ने कहा कि हमारी विचारधारा उस नींव पर आधारित है जिसमें राष्ट्रहित, उद्योगहित सर्वोपरि है। बाद में श्रमिकहित पर टिकी है। कहा कि जो सरकार मजदूर विरोधी होगी, निजीकरण पर अमादा होगी उसका खुलकर विरोध किया जाएगा लेकिन देश को कमजोर नहीं होने दिया जाएगा। विशिष्ट अतिथि प्रदेश सह संयोजक भाजपा-श्रम प्रकोष्ठ राजेन्द्र सिंह उर्फ रज्जू भइया ने कहा कि जो लोग देश व केन्द्र सरकारों के खिलाफ निजीकरण का भय दिखाकर मजदूरों को भड़का रहे हैं वो अपनी स्वार्थसिद्धि करना चाहते हैं वो एक-एक करके बेनकाब होते जा रहे हैं।

सर्वसम्मति से बीपीईयू वर्ग-3 व एमटीएस/पोस्टमैन यूनियन के मंडलीय मंत्री, अध्यक्ष के साथ पूरी मंडलीय कार्यकारिणी की घोषणा सहायक प्रांतीय मंत्री संदीप तिवारी, प्रांतीय मंत्री मिथलेश शुक्ल ने की। विशिष्ट अतिथि खागा विधायक कृष्णा पासवान, विभाग प्रचारक शिवशंकर, विभाग कार्यवाह ज्ञानेन्द्र, यूनियन के प्रांतीय मंत्री मिथलेश, बीएमएस जिलाध्यक्ष विष्णु वर्मा, जिला मंत्री जयशंकर गुप्ता के अलावा कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पोस्टमास्टर

शत्रुघन लाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। जिला मंत्री समेत अन्य लोगों ने नेताओं को इक्कीस किलो की माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यकारिणी में शैलेन्द्र सिंह परमार अध्यक्ष, राहुल सिंह चौहान, प्रशांत श्रीवास्तव, सुरेश मिश्रा उपाध्यक्ष, भूपेन्द्र सिंह मंडलीय सचिव, राजकुमार उपसचिव प्रथम, राजेन्द्र कुमार उपसचिव द्वितीय, अभय सिंह उपसचिव तृतीय, कंचन कुमारी उपसचिव चतुर्थ, आशीष कुमार कोषाध्यक्ष, नरेन्द्र सिंह उप कोषाध्यक्ष, हरिओम सिंह संगठन मंत्री, धर्मेन्द्र सह संगठन मंत्री, प्रदीप कुमार आडिटर के अलावा दस सदस्य भी शामिल हैं।

संदिग्ध अवस्था में महिला ने खाया जहर, मौत

फतेहपुर। जाफरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम अंगदपुर में शनिवार दोपहर 25 वर्षीय महिला ने संदिग्ध अवस्था में जरीला पदार्थ खा लिया। जिसे उपचार के लिए बिन्दकी सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सीय उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। जहां डाक्टर ने महिला को मृत घोषित कर दिया। वहीं पुलिस ने पति को पूंछतांछ के लिए हिरासत में ले लिया है।

जानकारी के अनुसार अंगदपुर गांव निवासी चुन्नू गुप्ता की पत्नी रूचि गुप्ता ने शनिवार की दोपहर संदिग्ध अवस्था में जहर खा लिया। कुछ देर बाद जब उसकी हालत बिगड़ने लगी तो परिजन उसे बिन्दकी सीएचसी लाये। जहां चिकित्सीय उपचार के बाद हालत नाजुक देखते हुये सदर अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। ससुराली जन उसे तत्काल सरकारी एम्बुलेंस द्वारा उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाये। जहां इमरजेन्सी में तैनात चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया।

एक नजर

बिना कार्ड के एटीएम से पैसे निकालें

अगर आप अपने साथ डेबिट कार्ड ले जाना भूल गए हैं या आपको कार्ड चोरी होने का डर है तो भी आप बिना एटीएम कार्ड के सुरक्षित लेनदेन कर सकते हैं। भारतीय स्टेट बैंक ने यूनो कैश के जरिए ग्राहकों को बिना डेबिट कार्ड के एटीएम से नकदी निकालने की सुविधा दी है। यूनो कैश के जरिए आप न केवल भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम से पैसे निकाल सकते हैं। यह सुविधा 2019 में शुरू हुई और अब इसे और बेहतर बनाया गया है। देशभर के 16,500 से ज्यादा भारतीय स्टेट बैंक एटीएम पर यह सर्विस उपलब्ध है। इस सुविधा के जरिए एक दिन में अधिकतम 20,000 रुपए ही निकाले जा सकते हैं। एक ट्रांजेक्शन में अधिकतम 10,000 रुपए और न्यूनतम 500 रुपए निकाले जा सकते हैं। एप से ट्रांजैक्शन जनरेट करने के बाद 4 घंटे के लिए ही वैलिड होता है।

पहली बार दो भारतीय खिलाड़ियों के बीच फाइनल मुकाबला

FIDE विमेंस वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल का पहला गेम जॉर्जिया के बटुमी में कोनेरू हम्पी और दिव्या देशमुख के बीच ड्रॉ रहा। यह पहली बार है जब इस टूर्नामेंट के फाइनल में दो भारतीय खिलाड़ी आमने-सामने हैं। दिव्या ने 25 चालों के भीतर जीत की स्थिति बनाने की कोशिश की, लेकिन हम्पी ने दिव्या की छोटी-छोटी गलतियों का फायदा उठाकर गेम ड्रॉ करवाया। दूसरा गेम रविवार को खेला जाएगा, जिसमें हम्पी सफेद मोहरों से खेलेंगी। यदि यह मुकाबला भी बराबरी पर रहा, तो विजेता का फैसला टाईब्रेकर में कम समय की बाजियों के जरिए होगा। वर्ल्ड रैपिड चैंपियन हम्पी का इस ड्रॉ के बावजूद पलड़ा भारी माना जा रहा है, क्योंकि वह पहले गेम में काले मोहरों से खेली थीं। दो गेम के इस क्लासिकल शतरंज फॉर्मेट में अगले और अंतिम गेम में हम्पी को सफेद मोहरों का फायदा मिलेगा।

फाइव स्टार होटल के जिम से वेट मशीन चुराई

हरियाणा की एक महिला पहलवान पर किर्गिस्तान में चोरी का आरोप लगा है। पहलवान किर्गिस्तान में अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप खेलने के लिए गई थी। यहां उस पर एक अन्य महिला पहलवान के साथ होटल के जिम से वजन मापने वाली मशीन चुराने का आरोप है। जिम में लगे CCTV कैमरे में भी पूरी घटना कैद हुई है। इसका खुलासा इंटरनेशनल रेसलिंग एसोसिएशन (IWA) की शिकायत में हुआ है। IWA की तरफ से इंडियन रेसलिंग एसोसिएशन को लेटर भेजा गया है। जिसमें बताया गया है कि चोरी करने वाली एक महिला पहलवान हरियाणा से है। विवाद सामने आने पर हरियाणा कुश्ती संघ के अध्यक्ष रमेश बोहर ने कहा- एक महिला पहलवान हरियाणा की रहने वाली है। उससे इस मामले में बात की गई है तो उसने बताया कि भार मापने वाली मशीन होटल प्रबंधन से पूछकर अपने कमरे में लेकर गई थीं। उन्होंने इसे अफवाह बताया है।

एशिया कप- भारत-पाकिस्तान का 14 सितंबर को महामुकाबला

क्रिकेट का एशिया कप 2025 UAE में खेला जाएगा। टूर्नामेंट 9 सितंबर से शुरू होकर 28 सितंबर तक चलेगा। भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं। दोनों के बीच 14 सितंबर को पहला मैच होगा। अगर दोनों टीमें सुपर-4 स्टेज में पहुंची तो यहां भी दोनों के बीच 21 सितंबर को भी मुकाबला हो सकता है। एशिया कप 2025 की मेजबानी भारत को मिली है, लेकिन भारत-पाकिस्तान के खराब संबंध के कारण यह न्यूट्रल वेन्यू पर खेला जाएगा। एशियन क्रिकेट काउंसिल (ACC) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने इसकी जानकारी दी है। टूर्नामेंट टी-20 फॉर्मेट में होगा।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज से चौथा टी-20 तीन विकेट से जीता

सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त, जम्पा के तीन विकेट, इंग्लिश-ग्रीन के अर्धशतकों से मिली जीत

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने चौथे टी-20 में वेस्टइंडीज को 3 विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 4-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। बासेटेरे में खेले गए इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों जोश इंग्लिश और कैमरन ग्रीन की अर्धशतकीय पारियों ने टीम को जीत दिलाई। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 205 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 7 विकेट खोकर 206 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

वेस्टइंडीज की खराब शुरुआत

टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही। सात ओवर में 67 रन पर चार विकेट गिर चुके थे। इसके बाद शेरफेन रदरफोर्ड (31), रोवमैन पॉवेल (28), रोमारियो शेफर्ड (28), और जेसन होल्डर (26) ने उपयोगी पारियां खेलकर टीम को 200 के पार पहुंचाया।

एडम जम्पा रहे सफल गेंदबाज

ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जम्पा सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 4 ओवर में 54 रन देकर 3 विकेट लिए। आरोन हार्डी, सीन एबॉट, और जेवियर बार्टलेट ने 2-2 विकेट हासिल किए।

जोश इंग्लिश और कैमरन ग्रीन की शानदार बल्लेबाजी

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। ओपनर मिचेल मार्श दूसरी गेंद पर आउट हो गए। इसके बाद जोश इंग्लिश ने पहले ग्लेन मैक्सवेल और फिर कैमरन ग्रीन के साथ महत्वपूर्ण साझेदारियां कीं।

इंग्लिश और मैक्सवेल ने दूसरे विकेट के लिए 35 गेंदों पर 66 रन जोड़े। फिर इंग्लिश और ग्रीन ने तीसरे विकेट के लिए 24 गेंदों पर 63 रन की साझेदारी की। इंग्लिश ने 30 गेंदों पर 51 रन, मैक्सवेल ने 18 गेंदों पर 47 रन, और ग्रीन ने 36 गेंदों पर नाबाद 55 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से जेडन सील्स ने 3 विकेट लिए।

भारतीय टेबल टेनिस को लगातार चैंपियन देने के लिए एक व्यवस्था की जरूरत : दिग्गज अंचता शरत कमल

अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी शरत कमल का मानना है कि भारतीय टेबल टेनिस को युवा प्रतिभाओं को सीनियर स्तर पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने में मदद करने के लिए एक सुस्पष्ट प्रणाली की आवश्यकता है। हालांकि हाल के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं लेकिन 43 वर्षीय शरत का कहना है कि दीर्घकालिक विकास को बढ़ावा देने वाली प्रणाली के बिना केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं है। शरत ने बताया, ''हम एक-दो सितारों पर निर्भर नहीं रह सकते, हमें एक ऐसी संरचना की आवश्यकता है जो लगातार चैंपियन तैयार करे।'' उन्होंने कहा, ''युवा प्रतिभाएं तो बहुत हैं लेकिन मुख्य समस्या बदलाव के दौर की है... जब तक हम सही व्यवस्था नहीं अपनाते, हम जूनियर चैंपियन को सीनियर चैंपियन बनते नहीं देख पाएंगे।'' भारत ने 2024 एशियाई चैंपियनशिप में तीन कांस्य पदक जीते जिसमें आयहिका और सुतीर्था मुखर्जी ने महिला युगल में ऐतिहासिक पहला पदक जीता जबकि महिला टीम स्पर्धा में भी पहली बार कांस्य पदक मिला। पेरिस ओलंपिक में महिला टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और प्री क्वार्टर फाइनल में दुनिया की चौथे नंबर की रोमानियाई टीम को हराया। एकल मुकाबलों में मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला दोनों ही प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में सफल रहीं। शरत ने कहा, ''असली चुनौती निरंतरता की है। एक पदक को दो होना चाहिए और उसे पांच या छह तक बढ़ाना होगा।'' शरत के अनुसार यह निरंतरता एक व्यवस्थित योजना से आएगी जिसकी शुरुआत 11 साल की उम्र के बच्चों से होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''2036 को देखते हुए हमें उन बच्चों से शुरुआत करनी होगी जो अभी 11 या 12 साल के हैं। हम सभी इसी दिशा में प्रयास कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि हम जल्द ही एक व्यवस्थित बदलाव देखेंगे।'' भारतीय ओलंपिक संघ के खिलाड़ी आयोग के उपाध्यक्ष शरत ने नए खेल विधेयक की भी प्रशंसा की जिसमें खिलाड़ियों को तवज्जो देने वाला ढांचा है। विधेयक के डोपिंग रोधी प्रावधानों पर शरत ने एक बेहद जरूरी बदलाव की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, ''इस बार सिर्फ खिलाड़ियों को ही सजा नहीं मिलेगी बल्कि कोच और अन्य संलिप्त लोगों को भी सजा मिलेगी। अक्सर खिलाड़ी ही पकड़ा जाता है जबकि अन्य बिना जांच के चलते रहते हैं। अब यह बदलाव होगा।

अब फ्री नहीं रहेगा यूपीआई, अठन्नी-चवन्नी के ट्रांजेक्शन पर भी लगेगा चार्ज

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने संकेत दिया है कि यूपीआई लेनदेन अब हमेशा के लिए मुफ्त नहीं रहेगा। सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी के चलते यह सेवा फिलहाल निशुल्क है, लेकिन लंबे समय तक इसे चलाना संभव नहीं है. आरबीआई अब यूपीआई को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना चाहता है। इस बयान से संकेत मिलता है कि आने वाले समय में यूपीआई पर मामूली शुल्क लगाया जा सकता है, जिससे फ्री डिजिटल ट्रांजैक्शन का दौर समाप्त हो सकता है।

यूपीआई के जरिए धड़ाधड़ लेनदेन करने वाले ग्राहक और दुकानदार जान लें कि अब इससे फ्री में लेनदेन खत्म होने वाला है. इसका कारण यह है कि यूपीआई के जरिए फ्री में लेनदेन की प्रक्रिया को समाप्त करने को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बड़ा संकेत दिया है. उनका कहना है कि डिजिटल भुगतान को पूरी तरह से फ्री बनाए रखना दीर्घकालिक रूप से संभव नहीं है।

वर्तमान में सरकार बैंकों और पेमेंट सर्विस प्रोवाइडर्स को सब्सिडी दे रही है, ताकि यूपीआई यूजर्स को फ्री में सर्विस मिलती रहे. लेकिन, भविष्य में इस व्यवस्था में बदलाव होने की संभावना अधिक है और लेनदेन के बदले लोगों को चार्ज भी देना पड़ सकता है.

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि पेमेंट सिस्टम को वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना बेहद जरूरी है. उन्होंने कहा, "कोई भी सिस्टम तब तक टिकाऊ नहीं हो सकता, जब तक उसकी लागत की पूर्ति न हो. अभी सरकार ही सब्सिडी के जरिए खर्च उठा रही है, लेकिन यह स्थिति ज्यादा समय तक नहीं चल सकती." यूपीआई का इस्तेमाल भारत में तेजी से बढ़ रहा है. पिछले दो वर्षों में यूपीआई ट्रांजैक्शन्स में दोगुनी वृद्धि दर्ज की गई है. फिलहाल, प्रतिदिन 60 करोड़ से अधिक ट्रांजैक्शन यूपीआई के माध्यम से हो रहे हैं. सरकार ने डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने के लिए अब तक इसे मुफ्त रखा, लेकिन अब आरबीआई की नजर इस सेवा को आत्मनिर्भर बनाने पर है.

अगस्त में बैंक 14 दिन बंद रहेंगे

5 रविवार-2 शनिवार के अलावा अलग-अलग जगहों पर 7 दिन बैंकों में कामकाज नहीं होगा

नई दिल्ली। अगले महीने यानी अगस्त में अलग-अलग राज्यों व शहरों में कुल 14 दिन बैंक बंद रहेंगे। 5 रविवार और दूसरे-चौथे शनिवार के अलावा 7 दिन अलग-अलग जगहों पर बैंकों में कामकाज नहीं होगा।

ऐसे में अगर आपको अगले महीने बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम हो तो इन छुट्टियों के दिनों को छोड़कर आप बैंक जा सकते हैं। यहां देखें अगस्त महीने में आपके राज्य और शहर में बैंक कब-कब बंद रहेंगे...

15 से 17 अगस्त तक लगातार 3 दिन बैंक बंद

15 से 17 अगस्त तक देश के ज्यादातर जगहों पर लगातार 3 दिन बैंकों में कारोबार नहीं होगा। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस, 16 अगस्त को जन्माष्टमी/कृष्ण जयंती और 17 अगस्त को रविवार के चलते बैंक बंद रहेंगे। वहीं असम में 23 से 25 अगस्त तक बैंकों में कामकाज नहीं होगा।

ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए निपटा सकेंगे काम

आप बैंकों की छुट्टी के बावजूद ऑनलाइन बैंकिंग और ATM के जरिए पैसे का लेनदेन या अन्य काम कर सकते हैं। इन सुविधाओं पर बैंकों की छुट्टियों का कोई असर नहीं पड़ेगा।

इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में डबल धमाका

पियाजियो का दो दमदार थ्री-व्हीलर लॉन्च

नई दिल्ली। पियाजियो ने भारत में दो नए इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर मॉडल, आपे ई-सिटी अल्ट्रा और आपे ई-सिटी एफएक्स मैक्स लॉन्च किए हैं. ये वाहन लंबी रेंज, दमदार बैटरी और स्मार्ट फीचर्स से लैस हैं. ईवी बाजार में क्रांति लाते हुए ये मॉडल किफायती, पर्यावरण अनुकूल और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करते हैं.

भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मांग तेजी से बढ़ रही है. पर्यावरण के प्रति जागरूकता और ईंधन लागत की बचत की सोच अब आम हो चुकी है. ऐसे में पियाजियो व्हीकल्स प्राइवेट लिमिटेड ने दो नए इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर मॉडल आपे ई-सिटी अल्ट्रा और आपे ई-सिटी एफएक्स मैक्स को बाजार में उतारा है. ये दोनों मॉडल विशेष रूप से भारतीय परिस्थितियों और ग्राहकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए हैं.

पियाजियो व्हीकल्स के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर डिएगो ग्राफी का कहना है कि भारत में ईवी की मांग बढ़ने के साथ ही उनका उद्देश्य टिकाऊ और आजीविका सुधारने वाले वाहन तैयार करना है. वहीं, कंपनी के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट अमित सागर ने कहा कि ग्राहक अब ऐसी गाड़ी चाहते हैं जो लंबी दूरी चले, कम खर्च करे और तकनीक में भी अव्वल हो और यही गुण इन नए मॉडल्स में देखने को मिलते हैं.

यह मॉडल 9.55 किलोवॉट की पावर के साथ आता है और एक बार चार्ज करने पर 236 किमी तक की दूरी तय कर सकता है. इसमें बूस्ट मोड, क्लाइंब असिस्ट और स्मार्ट 4जी टेलीमैटिक्स जैसे आधुनिक फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे एक स्मार्ट सवारी बनाते हैं.

राहुल बोस @58, 5 साल तक मां से थप्पड़ खाए

अनिल कपूर ने दबाया गला, निर्भया केस पर बोले- दोषियों को सुधरने का मौका मिलना चाहिए

राहुल बोस हिंदी सिनेमा के जाने-माने एक्टर हैं। चमेली, प्यार के साइड इफेक्ट्स और चेन कुली की मेन कुली जैसी फिल्मों में उन्होंने काम किया है। राहुल की सबसे खास बात यह है कि वे अपनी फिल्मों के हिट या फ्लॉप होने की परवाह नहीं करते। उन्हें लीक से हटकर और अलग सोच वाली फिल्में करना ज्यादा पसंद है। राहुल सिर्फ एक एक्टर या निर्देशक ही नहीं, बल्कि एक एथलीट भी हैं। साल 1998 में वे भारत की पहली राष्ट्रीय रग्बी टीम का हिस्सा थे, जिसने एशियन रग्बी फुटबॉल यूनियन चैम्पियनशिप जैसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया था। इसके अलावा वे इंडियन रग्बी फुटबॉल यूनियन के अध्यक्ष भी हैं। सैफ अली खान के पिता और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मंसूर अली खान पटौदी ने राहुल को क्रिकेट की ट्रेनिंग भी दी थी। राहुल बोस का जन्म कोलकाता में हुआ था। शुरुआती कुछ साल वहीं बिताने के बाद उनका परिवार मुंबई शिफ्ट हो गया। मुंबई में उन्होंने कैथेड्रल एंड जॉन कॉनन स्कूल से पढ़ाई की। आगे की पढ़ाई के लिए राहुल अमेरिका जाना चाहते थे, लेकिन जब उन्हें वहां एडमिशन नहीं मिला, तो उन्होंने मुंबई के सिडेनहैम कॉलेज में एडमिशन ले लिया। राहुल बोस ने पहली बार एक्टिंग तब की था, जब वे सिर्फ छह साल के थे। उन्होंने स्कूल के नाटक टॉम, द पाइपर्स सन में मुख्य किरदार निभाया था। हालांकि, यह कोई प्रोफेशनल एक्टिंग नहीं थी। 1987 में मां के निधन के बाद राहुल ने रेडिफ्यूजन में कॉपीराइटर के तौर पर काम किया। इसी दौरान वे फिल्मों और स्टेज पर एक्टिंग किया करते थे। फिर साल 1994 में इंग्लिश, अगस्त से उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। इंग्लिश भाषा में बनी यह फिल्म देव बेनेगल के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी। इस फिल्म को करने के बाद राहुल का पूरा झुकाव एक्टिंग में ही करियर बनाने पर हो गया। ऐसे में उन्होंने अपनी नौकरी छोड़ दी थी। 'मुझे अपनी पहली फिल्म में बैठने के लिए कुर्सी नहीं दी गई थी। मैं लीड एक्टर था। मैंने कभी स्ट्रगल नहीं किया। मैं सीधे स्टेज से लीड रोल निभाने चला गया और फिल्म में कोई एक्ट्रेस भी नहीं थी, केवल मैं ही था। फिर भी मुझे सेट पर कभी कुर्सी नहीं दी गई। कभी-कभी मैं सड़क के डिवाइडर या पैरापेट पर बैठ जाता था, जैसे कि कोई समस्या ही नहीं है, लेकिन बाकी लोगों के पास हमेशा कुर्सियां होती थीं सिवाय मेरे।

ट्रोलर्स बोले- शादी कर लो बूढ़ी हो रही हो

जरीन खान ने ट्रोलर्स को फटकार लगाते हुए कहा- इससे फिर जवान हो जाऊंगी

एक्ट्रेस जरीन खान ने एज शेमिंग कर रहे उस ट्रोलर को फटकार लगाई है, जिसने उन्हें कहा है कि शादी कर लो बूढ़ी हो रही हो। एक्ट्रेस ने ट्रोलर को जमकर फटकार लगाई और शादी पर भी अपनी राय रखी। जरीन खान ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने कहा है, 'हाय, मैंने कुछ कमेंट्स पढ़े हैं, अपने वीडियो पर, अपनी पोस्ट पर। एक कमेंट है, जो बहुत ज्यादा अलग था। पता है कौन सा 'शादी कर लो बूढ़ी हो रही हो', तो क्या शादी करने के बाद मैं फिर से जवान हो जाऊंगी। इसका आखिर मतलब क्या है (हंसते हुए)।' आगे एक्ट्रेस ने कहा है, 'मुझे समझ नहीं आता कि ये हमारी कंट्री में ही है या यूनिवर्सल प्रॉब्लम है। किसी तरह शादी को हर चीज का सोल्यूशन माना जाता है। अगर एक इंसान जिंदगी में फोकस नहीं है, काम-धंधा नहीं कर रहा, तो परिवार का सोल्यूशन होता है कि उसकी शादी करवा दो। ये सोल्यूशन कैसे हो सकता है। एक इंसान जो खुद की जिम्मेदारी नहीं उठा पा रहा, निहत्थे का ख्याल नहीं रख पा रहा है, उसके ऊपर तुम एक और जिम्मेदारी लाद दो। वो तो अपनी जिंदगी भी खराब करेगा और सामने वाले की भी। तो मुझे नहीं लगता इससे काम बनेगा।' जरीन ने आगे कहा है, 'फिर अगर बच्चा हाथ से निकल गया, जैसा कि हमारी सोसाइटी में हमारे पेरेंट्स के लिए सबसे ज्यादा डरने वाली बात होती है कि बच्ची हाथ से निकल गई। तो उसका भी सोल्यूशन यही है कि शादी करवा दो। शादी कोई मैजिक है क्या। जहां से मैं देख रही हूं आजकल ज्यादातर शादियां 2-3 महीने से ज्यादा नहीं चल रहीं। मुझे तो बिल्कुल नहीं दिख रहा कि शादी हर प्रॉब्लम का सोल्यूशन है।' इस वीडियो के साथ कैप्शन में जरीन ने लिखा है, 'अब ये और शादी का लड्डू नहीं है, ये अब शादी का लॉलीपॉप बन गया है। आपका क्या ख्याल है।' बताते चलें कि सलमान खान के साथ वीर से डेब्यू करने वालीं जरीन खान आखिरी बार साल 2021 की फिल्म हम भी अकेले तुम भी अकेले में नजर आई हैं।

सलमान खान को पिता की सीख न मानने का पछतावा

कहा- बार-बार दोहराई जाने वाली गलतियां आदत बन जाती हैं

सलमान खान ने हाल ही में पिता सलीम खान की दी हुई सीख को देरी से मानने पर पछतावा जाहिर किया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि बार-बार गलतियां दोहराने से ये आदत बन जाती हैं। हाल ही में सलमान खान ने अपने ऑफिशियल X (पहले ट्विटर) अकाउंट पर लिखा है, 'वर्तमान हमारा पास्ट बन जाता है और पास्ट ही हमारा भविष्य बन जाता है। वर्तमान एक तोहफा है, इसलिए इसके साथ अच्छा करें। बार बार दोहराई जाने वाली गलतियां आदत बन जाती हैं और फिर ये किरदार बन जाती हैं। किसी और को दोष मत दीजिए। कोई भी आपको वो करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता, जो आप नहीं करना चाहते हैं। मेरे पिता ने मुझसे ये कहा था और ये कितना सच है। काश मैं ये पहले सुन लेना, लेकिन अब भी देर नहीं हुई है।' जब सलमान की एक्टर बनने की ख्वाहिश सुनकर सलीम खान ने उन्हें गधा कह दिया था। दरअसल, सलमान के पिता उन्हें एक्टर नहीं बल्कि क्रिकेटर बनाना चाहते थे। इसके लिए सलीम साहब ने पाकिस्तान के दिग्गज क्रिकेटर सलीम दुर्रानी को सलमान का ट्रेनर बना दिया। सलमान को क्रिकेट में रुचि नहीं थी लेकिन वो अच्छा खेलते थे। एक दिन उनके पिता उनका मैच देखने स्टेडियम आए। सलमान जानते थे कि अगर उन्होंने अच्छी परफॉर्मेंस दी तो उन्हें हमेशा क्रिकेट खेलना पड़ेगा। सलमान रोजाना 9 बजे के स्कूल टाइम से महज आधे घंटे पहले सुबह उठा करते थे लेकिन अगर वो क्रिकेट खेलते तो इसके लिए उन्हें सुबह 5 बजे उठना पड़ता। ये सोचकर सलमान ने जानबूझकर पिता के सामने इतनी खराब परफॉर्मेंस दी की उन्हें क्रिकेट से हटा दिया गया। कुछ समय बाद सलमान ने 1989 की फिल्म बीवी हो तो ऐसी से एक्टिंग करियर की शुरुआत की। सलमान को इस फिल्म में अपनी परफॉर्मेंस इतनी बुरी लगी कि वो चाहते थे कि फिल्म फ्लॉप हो जाए और इसे कोई न देखे। पहली फिल्म से नाखुश होकर सलमान ने अपने पिता सलीम खान से विनती की कि वे एक फिल्म बनाकर उन्हें दोबारा लॉन्च करें। लेकिन सलीम खान ने जवाब दिया- "इंदौर से मुंबई आकर मैंने कभी घोड़े पर पैसे नहीं लगाए, फिर गधे पर कैसे लगा सकता हूं"

'सैयारा गर्ल' अनीत पड्डा मुंबई एयरपोर्ट पर बोलीं -'मुझे अभी बहुत शर्म आ रही है'

फिल्म 'सैयारा' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। दो हफ्तों में ही फिल्म ने वर्ल्डवाइड करीब 300 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है। इसी बीच शनिवार को फिल्म की लीड एक्ट्रेस अनीत पड्डा को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। वह सिंगापुर जाते हुए नजर आईं। बताया जा रहा है कि फिल्म की टीम एक छोटी सेलिब्रेशन ट्रिप पर जा रही है। सेलेब्रिटी फोटोग्राफर स्नेहजाला के मुताबिक, फिल्म की टीम सिंगापुर में फिल्म की सक्सेस का जश्न मनाने की प्लानिंग की है। एयरपोर्ट पर अनीत ने कुछ समय के लिए मीडिया से बात की। उन्होंने नीली शर्ट, ब्लैक कैप और फेस मास्क पहना था। जब फोटोग्राफर्स ने अनीत से मास्क हटाने को कहा, तो उन्होंने थोड़ी देर के लिए ऐसा किया लेकिन फिर मास्क वापस पहनते हुए बोलीं – "मुझे अभी बहुत शर्म आ रही है।" इसके बाद भी जब फोटोग्राफर्स ने कहा, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए मना कर दिया। अनीत को इससे पहले 23 जुलाई को मुंबई में एक सैलून के बाहर स्पॉट किया गया था। मास्क पहने अनीत भीड़ और फोटोग्राफर्स को देखकर घबरा गईं और तुरंत कार में बैठ गईं। उन्होंने एक फैन के साथ सेल्फी क्लिक करवाने से भी मना कर दिया था। फिल्म के निर्माताओं ने नेटफ्लिक्स के साथ OTT रिलीज के लिए डील साइन कर ली है, लेकिन थिएटर में फिल्म की अच्छी कमाई को देखते हुए डिजिटल प्रीमियर को फिलहाल टाल दिया गया है।

एक नजर

जिला बॉक्सिंग संघ की बैठक में शामिल हुए पुलकित सिंह, खिलाड़ियों को किया सम्मानित

सुलतानपुर। जिला बॉक्सिंग संघ सुलतानपुर की कार्यकारिणी बैठक रविवार को नगर के कमला नेहरू सामाजिक विज्ञान संस्थान स्थित अंबेडकर सभागार में सम्पन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष, युवा भाजपा नेता एवं समाजसेवी पुलकित सिंह ने की। बैठक में जिले भर से आए खिलाड़ियों एवं संघ से जुड़े पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पुलकित सिंह द्वारा खिलाड़ियों के उत्साहवर्धन एवं सम्मान के साथ हुई। उन्होंने जिले के बॉक्सिंग खिलाड़ियों को मेडल, स्मृति चिह्न व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनकी मेहनत की सराहना की। अपने संबोधन में पुलकित सिंह ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों के सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि खिलाड़ियों की जरूरतों और संसाधनों की पूर्ति के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे। खिलाड़ी अपने खानपान और फिटनेस पर विशेष ध्यान दें ताकि उनका स्टैमिना मजबूत बना रहे। खेल में हार-जीत मायने नहीं रखती, लेकिन हर मैच को फाइनल समझकर पूरे आत्मविश्वास से प्रदर्शन करें, सफलता निश्चित मिलेगी उन्होंने कहा। बैठक में संघ के अन्य पदाधिकारियों ने भी विचार साझा किए और आने वाले आयोजनों की रूपरेखा पर चर्चा हुई। पुलकित सिंह की मौजूदगी से खिलाड़ियों में नई ऊर्जा और जोश देखने को मिला। कार्यक्रम के समापन पर खिलाड़ियों ने भी जिला बॉक्सिंग संघ के प्रयासों और अध्यक्ष पुलकित सिंह के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

विद्यालय मर्ज के विरोध में आप का प्रदर्शन

कादीपुर-सुलतानपुर। आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुरेशचंद्र गौतम एडवोकेट के नेतृत्व में क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय गौरा बीबीपुर में प्राथमिक विद्यालयों के मर्ज किए जाने के विरोध में ढपोर शंखों को जगाओ, स्कूल बचाओ, अभियान के अंतर्गत विरोध प्रदर्शन किया गया। रविवार को आयोजित विरोध प्रदर्शन कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, छात्र एवं अध्यापकों ने भारी संख्या में प्रतिभाग किया। प्राथमिक विद्यालय के मर्ज के विरोध में लोगों ने शंख एवं थालियां बजाकर सरकार के इस निर्णय का जमकर विरोध किया। इस मौके पर वंशराज दुबे, अनिल कोरी, कुलदीप यादव, साहिल कुमार तिवारी,संगम अग्रहरि सहित पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

फरार आरोपी गए जेल

कादीपुर-सुलतानपुर। पुलिस पार्टी पर हमला करने के मामले में चार वर्षों से फरार चल रहे दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। कोतवाली क्षेत्र के सरैया मुस्तफाबाद ग्राम पंचायत के धनाइत पुर गांव में वर्ष 2021 में ग्राम पंचायत प्रधान के पद के लिए हुए उप चुनाव के दौरान गांव के ही कुछ लोगों ने पुलिस पार्टी पर हमला कर दिया था। जिसमें पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। रविवार को उप निरीक्षक राज नारायण यादव ने घटना के दो आरोपियों धनयातपुर गांव के मगधू एवं भेजू को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पुरानी रंजिश में मारपीट, मुकदमा दर्ज

कादीपुर-सुलतानपुर। पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट में दो महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। कोतवाली क्षेत्र के बनकेगांव फुटेहरी के रामकृष्ण की विपक्षियों से पुरानी राजेश चल रही थी। आरोप है कि शनिवार को रात लगभग साढ़े आठ बजे विपक्षी उनके घर पर आए। गाली गलौज देते हुए लाठी-डंडा एवं चाकू से हमला बोल दिया। जिससे रामकृष्ण ,उनकी मां शोभावती एवं पत्नी शारदा को काफी चोट आई। वह तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रभारी निरीक्षक श्याम सुंदर ने बताया कि पीड़ति रामकृष्ण की तहरीर पर पुलिस ने गांव के ही राजमणि, अमित कुमार एवं राममूरत के विरुद्ध नामजद केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

युवती को भगाने का आरोपित गिरफ्तार, भेजा जेल

मोतिगरपुर-सुलतानपुर। थाना क्षेत्र की पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। शनिवार को पुलिस टीम ने नामजद आरोपित को दबोचतकर उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मामला थाना क्षेत्र के एक गांव से जुड़ा है, जहां निवासी एक युवक ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया था कि लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के भगौतीपुर शेखनपुर निवासी रामजीत यादव पुत्र स्व. राम मिलन यादव उसकी 21 वर्षीय बहन को बहला-फुसलाकर भगा ले गया है। पीड़ित युवक के अनुसार, उसकी बहन घर में रखे जेवरात व लगभग 20 हजार रुपये नकद भी साथ ले गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए रामजीत यादव के विरुद्ध मई माह में नामजद मुकदमा दर्ज किया था। शनिवार को पुलिस टीम ने दियरा बाजार स्थित गोमती नदी पुल के पास से आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी अभियान में उपनिरीक्षक गिरीश कुमार सिंह, कांस्टेबल जनार्दन यादव एवं शिवम त्रिपाठी शामिल रहे। थानाध्यक्ष विजय सिंह ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

धम्मौर में बूढ़नमाता की मूर्ति खंडित, क्षेत्र में तनाव

सुलतानपुर। थाना धम्मौर क्षेत्र के हाजीपट्टी गांव में शनिवार रात एक बेहद संवेदनशील घटना ने पूरे इलाके को तनावग्रस्त कर दिया। गांव के बाहर स्थापित बूढ़नमाता की प्रतिमा को अराजक तत्वों द्वारा खंडित कर दिया गया, जिसकी जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। घटना की सूचना पर धम्मौर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। वहीं, कूड़धाम मंदिर के प्रबंधक आनंद चैतन्य भी दर्जनों समर्थकों के साथ मौके पर पहुंचे और धरने पर बैठ गए। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए प्रशासन से दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की। घटना के बाद हाजीपट्टी गांव और आसपास के इलाके में तनाव का माहौल व्याप्त है। एहतियातन पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और हालात पर नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बूढ़नमाता की यह मूर्ति वर्षों से गांव की आस्था का प्रतीक रही है और ऐसी हरकत न केवल धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाती है, बल्कि शांति व्यवस्था के लिए भी खतरा बन सकती है। धम्मौर पुलिस के अनुसार, घटना की जांच शुरू कर दी गई है और जल्द ही दोषियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। वहीं, पूरे क्षेत्र में संवेदनशीलता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर खड़ी ट्रक से टकराई कार, महिला की मौत, छह घायल

दिल्ली से बिहार जा रहे थे यात्री, चालक की हालत गंभीर, अयोध्या में चल रहा इलाज

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हलियापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक्सप्रेसवे के 85वें किमी पर एक तेज रफ्तार कार पीछे से खड़ी ट्रक में जा टकराई, जिससे कार में सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत छह लोग घायल हो गए। चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है और उसे अयोध्या के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार, बिहार के समस्तीपुर जिले के कल्याणपुर गांव निवासी नवनीत (19) अपने परिवार और एक मित्र के साथ दिल्ली से बिहार जा रहे थे। कार में नवनीत के भाई विपिन (25), हिमांशु (21), बहन कुमारी जया (17), माता नीलू (55) और साथी प्रेम (23) सवार थे। वाहन को कन्नौज जिले के सौरिक थाना क्षेत्र के खेड़ा रायपुर निवासी चालक दीपू चला रहा था। रविवार को जब कार पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के 85 किमी के करीब पहुंची, तभी वह अचानक सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यूपीडा कर्मियों की सहायता से सभी घायलों को तत्काल कुमारगंज सीएचसी पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने नीलू देवी (55) को मृत घोषित कर दिया। चालक दीपू की स्थिति गंभीर बनी हुई है, जिसे बेहतर इलाज के लिए अयोध्या रेफर किया गया है। अन्य घायलों का भी उपचार जारी है। पुलिस ने घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और ट्रक चालक की तलाश में जुट गई है। हादसे से परिवार में कोहराम मच गया है।

किसानों के आमरण अनशन का मामला गरमाया, डीएम से मुलाकात के बाद मिला आश्वासन

विश्ववार्ता संवाददाता

» एसडीएम लंभुआ की कार्यशैली पर उठे सवाल, कार्रवाई की मांग पर अड़े किसान

सुलतानपुर। लंभुआ एसडीएम के रवैये से क्षुब्ध किसानों ने रविवार शाम जिलाधिकारी कुमार हर्ष से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं। किसानों ने आरोप लगाया कि एसडीएम गामिनी सिंगला द्वारा दमनकारी नीतियां अपनाई जा रही हैं, जिससे उन्हें मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ति किया जा रहा है।

डीएम ने किसानों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। भारतीय किसान यूनियन हिंद के प्रदेश अध्यक्ष प्रभात सिंह ने जानकारी दी कि किसान संगठन के पदाधिकारियों ने 23 जुलाई से आमरण अनशन शुरू किया था। उन्होंने बताया कि वर्ष 2016 के एक पुराने विवाद में किसानों पर क्रॉस मुकदमा दर्ज कर उन्हें धारा 129 जी के तहत दो-दो लाख रुपये के निजी मुचलके भरने का आदेश दिया गया। किसानों का आरोप है कि उन्हें दो दिन तक अदालत में बैठाकर शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ति किया गया। अनशन के दौरान कई किसानों की तबीयत बिगड़ गई, उनका शुगर लेवल गिर गया और कुछ को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इस बीच राजनीतिक दलों ने भी किसानों का समर्थन किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने फोन पर अनशनरत किसानों से बातचीत की। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष ने प्रभारी मंत्री ओमप्रकाश राजभर के पुत्र से बात कराई, जिन्होंने संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई का आश्वासन दिया। संयुक्त किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष भी धरनास्थल पहुंचे और किसानों को समर्थन दिया। जिलाधिकारी के निर्देश पर एडीएम और एडिशनल एसपी मौके पर पहुंचे।

लंभुआ कोतवाल के आग्रह पर डीएम से फोन पर वार्ता कराई गई, जिसमें डीएम ने किसानों को वार्ता के लिए बुलाया। सोमवार को किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने डीएम से मुलाकात की और विस्तृत रूप से अपनी समस्याएं रखीं। हालांकि, किसानों की प्रमुख मांग एसडीएम लंभुआ के विरुद्ध कार्रवाई अब तक पूरी नहीं हुई है। किसान नेताओं का कहना है कि वे संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में आगे की रणनीति तय करेंगे और मांगों पर निर्णय आने तक आंदोलन की संभावना बनी रहेगी।

सांप के डसने से किसान की मौत, परिवार में मचा कोहराम

सुलतानपुर। जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। रविवार की सुबह खेत में चरी काटने गए एक किसान की सांप के डसने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई, जबकि परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, बालमपुर ग्राम पंचायत के पूरनपुर निवासी नरसिंह (55) रोज की तरह सुबह मवेशियों के लिए चरी काटने खेत में गए थे। इसी दौरान घास में छिपे एक विषैले सांप ने उन्हें पैर में डस लिया। परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना पर देहात कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाने की प्रक्रिया शुरू की। कोतवाल अखंड देव मिश्र ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर एक ही दिन में नींद की झपकी से दो हादसे

» एक ट्रक में थी लकड़ी, दूसरे में प्याज, दोनों पलटे, चालक घायल

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर रविवार को दो अलग-अलग सड़क हादसे हुए, जिनका कारण चालकों को नींद की झपकी आना बताया जा रहा है। दोनों ही मामलों में ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गए। एक ट्रक लकड़ी से लदा था जबकि दूसरे में प्याज भरे हुए थे।

पहला हादसा सुबह किमी 153.6 के पास हुआ, जब गुजरात से आजमगढ़ जा रहा एक लकड़ी लदा ट्रक चालक की झपकी के चलते पलट गया। ट्रक का अगला हिस्सा सड़क से उतरकर नीचे चला गया। चालक मोहन (34) निवासी टोंक, राजस्थान और सहचालक सुखी राम सोनी (23) इस हादसे में बाल-बाल बच गए। उन्हें किसी तरह की गंभीर चोट नहीं आई। हादसे के बाद सड़क पर लकड़ियां बिखर गईं, जिन्हें श्रब्ठ मशीन की मदद से हटाया गया। सुरक्षा के लिहाज से सेफ्टी कोन लगाए गए और दोनों लेन पर यातायात सामान्य रूप से चलता रहा।

दूसरा हादसा कुछ ही घंटे बाद किमी 148 पर हुआ। नासिक से सिलीगुड़ी जा रहा प्याज लदा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर डठब्ठ तोड़ते हुए सड़क के नीचे पलट गया। इस ट्रक को गुरदासपुर, पंजाब निवासी लखविंदर सिंह (44) चला रहे थे। उनके साथ हरजीत सिंह (52) भी सवार थे। दोनों को मामूली चोटें आईं। घायलों को तत्काल सीएचसी दोस्तपुर भेजा गया। सहायक सुरक्षा अधिकारी राम जगत तिवारी ने बताया कि वे पेट्रोलिंग टीम के साथ 5 मिनट के अंदर मौके पर पहुंच गए थे। ट्रक को खाली कराने के बाद बाहर निकाला जाएगा। घायलों का इलाज चल रहा है।

चोरी का ई-रिक्शा 18 घंटे में बरामद, आरोपी गिरफ्तार

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। जिले की जयसिंहपुर पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए चोरी गए ई-रिक्शा को महज 18 घंटे के भीतर बरामद कर लिया। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है।

थाना जयसिंहपुर क्षेत्र में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 297/25, धारा 303(2)/317(2) बीएनएस के अंतर्गत एक ई-रिक्शा की चोरी की गई थी। पुलिस अधीक्षक डा. विनीत जायसवाल द्वारा चलाए जा रहे वांछित एवं पुरस्कार घोषित अपराधियों के विरुद्ध विशेष अभियान के तहत, अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर के निर्देशन में गठित पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मात्र 18 घंटों में ई-रिक्शा बरामद कर लिया। इस मामले में सहबान उर्फ शाहबनी पुत्र सबिर, निवासी विरसिंहपुर, थाना जयसिंहपुर, को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गया ई-रिक्शा बरामद कर विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी में शामिल पुलिस टीम में उपनिरीक्षक हीरालाल यादव,कांस्टेबल पंकज कुमार,कांस्टेबल अजय यादव शामिल रहे। पुलिस का कहना है कि ऐसे मामलों में तत्परता से कार्रवाई जारी रहेगी।

सरकारी जमीन से दर्जनों पेड़ काट ले गए आरोपी, प्रधान ने दी तहरीर

सुलतानपुर। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के करोमी गांव में सरकारी जमीन पर लगे दर्जनों पेड़ों की अवैध कटान का मामला सामने आया है। ग्राम प्रधान महताब आलम ने इस मामले में दो लोगों के खिलाफ थाने में लिखित तहरीर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव की शमशान भूमि पर खड़े शीशम और चिलबिल के करीब दो दर्जन पेड़ काटकर उठा ले जाए गए हैं। ग्राम प्रधान के अनुसार, करोमी गांव निवासी शमशाद अहमद एवं फरियाद पुत्र स्व. मुस्तकीम पर यह गंभीर आरोप है। बताया गया कि उक्त दोनों व्यक्ति न सिर्फ पेड़ काट चुके हैं, बल्कि शेष बचे पेड़ों को भी काटने की फिराक में थे। समय रहते ग्रामीणों को इसकी भनक लगी, तो प्रधान ने तुरंत हस्तक्षेप कर घटना की जानकारी पुलिस को दी। प्रधान महताब आलम ने बताया कि सरकारी भूमि पर पेड़ों की कटाई पूरी तरह अवैध है और इससे ग्राम सभा की संपत्ति को नुकसान पहुंचा है।

रोटरी क्लब का 55वां अधिष्ठापन समारोह मना

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। रोटरी क्लब सुल्तानपुर का 55वां अधिष्ठापन समारोह भव्य रूप से होटल गार्डन व्यू में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मंडलाध्यक्ष रोटेरियन केके श्रीवास्तव तथा विशिष्ट अतिथि सह मंडलाध्यक्ष नीरव पांडेय रहे।

समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन व राष्ट्रगान से हुई। पूर्व अध्यक्ष संजय केसरवानी ने क्लब की सामाजिक उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि रोटरी क्लब ने समाजसेवा में उत्कृष्ट योगदान देकर अपनी विशेष पहचान बनाई है। विजय सेठ ने रोटरी वर्ष 2025-26 के लिए नव-निर्वाचित अध्यक्ष अखिल अग्रवाल और सचिव डॉ. अभिषेक पांडेय को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस दौरान "नो प्लास्टिक अभियान" के तहत पर्यावरण अनुकूल बैग का अनावरण किया गया, जिसे आम जनता में निःशुल्क वितरित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य प्लास्टिक पर निर्भरता कम करना और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। नव-निर्वाचित अध्यक्ष अखिल अग्रवाल ने रोटरी के उद्देश्यों और वर्ष 2024-25 में किए गए सामाजिक कार्यों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम का संचालन साक्षी पांडेय और तनु टंडन ने किया।

» अखिल अग्रवाल बने अध्यक्ष, डा. अभिषेक पांडेय सचिव नियुक्त

समारोह में दो नए कपल सदस्यों प्रमोद मिश्र व नेहा मिश्रा तथा अंकित श्रीवास्तव व आकांक्षा श्रीवास्तव को नीरव पांडेय ने रोटरी पिन पहनाकर सदस्यता प्रदान की। कार्यक्रम में पूर्व अध्यक्ष डा. रवि त्रिपाठी, पूर्व सचिव रो. वेद जायसवाल सहित बड़ी संख्या में रोटरी सदस्य, सीएमएस डा.आरके मिश्रा, विभिन्न जनपदों से आए चिकित्सक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और रोटरी परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

पयागीपुर रोड को मिला उजाला, नपा अध्यक्ष ने किया रोड लाइट योजना का शुभारंभ

» 47 खंभों पर लगेगी एलईडी लाइट, प्रयाग-अयोध्या राजमार्ग पर दोनों ओर फैलेगा उजियारा

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। शहरवासियों को अब अंधेरे सड़कों से निजात मिलने वाली है। नगर पालिका परिषद के एक महत्वाकांक्षी प्रकाश व्यवस्था प्रोजेक्ट की शुरुआत रविवार को नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने की। उन्होंने नवजीवन हॉस्पिटल से पयागीपुर के बीच सड़क पर रोड लाइट लगाए जाने के कार्य का भूमि पूजन कर विधिवत शुभारंभ किया।

कार्यक्रम का आयोजन वार्ड नंबर 2 के सभासद अखिलेश मिश्रा की पहल पर किया गया। भूमि पूजन के दौरान मंत्रोच्चार के बीच नगर पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने नारियल फोड़कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर अन्य वार्डों से आए सभासदकृदिनेश चौरसिया, मनीष जायसवाल, सुधीर तिवारी, प्रवीण मिश्रा, गिरीश मिश्र, देवानंद, आरिफ, विजय जायसवालकृभी उपस्थित रहे। शुभारंभ के मौके पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष चंदन सिंह और भाजपा नेत्री उपमा शर्मा ने प्रतीकात्मक रूप से फावड़ा चलाकर कार्य की शुरुआत की। पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने जानकारी दी कि इस योजना के तहत प्रयाग-अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर कुल 47 खंभों पर अत्याधुनिक एलईडी लाइटें लगाई जाएंगी, जिससे रात के समय सड़क रोशन रहेगी और लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। कार्यक्रम में वार्ड नंबर 2 के पूर्व सभासद संतोष सिंह, अरुण कुमार, श्रवण सिंह, कृष्णदेव मिश्रा, कृष्ण कुमार समेत तमाम स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। यह पहल न केवल क्षेत्र की सौंदर्यता बढ़ाएगी, बल्कि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी मील का पत्थर साबित होगी।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित आरोपी गिरफ्तार

सुलतानपुर। पुलिस अधीक्षक डॉ. विनीत जायसवाल के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत धनपतगंज पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत वांछित चल रहे आरोपी विजय प्रताप सिंह उर्फ धर्मवीर सिंह उर्फ गुड्डू को गिरफ्तार कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम जिसमें उपनिरीक्षक सुब्बा यादव के साथ कांस्टेबल सुमित कुमार, सौरभ सिंह व आकाश कुमार शामिल थेकृने रविवार को यह कार्रवाई की। टीम ने आरोपी को कोर्ट द्वारा जारी गैर जमानती वारंट के आधार पर गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी वाद संख्या 216/12, अपराध संख्या 405/09, धारा 3(1) उप्र गैंगस्टर एक्ट, थाना संग्रामपुर जनपद अमेठी से संबंधित है। आरोपी विजय प्रताप सिंह, निवासी मायंग, थाना धनपतगंज, लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस टीम ने उसे नियमानुसार गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया।

अकेली महिला से छेड़छाड़ शोर मचाने पर भागा

विश्ववार्ता संवाददाता

» महिला ने नामजद तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा

सुलतानपुर। गोसाईगंज थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ घर में घुसकर छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। महिला ने नामजद तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पीड़िता का कहना है कि 22 जुलाई की रात करीब 1 बजे वह अपने छोटे बच्चों और वृद्ध सास के साथ घर में सो रही थीं। उनके पति रोजगार के सिलसिले में बाहर गए हुए हैं। रात में अकील पुत्र मोहम्मद कदीर उनके घर की दीवार फांदकर अंदर घुस आया और बुरी नीयत से उन्हें पकड़कर खींचने लगा। महिला के शोर मचाने पर आरोपी उसे धक्का देकर मौके से फरार हो गया। पीड़िता ने तत्काल 112 नंबर पर सूचना दी। पुलिस अकील के घर गई, लेकिन उसने दरवाजा नहीं खोला। अगले दिन सुबह जब महिला उलाहना देने अकील के घर पहुंची, तो वहां मौजूद अकील और उसकी बुआ रोजीना बानो ने गाली-गलौज करते हुए फौजदारी पर आमादा हो गए। महिला ने किसी तरह अपनी जान बचाकर भागने की बात बताई। महिला का आरोप है कि आरोपियों ने धमकी दी कि यदि कहीं शिकायत की तो उसे जान से मार देंगे। पीड़िता ने थाने में तहरीर देकर न्याय की मांग की है। गोसाईगंज एसएचओ राम आशीष उपाध्याय ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

डा. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर किया श्रमदान

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। भारत रत्न, पूर्व राष्ट्रपति और देश के मिसाइल मैन डा. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर रविवार को गोमती मित्र मंडल की ओर से मां गोमती स्वच्छता मिशन के तहत साप्ताहिक श्रमदान आयोजित किया गया। महिला मंडल की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी कसौधन के नेतृत्व में नारी शक्ति ने पूरी तत्परता के साथ इस अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न किया।

महिलाओं ने तट, कुंड व संपूर्ण परिसर में झाड़ू लगाकर सफाई अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब हर घर की महिला को माँ गोमती के लिए आंचल फैलाकर याचना करनी चाहिए और इस पवित्र नदी को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। श्रमदान के उपरांत बैठक कर अगले अभियान की रूपरेखा भी तैयार की गई। इस अवसर पर गोमती मित्र मंडल के प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह ने उपस्थित सभी स्वच्छता सैनिकों से डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि अर्पित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, "डॉ. कलाम हमेशा कहा करते थे कि लक्ष्य ऐसा रखो जो असंभव लगे और फिर उसे संभव कर दिखाओ। आज गोमती मित्र मंडल उसी विचारधारा पर कार्य कर रहा है और जनमानस को भी इसी प्रेरणा के साथ जोड़ने का कार्य कर रहा है। श्रमदान में संरक्षक रतन कसौधन, प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह, महिला मंडल अध्यक्ष शालिनी कसौधन, मिथिलेश पांडे, पल्लवी पांडे, अन्नपूर्णा शर्मा, किरण उपाध्याय, राधा मौर्या, सपना शर्मा, अंजू श्रीवास्तव, देवकी जायसवाल, प्रबंधक राजेन्द्र शर्मा, मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी, संत कुमार प्रधान, युवा मंडल अध्यक्ष अजय वर्मा, राकेश सिंह दद्दू, राजेश पाठक, मुन्ना सोनी, राकेश मिश्रा, सेनजीत कसौधन, अजीत शर्मा, दीपक मोदनवाल, जयनाथ, राजीव कसौधन, महेश प्रताप, सनी कसौधन, सुजीत कसौधन, रामू सोनी, राज मिश्रा, आनंद वत्स, अभय मिश्रा, अभय सोनी समेत बड़ी संख्या में गोमती मित्र उपस्थित रहे।

रेडियो कार्यक्रम जनपद में 1793 बूथों पर सुना गया मन की बात का 124 वां एपिसोड

मन की बात कार्यक्रम सभी के लिए प्रेरणादाई : सुशील त्रिपाठी

विश्ववार्ता संवाददाता

सुलतानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। 124 वें एपिसोड को जिले के 1793 बूथों पर कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न डिजिटल माध्यम से कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात में कई प्रमुख बातों का उल्लेख किया।

उन्होंने भारत की उपलब्धियों के बारे में बात की। देश और समाज के विकास में लोगों के योगदान को भी सराहा। मन की बात' कार्यक्रम की शुरुआत में प्रधानमंत्री मोदी ने शुभांशु शुक्ला का जिक्र किया। कहा कि शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी पर पूरा देश गर्व से भर गया। भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी ने नगर के बूथ संख्या 204 लाल डिग्गी पर शक्ति केन्द्र संयोजक निर्भय सिंह के संयोजन में मन की बात कार्यक्रम सुना। उन्होंने कहा पीएम मोदी के मन की बात कार्यक्रम अत्यंत प्रेरणादाई होता है। पीएम ने कार्यक्रम में विज्ञान,विरासत और विविधता का संदेश देशवासियों को दिया है। इस मौके पर नगर अध्यक्ष रीना जायसवाल, सतनाम सिंह, देवेन्द्र प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे। भाजपा मीडिया प्रमुख विजय सिंह रघुवंशी ने बूथ संख्या 286 पर शक्ति केन्द्र संयोजक राजीव सिंह के संयोजन में मन की बात कार्यक्रम सुना।

इस मौके पर बूथ अध्यक्ष सचिन चोपड़ा,विनोद सिंह,मोहित साहू, ज्ञानेश मिश्रा आदि मौजूद रहे। वहीं जिला उपाध्यक्ष सुनील वर्मा ने बूथ संख्या 347 भांई,आनन्द द्विवेदी बूथ संख्या 120 कादीपुर खुर्द, विवेक सिंह विपिन बूथ संख्या 147 पीढ़ी,राजेश सिंह ने कादीपुर के बूथ संख्या 305, मनोज मौर्या कादीपुर के बूथ संख्या 346, अशोक सिंह बूथ संख्या 345 धम्मौर,प्रदीप शुक्ला इसौली में बूथ संख्या 177 पर मन की बात कार्यक्रम सुना। इसी तरह जिले के 1793 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम सुना गया।

एक नजर

राज ठाकरे 6 साल बाद उद्धव के घर पहुंचे

मुम्बई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चीफ राज ठाकरे रविवार को 6 साल बाद उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री पहुंचे। इस दौरान राज ने शिवसेना चीफ उद्धव ठाकरे को गले लगाया और बुके देकर जन्मदिन की बधाई दी। इससे पहले आखिरी बार 6 साल पहले 2019 में राज ठाकरे मातोश्री गए थे। उन्होंने उद्धव परिवार को अपने बेटे अमित की शादी में आने का न्योता दिया था। वहीं, औपचारिक रूप से राज 2012 में मातोश्री गए थे। उस समय बालासाहेब ठाकरे बीमार थे। 5 जुलाई को 20 साल बाद उद्धव और राज मुंबई के वर्ली डोम में एक रैली के दौरान साथ नजर आए थे। इस मौके पर दोनों की तरफ से आगे साथ मिलकर राजनीति करने के संकेत दिए गए थे। उद्धव को शिवसेना का मुखिया बनाने के बाद राज ने अलग पार्टी मनसे बनाई थी। तब दोनों के रिश्ते अच्छे नहीं थे।

गौरीकुंड में लैंडस्लाइड, केदारनाथ रूट बंद

नयी दिल्ली। मौसम विभाग ने रविवार के लिए पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश और गुजरात में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं उत्तराखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, कोंकण-गोवा, कर्नाटक, केरल, असम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। शनिवार को रुद्रप्रयाग में रात भर से जारी बारिश के कारण 1600 से ज्यादा चारधाम तीर्थयात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया गया। बारिश के कारण पहाड़ी से बड़े-बड़े पत्थर गिर गए और गौरीकुंड के पास केदारनाथ जाने वाला मार्ग अवरुद्ध हो गया। अभी भी 700 तीर्थयात्रियों को निकालने की प्रक्रिया जारी है। इधर ओडिशा सरकार ने शनिवार को बालासोर, भद्रक और जाजपुर के अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रखा है। कई नदियां उफान पर हैं, इसलिए निचले इलाकों से लोगों को निकालने को कहा गया है। जलाका और बैतरणी नदी का जलस्तर पहले ही खतरे के निशान को पार कर चुका है, जबकि बालासोर में सुवर्णरेखा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। हिमाचल प्रदेश में भी 29 जुलाई तक चार जिलों चंबा, कांगड़ा, मंडी और कुल्लू के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

फूड पॉइजनिंग से 64 छात्राएं अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद। तेलंगाना के नागरकुरनूल में एक सरकारी बालिका आवासीय स्कूल की 64 छात्राओं को फूड पॉइजनिंग के कारण अस्पताल में भर्ती करवाया गया। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि छात्राओं को उल्टी, दस्त और पेट दर्द के लक्षणों के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में उनमें से 50 को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। अब इस मामले की जांच की जा रही है।

कार की टक्कर से ई- रिक्शा चालक की मौत

नयी दिल्ली। दिल्ली के द्वारका इलाके में एक 16 साल के लड़के ने कार से ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। हादसे में 40 वर्षीय चालक की मौत हो गई। यह हादसा सुबह करीब 11:15 बजे द्वारका नाला रोड पर हुआ। कार में लड़के के साथ उसकी छोटी बहन भी थी। पुलिस के मुताबिक, लड़के ने कार पर से नियंत्रण खो दिया, जिससे गाड़ी पलट गई और सामने से आ रहे ई-रिक्शा से टकरा गई। गंभीर रूप से घायल रिक्शा चालक को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन सिर में लगी चोटों की वजह से उसकी मौत हो गई। लड़के ने पिता की अनुमति के बिना कार ली थी। पुलिस ने बीएनएस की धारा 281, 125 और 106 के तहत मामला दर्ज किया है क्योंकि आरोपी नाबालिग है, इसलिए पिता पर भी कार्रवाई की जाएगी। फोरेंसिक टीम ने दोनों वाहन जब्त कर लिए हैं।

आईएसआई से जुड़ा तस्कर गिरोह पकड़ा

अमृतसर। पंजाब पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। अमृतसर रूरल पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों की मदद से पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े एक तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह भारत में हथियार और ड्रग्स भेजने के काम में शामिल था। पुलिस ने इस कार्रवाई में 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से काफी मात्रा में हथियार, गोलियां और नकदी बरामद की गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि इनका सीधा संपर्क पाकिस्तान में बैठे ISI एजेंटों से था। पकड़ी गई खेप नव उर्फ नव पंडोरी को सौंपी जानी थी, जो कुख्यात गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया का नजदीकी साथी माना जाता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि यह नेटवर्क आतंकवाद और गैंगस्टर गिरोहों के गठजोड़ का हिस्सा है।

थाईलैंड और कम्बोडिया में लड़ाई जारी

नयी दिल्ली। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा विवाद को लेकर रविवार को चौथे दिन भी लड़ाई जारी है। इस खूनी संघर्ष में अब तक 33 लोगों की मौत हो चुकी है और 2 लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि उनकी पहल पर दोनों देश युद्धविराम की बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं, लेकिन रविवार सुबह प्राचीन मंदिरों के पास फिर से गोलीबारी शुरू हो गई। कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय की प्रवक्ता माली सोचेआता ने बताया कि थाई सेना ने सुबह 4:50 बजे मंदिरों के आसपास हमला शुरू किया। वहीं, थाई सेना के उप प्रवक्ता रिचा सुकसुवानोन ने कहा कि कंबोडिया ने सुबह 4:00 बजे गोलीबारी शुरू की। कंबोडिया के प्रधानमंत्री हन मानेट ने रविवार को कहा कि उनका देश ₹तत्काल और बिना शर्त युद्धविराम₹ के प्रस्ताव से सहमत है। उन्होंने अपने विदेश मंत्री प्राक सोकहोन को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात करने का आदेश दिया, लेकिन चेतावनी दी कि बैंकॉक कोई समझौता तोड़ने की कोशिश न करे।

निसार सैटेलाइट 30 जुलाई को लॉन्च होगा

नयी दिल्ली। इसरो और नासा की साझेदारी में बने निसार सैटेलाइट की बुधवार 30 जुलाई की शाम 5:40 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से लॉन्चिंग की जाएगी। 2392 किग्रा. वजनी इस सैटेलाइट को भारतीय रॉकेट जीएसटीवी-एफ 16 से लॉन्च किया जाएगा। इसे 734 किलोमीटर की सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा, जिससे यह रोज एक ही लोकल समय पर एक ही क्षेत्र से गुजर सकेगा। यह मिशन इसरो और नासा के बीच एक दशक से चल रही साझेदारी का बड़ा पड़ाव है। इसरो नासा की साझेदारी के चलते इसे निसार (नासा-इसरो सिंथेटिक अपार्चर राडार) नाम दिया गया है। यह दुनिया का सबसे महंगा अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट है।

दीवार न होती तो हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में और मौतें होतीं

चश्मदीदों ने बयां किया मंजर, लाशें पड़ी थीं और लोग ऊपर से दौड़ रहे थे

विश्ववार्ता ब्यूरो

हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वार के स्थित मनसा देवी मंदिर में रविवार सुबह हुई भगदड़ की घटना में 6 लोगों की मौत हुई और 29 लोग घायल हुए हैं। अपुष्ट सूत्रों ने मृतक संख्या आठ बतायी है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने इस हादसे में घायल हुए और मारे गए लोगों के बारे में जानकारी साझा की है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक, हादसे में मारे गए छह लोगों में से चार उत्तर प्रदेश, एक बिहार, और एक उत्तराखंड का निवासी था।

इस हादसे में घायल हुए लोगों ने आपबीती बताई। एक घायल ने बताया कि मैं भगदड़ के दौरान नीचे गिर गया। कुछ लोगों ने बताया कि लड़ाई हो रही थी और इस हादसे के दौरान मंदिर में बहुत भीड़ थी, जिस वजह से मुझे भी चोट आई है।

एक अन्य घायल ने बताया कि वहां बहुत भीड़ थी। किसी ने चिल्लाकर कहा कि शॉर्ट-सर्किट हो गई है। इसके बाद कुछ लोगों ने कहा कि मंदिर में दर्शन संभव नहीं होगा, और इसके बाद लोग इधर-उधर भागने लगे। घटना के समय बहुत भीड़ थी। अगर दीवार न होती तो बहुत सारे लोग सीधा खाई में गिरते। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, उत्तर प्रदेश के बरेली के निवासी आरुष (12), रामपुर निवासी विक्की (18), बाराबंकी निवासी वकील और बदायूं निवासी शांति की मौत हुई है। इसके अलावा बिहार के अररिया निवासी शकल देव (18) और उत्तराखंड के काशीपुर निवासी विपिन सैनी (18 वर्षीय) भी मृतकों में शामिल हैं।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र ने बताया कि हादसे में कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें इंद्र (पानीपत, हरियाणा), दुर्गा देवी (दिल्ली), शीतल (रामपुर, उत्तर प्रदेश), भूपेंद्र (बदायूं, उत्तर प्रदेश) अर्जुन (मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश), कृति (मोतीहारी, बिहार), राज कुमार (मोतीहारी, बिहार), अजय (बडियारपुर, बिहार), रोहित शर्मा (मैनपुरी, उत्तर प्रदेश), विकास (बरेली कैंट, उत्तर प्रदेश), काजल (मुरादाबाद), अराधना कुमारी (भागलपुर, बिहार) विनोद शाह (भागलपुर, बिहार), निर्मला (बरेली), विशाल (रामपुर), अनुज (मुरादाबाद), एकांक्षी (धामपुर, उत्तर प्रदेश), संदीप (मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश), रोशन लाल, दीक्षा (रामपुर), अजय कुमार (मुंगेर, बिहार), मनोज शरण (बरेली, उत्तर प्रदेश) शामिल है। इसके अलावा, 23 घायलों का इलाज जिला चिकित्सालय हरिद्वार में चल रहा है तथा अन्य घायलों के बारे में जानकारी इकट्ठा की जा रही है।

एम्स ऋषिकेश के पीआरओ संदीप कुमार ने बताया कि हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में दुखद हादसा हुआ है। इसमें 6 लोगों की मृत्यु हो गई है और 15 गंभीर घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। डॉक्टर मधुर उनियाल की देखरेख में घायलों का उपचार किया जा रहा है। 15 घायलों में से एक घायल को डिस्चार्ज कर दिया गया है। बाकी लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। ज्यादातर घायलों को चेस्ट इंजरी है और कुछ घायलों को मल्टीपल फ्रैक्चर हुआ है। सभी घायलों का इलाज जारी है।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस दौरान भीड़ में से किसी ने मार्ग पर बिजली के तार की अफवाह फैला दी। ऐसे में खुद को करंट से बचाने के लिए लोग भागने की कोशिश करने लगे और भगदड़ मच गई। मंदिर तक पहुंचने के पैदल रास्ता केवल एक ही जो काफी संकरा है। ऐसे में वहां भीड़ लगी रहती है। रविवार सुबह भी ऐसी ही स्थिति थी। ऐसे में जब भगदड़ मची तो कई लोगों को भागने की जगह ही नहीं मिली और वह भीड़ में दब गए। इस बीच एक चश्मदीद का बयान सामने आया है। हादसे का खौफनाक मंजर बयां करते हुए वह रो पड़ीं।

परियोजनाएं सिर्फ सरकारी खर्च नहीं, जनता के विश्वास की पूंजी

सीएम ने कानपुर, झांसी और चित्रकूट मंडल के जनप्रतिनिधियों संग की विशेष संवाद बैठक

अपने सरकारी आवास पर रविवार को कानपुर मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा करते सीएम योगी आदित्यनाथ।

विश्ववार्ता ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर कानपुर, झांसी और चित्रकूट मंडल के विधायकों के साथ एक विशेष संवाद बैठक की। यह बैठक केवल विकास परियोजनाओं की समीक्षा का मंच नहीं थी, बल्कि यह लोकतंत्र की उस जीवंत परंपरा का प्रमाण थी, जिसके तहत शासन और जनता के बीच की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी 'जनप्रतिनिधियों' के माध्यम से मुख्यमंत्री जन आकांक्षाओं से मुखातिब हो रहे थे।

मुख्यमंत्री ने संवाद की शुरुआत प्रत्येक सांसद एवं विधायक से सीधे संवाद करते हुए की। उन्होंने उनके निर्वाचन क्षेत्रों की जमीनी परिस्थितियों, जन अपेक्षाओं, विकास कार्यों की प्रगति और प्रशासनिक समन्वय पर विस्तार से फीडबैक प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सतत और संतुलित विकास में कानपुर मंडल की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह मंडल राज्य की औद्योगिक और शैक्षिक रीढ़ तो है ही, साथ ही साथ यह सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक चेतना और जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता का भी केन्द्र है।

बैठक में लोक निर्माण विभाग द्वारा मंडल के छह जिलों में जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित कुल 1,362 निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की गई, जिनकी अनुमानित लागत 10,914 करोड़ आंकी गई है। इन कार्यों में सड़कों, पुलों, फ्लाईओवरों, बाईपासों, इंटर-कनेक्टिविटी, मिसिंग लिंक रोड, सिंगल कनेक्टिविटी, धार्मिक स्थलों के विकास, सुरक्षा तथा लॉजिस्टिक्स से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्ताव सम्मिलित हैं। इनमें सबसे अधिक कार्य कानपुर नगर में प्रस्तावित किए गए हैं, जहाँ 5,006 करोड़ की लागत से 426 योजनाएं प्रस्तुत हुई हैं। फर्रुखाबाद में 2,476 करोड़ की लागत से 308 कार्य, कानपुर देहात में 1,214 करोड़ के 336 कार्य, कन्नौज में 1,076 करोड़ के 98 कार्य, इटावा में 620 करोड़ के 128 कार्य और औरैया में 524 करोड़ लागत से 66 विकास प्रस्ताव सम्मिलित हैं।

मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया कि संबंधित जनप्रतिनिधियों से विमर्श कर प्रस्तावित कार्यों की प्राथमिकता तय की जाए और समयबद्ध ढंग से कार्यों की शुरुआत सुनिश्चित की जाए। उन्होंने इन परियोजनाओं को केवल सरकारी खर्च का विवरण न मानते हुए उन्हें 'जनता के विश्वास की पूंजी' बताया। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों द्वारा प्राथमिकता प्राप्त योजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान की जाए, उनका पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और सतत निगरानी के माध्यम से समयबद्ध पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने नगर विकास विभाग को निर्देशित किया कि नगर विकास विभाग द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों से संबंधित शिलापट्ट पर स्थानीय जनप्रतिनिधि के नाम अंकित किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कानपुर मंडल को 'विकास का अग्रदूत' करार देते हुए विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में यह मंडल न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए एक प्रेरणास्पद मॉडल के रूप में उभरेगा।

मुख्यमंत्री ने झांसी और चित्रकूट मंडल के जनप्रतिनिधियों से उनके निर्वाचन क्षेत्रों की परिस्थितियों, जनअपेक्षाओं और विकासात्मक प्राथमिकताओं के विषय में व्यक्तिगत रूप से संवाद किया।

शिष्टाचार भेंट

लखनऊ में रविवार को राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से शिष्टाचार भेंट करते सीएम योगी आदित्यनाथ।

तेजस्वी महुआ से लड़े तो हम भी राघोपुर से लड़ जायेंगे

एजेंसी

» तेज प्रताप बढ़ाने लगे लालू यादव की टेंशन

पटना। आरजेडी और परिवार से बाहर चल रहे राजद चीफ लालू यादव के बड़े बेटे और पूर्व मंत्री तेज प्रताप वैशाली की महुआ विधानसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुके हैं। इस बीच एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में जब तेज प्रताप से पूछा गया कि तेजस्वी यादव के दो सीटों से चुनाव लड़ने की चर्चा चल रही है। वो महुआ की सीट से भी चुनाव लड़ सकते हैं। जिसके जवाब में तेज प्रताप ने कहा कि अगर तेजस्वी महुआ से लड़ेंगे, तो हम भी राघोपुर से लड़ जाएंगे। जब इस तरह का माहौल बनेगा, तब का तब देखा जाएगा। राजनीति और परिवार दोनों अलग-अलग हैं। उनके इस बयान के बाद से लालू यादव की टेंशन बढ़ सकती है।

महुआ सीट से आरजेडी के कैंडिडेट उतारने के सवाल पर तेज प्रताप ने कहा कि अगर ऐसा हुआ तो वहां की जनता राजद प्रत्याशी को हराकर भेजेगी। उन्होने कहा कि महुआ की जनता सब देख रही है। वहां मेडिकल कॉलेज किसकी वजह से बना है। रोड, अस्पताल की व्यवस्था हम किए। लड़-भिड़कर बनवाए, नहीं तो कहीं और शिफ्ट होने जा रहा था। हमारे तो मेनीफेस्टो में भी था। परिवार से दूर चल रहे तेज प्रताप ने कहा कि हम तो अपने तरीके से परिवार को एकजुट किए हैं। हम चाहते हैं कि बातचीत हो, सभी का सम्मान हो।

अपराध की चिंता तो एनडीए छोड़ें चिराग

नीतीश सरकार की आलोचना पर प्रशांत किशोर ने घेरा

एजेंसी

लखीसराय। जन सुराज के संयोजक प्रशांत किशोर ने चिराग पासवान पर निशाना साधा है। उन्होंने लोजपा नेता चिराग पासवान के बिहार में बढ़ते आपराधिक घटनाओं पर दिए बयान पर तंज किया। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इतनी ही चिंता है तो एनडीए छोड़ कर सरकार से अलग हो जाएं और बिहार की जनता की आवाज बनें। शनिवार को चिराग पासवान ने बिहार में कानून व्यवस्था की स्थिति को कमजोर बताते हुए नीतीश सरकार के कामकाज की आलोचना की थी।

प्रशांत किशोर ने चिराग पासवान के बयान पर कहा कि जो भी बिहार की चिंता करता है, वो बढ़ते अपराध-भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं कर सकता है। यह जनता का दबाव है कि एनडीए के सहयोगी दलों को भी आवाज उठाना पड़ रहा है। चिराग पासवान को अगर लगता है कि बिहार की कानून व्यवस्था ठीक नहीं है तो उन्हें एनडीए सरकार से अलग हो जाना चाहिए। बिहार की जनता की आवाज बनना चाहिए। बिहार की जनता की लड़ाई लड़नी चाहिए। यह सही नहीं है कि एनडीए में रहें भी और उसकी शिकायत भी करें।

इससे पहले सूर्यगढ़ा बाजार के पब्लिक हाई स्कूल मैदान में हुई जनसभा में प्रशांत किशोर ने कहा कि इस बार अपने बच्चों का चेहरा देखकर वोट कीजिए। इस साल बिहार की बदहाली की आखिरी दिवाली और छठ होगी। छठ के बाद सूर्यगढ़ा के युवाओं को 10-12 हजार रुपये की मजदूरी करने के लिए अपना घर-परिवार छोड़कर नहीं जाना पड़ेगा।

पुणे रेव पार्टी में एकनाथ खडसे के दामाद गिरफ्तार

शरद गुट के नेता बोले- कार्रवाई के पीछे राजनीतिक साजिश

एजेंसी

पुणे। पुणे पुलिस ने शनिवार देर रात एक रेव पार्टी पर छापेमारी में एनसीपी (एसपी) नेता एकनाथ खडसे के दामाद प्रांजल खेवलकर को गिरफ्तार किया है। अपार्टमेंट से गांजा, शराब और हुक्का जब्त किया गया है। कुल सात लोगों की गिरफ्तारी हुई है, जिनमें 2 महिलाएं शामिल हैं। सभी आरोपियों को क्राइम ब्रांच ऑफिस से कोर्ट ले जाया गया है।

दामाद की गिरफ्तारी पर खडसे ने कहा- पुलिस की कार्रवाई के पीछे कोई राजनीतिक मकसद तो नहीं, इसकी जांच होनी चाहिए। वहीं शिवसेना (यूबीटी) नेता सुषमा अंधारे ने कहा कि यह छापा उन लोगों के लिए संदेश है, जो सरकार के खिलाफ बोलते हैं। प्रांजल, एकनाथ खडसे की बेटी रोहिणी खडसे के पति हैं। रोहिणी एनसीपी (एसपी) की महिला यूनिट की प्रदेश अध्यक्ष हैं।

पुणे पुलिस को खराड़ी इलाके में एक स्टूडियो अपार्टमेंट में रेव पार्टी की सूचना मिली थी। इसके आधार पर क्राइम ब्रांच ने छापा मारा। पुलिस ने बताया कि पार्टी में मौजूद सभी लोग नशे का सेवन कर रहे थे। ड्रग्स, शराब समेत कई नशीली चीजें जब्त की गई है। सभी 7 आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट और अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है।

प्रांजल खेवलकर शरद पवार पार्टी के विधायक एकनाथ खडसे के दामाद और राष्ट्रवादी पार्टी की महिला प्रदेश अध्यक्ष रोहिणी खडसे के दूसरे पति हैं। अपने पहले पति से तलाक लेने के बाद रोहिणी खडसे ने अपने बचपन के दोस्त प्रांजल से शादी कर ली। खेवलकर और खडसे परिवार मुक्ताई नगर में रहते हैं। उनकी पत्नी रोहिणी खडसे राजनीति में सक्रिय हैं। हालांकि, उनके पति प्रांजल राजनीति से दूर हैं। खेवलकर एक रियल एस्टेट और इवेंट मैनेजमेंट पेशेवर हैं। उनके नाम पर चीनी और ऊर्जा क्षेत्र की कंपनियां हैं।

भयावह यादें बुजुर्ग के मुंह में ठूस दिया बम, दो महीने चली थी मुठभेड़, भुलाये नहीं भूलता वह खौफनाक मंजर

सूफी दरगाह को आतंकवादियों ने लगा दी थी आग

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले में स्थित प्रतिष्ठित चरार-ए-शरीफ दरगाह पर 66 दिनों की घेराबंदी को तीन दशक बीत चुके हैं, फिर भी आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ की भयावह यादें उन निवासियों के मन में अब भी ताजा हैं, जिन्होंने अपने प्राचीन शहर में मौत और तबाही का मंजर देखा था। 11 मई 1995 को घेराबंदी का अंत तब हुआ जब चारों तरफ से घिर चुके आतंकवादियों ने हताश होकर दरगाह को आग लगा दी। इससे सूफी संत शेख नूर-उद-दीन नूरानी, जिन्हें नंद ऋषि भी कहा जाता है, की 14वीं शताब्दी की दरगाह, नजदीकी मस्जिद और आसपास के क्षेत्र का एक बड़ा हिस्सा नष्ट हो गया, तथा हजारों निवासियों ने अपने घर और आजीविका खो दी।

गुलाम हसन खादिम जैसे स्थानीय लोग आज भी उस घटना को याद करके सिहर उठते हैं जब पाकिस्तानी आतंकवादी मस्त गुल ने घेराबंदी तोड़ने का प्रयास कर रहे एक बुजुर्ग व्यक्ति के मुंह में ग्रेनेड ठूंस दिया था। इस घटना ने कई अन्य लोगों की जिंदगी को भी पूरी तरह से बदल दिया। लखादिम ने गहरी सांस लेते हुए विद्वान बुजुर्ग नूर मोहम्मद फतेह खान की बहादुरी को याद किया, जिन्होंने दरगाह के अंदर छिपे आतंकवादियों से संपर्क करने का प्रयास किया था।

खादिम ने बताया, 'मुझे अच्छी तरह से याद है कि मस्त गुल ने उनके (खान) मुंह में एक ग्रेनेड ठूंस दिया था और उसकी पिन निकालना चाहता था, लेकिन उन्हें यह चेतावनी देकर छोड़ दिया कि बातचीत की कोई गुंजाइश नहीं है।' उन्होंने कहा, 'इस घटना को चारदीवारी से देख रहे हममें से कई लोग स्तब्ध रह गए।' एक तरफ आतंकियों के आग लगाने के कारण दरगाह और आसपास के घर दहक रहे थे जबकि गुल रहस्यमय तरीके से फरार हो गया। चरार-ए-शरीफ अपनी सूफी परंपराओं से ताकत हासिल करते हुए बहाली के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

खादिम ने कहा, 'इस दरगाह के प्रति आस्था, जो मुसलमानों के साथ-साथ कश्मीरी पंडितों द्वारा भी पूजनीय है, केवल बढ़ी है, क्योंकि यह आम धारणा है कि स्थानीय आबादी अधिक प्रभावित होने से इसलिए बच गई क्योंकि आसन्न आपदा का पूरा खामियाजा इस दरगाह ने उठाया है।'

जम्मू-कश्मीर पुलिस के पूर्व महानिदेशक कुलदीप खोड़ा का कहना है कि चरार-ए-शरीफ दरगाह आतंकवादियों और सीमा पार उनके आकाओं के लिए ''आंखों की सबसे बड़ी किरकिरी'' थी। उन्होंने कहा, 'कश्मीर अपनी सूफी परंपरा के लिए जाना जाता है और चरार स्थित दरगाह इसका जीता जागता सबूत है। आईएसआई और आतंकवादी समूहों का हमेशा से इस परंपरा को खत्म करने की साजिश रही है और 1995 में की गई कोशिश भी इसी साजिश का हिस्सा थी।' उस समय 32 वर्ष के रहे गुलाम कादिर याद करते हैं कि पूरे इलाके की 66 दिनों तक घेराबंदी की गई थी। उन्होंने कहा, 'वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों और जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल जनरल के.वी. कृष्ण राव के नेतृत्व में शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों की बार-बार की गई अपीलें अनसुनी कर दी गईं, क्योंकि छुपे हुए आतंकवादियों का वहां से निकलने का इरादा नहीं था।' गुलाम कादिर का मानना है कि शहर अब भी उस त्रासदी के जख्मों के साथ जी रहा है। उन्होंने बताया कि भीषण आग में नष्ट हुए कई घरों का कभी भी उचित पुनर्वास नहीं किया गया और 2008 के बाद पुनर्निर्माण के प्रयास कथित तौर पर पूरी तरह से ठप हो गए हैं। एक अन्य स्थानीय निवासी ने बताया कि मुख्य दरगाह का काम अभी पूरा हो ही रहा था कि उपराज्यपाल प्रशासन ने बगल वाली मस्जिद को बंद कर दिया, क्योंकि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की एक टीम ने इसे असुरक्षित घोषित कर दिया था। उन्होंने बताया कि यह एक नई संरचना थी और इसमें खामियां थीं। स्थानीय लोगों ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए हैं, विशेषकर इस तथ्य को देखते हुए कि इस पर काफी धनराशि खर्च की गई है।

₹1500 के लिए भैया ही बन बैठे लाडकी बहन

एजेंसी

» ऑडिट में खुलासा- 14,298 पुरुषों ने ₹21.44 करोड़ ठगे

मुम्बई। महाराष्ट्र में आर्थिक रूप से वंचित महिलाओं के लिए बनाई गई लाडकी बहन योजना के तहत 14,000 से ज्यादा पुरुषों ने धोखाधड़ी से पैसे लिए। महिला एवं बाल विकास विभाग के एक ऑडिट में यह खुलासा हुआ है।

14,298 पुरुषों को 21.44 करोड़ रुपए दिए गए, जिन्होंने ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में हेराफेरी की और खुद को महिला बताकर रजिस्टर करा लिया। यह खुलासा योजना शुरू होने के लगभग 10 महीने बाद हुआ। 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले शुरू की गई यह योजना, भाजपा के नेतृत्व वाले और शिवसेना व राकांपा के महायुति गठबंधन के लिए वोटर्स को लुभाने का जरिया थी।

इस योजना के तहत 21 से 65 साल की उम्र की उन महिलाओं को 1500 रुपए हर महीने दिए जाते हैं, जिनके परिवारों की सालाना कमाई 2.5 लाख रुपए से कम है।

स्कैम के खुलासे के बाद डिप्टी सीएम अजित पवार ने कहा, ₹लाडकी बहन योजना गरीब महिलाओं की मदद के लिए शुरू की गई थी। हम उन्हें दिया पैसा वसूल करेंगे।

अगर वे सहयोग नहीं करते हैं, तो आगे कार्रवाई होगी। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की इसी रिपोर्ट के मुताबिक फर्जी रजिस्ट्रेशन के कारण योजना को पहले ही साल में 1640 करोड़ का नुकसान हुआ है।

जयेश मीडिया प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **रोहित बाजपेयी** द्वारा दि इंडियन एक्सप्रेस लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ से मुद्रित और 33 कैंट रोड निकट ओडियन सिनेमा लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- **मनोरंजन सिंह***, **उत्तराखंड कार्यालय-** जे.एन. प्लाजा कॉम्पलेक्स, तृतीय तल, जिला जज न्यायालय के सामने, हरिद्वार रोड, देहरादून
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। समस्त विवादों का निस्तारण लखनऊ न्यायालय में मान्य होगा।
RNI No. UPHIN/2008/28657 Phone No.: (BSNL) 0522-2619671, 2619672 Phone No.: (AIRTEL) 0522-4323301, 4323302, 4323303 E-Mail: vishwavarta.response@gmail.com, dailyvishwavarta@yahoo.com dailyvishwavarta@rediffmail.com